देशबन्धु

जबलपुर, सोमवार 09 अक्टूबर 2023 । वर्ष –67 । अंक –330 । पृष्ठ –12 । मूल्य – 3.00 रु.

■ इजराइल के समर्थन ..
■ रोकना होगा इजराइल. 04
■ बाज नहीं आया पाकिस्तान, आतंकी हमास...
■ बहना सुखी, भैया दुखी 09
■ मछलियां तालाबों में खरपतवारों को नियंत्रित..
■ हरी मिर्च की खेती कैसे करें 11
■ जडेजा- कुलदीप ने..
■ 40 साल बाद मुंबई में ... 10

ICC CRICKET WORLD CUP INDIA 2023

आज के मैच
न्यूजीलैण्ड विरुद्ध नीदरलैंड्स
समय - 2.00 दोपहर

सार संक्षेप

सिक्किम में बाढ़ से मारे गए 30 लोग

मृतकों में सेना के 19 जवान शामिल

गंगटोक, (एजेंसियां)। सिक्किम में बाढ़ से मारे गए 30 लोगों में 19 भारतीय सेना के जवान हैं। रक्षा मंत्रालय और राज्य सरकार ने रविवार को यह जानकारी दी। उत्तरी सिक्किम में लोनाक झील का किनारा टूट गया और तीस्ता नदी बेसिन जलमग्न हो गया, जिसके बाद बादल फटने से 04 अक्टूबर को अचानक बाढ़ आ गई, जिससे यह त्रादसी हुई। सिक्किम सरकार की एक विज्ञप्ति में कहा गया कि 30 मृतकों में 19 सैन्यकर्मी शामिल हैं। रक्षा मंत्रालय के सूत्रों ने कहा कि चार अक्टूबर को तड़के आई आपदा के बाद से सेना के कम से कम 23 जवान लापता हैं। एक सैनिक को जीवित बचा लिया गया और उसी दिन उसे अस्पताल में भर्ती कराया गया। सैन्यकर्मी गंगटोक से 27 किलोमीटर दूर पूर्वी सिक्किम के पाक्योंग जिले के थे, जहां एक सैन्य शिविर है

41 हजार से ज्यादा लोग प्रभावित- बाढ़ ने 41,870 लोगों को प्रभावित किया है। सिक्किम राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण के अनुसार देश के बाकी हिस्सों से कट चुके राज्य के कुछ इलाकों से 2,563 लोगों को बचाया गया है।

सूचना

सुधि पाठकों के लिए देशबन्धु अखबार का ई–पेपर epaper.deshbandhump.com वेबसाइट पर भी उपलब्ध है।

बिरादरी की बात

चूहा-सुनती हो-आतंकी हमास को पाकिस्तान ने मदद का ऐलान किया है।

चुहिया- हां प्रिये-कहने में क्या जाता है, दुनिया जानती है वह खुद मदद का मोहताज है।

अफगानिस्तान में भूकंप से महाविनाश

2500 से ज्यादा मौतें, हजारों मलबे में दबे

काबुल/नई दिल्ली। अफगानिस्तान में शनिवार-रविवार की दरमियानी रात में भूकंप काल बनकर टूटा। एक के बाद एक लगातार छह भयावह झटकों ने सब तहस-नहस कर दिया और अफगानिस्तान को महाविनाश की ओर धकेल दिया। ढाई हजार से ज्यादा लोगों की मौत की पुष्टि हो चुकी है और हजारों की संख्या में लोग मलबे में दबे हैं।

इस खौफनाक मंजर के बीच राहत और बचाव का कार्य चल रहा है। भूकंप की तीव्रता 6.3 मापी गई है। जिसमें डेढ़ हजार से ज्यादा घर पूरी तरह जमींदोज हो गये हैं। कई गांव के गांव मिट गये। अफगानिस्तान के इतिहास में दो दशक बाद यह पहली बार सबसे घातक आपदा भूकंप बनकर आई है।

सब कुछ छिन गया.. अब खुले आकाश के नीचे

मेरा प्रदेशवासियों से अद्‌भुत रिश्ता : शिवराज

मुख्यमंत्री द्वारा बुधनी के जहाजपुर में 10 करोड़ से अधिक के कार्यों का भूमि-पूजन, किया जनसंवाद

भोपाल, देशबन्धु। मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा है कि मैंने सरकार नहीं परिवार चलाया है, भैया और मामा बनकर ही मुख्यमंत्री के रूप में कार्य किया है। मेरा प्रदेशवासियों से अद्भुत रिश्ता है। बहनों की जिंदगी बदलना, बच्चों की पढ़ाई के लिए बेहतर इंतजाम, युवाओं को रोजगार के लिए कौशल सिखाने और बीमारी में इलाज की व्यवस्था एवं हरसंभव सहायता, वरिष्ठजनों की तीर्थ-यात्रा का इंतजाम, किसानों को जीरो प्रतिशत पर ब्याज दिलाना, उनके लिए समय पर खाद की व्यवस्था और हर गरीब के रहने के लिए जमीन के पट्टे की व्यवस्था करना मेरे लिए महत्वपूर्ण है।

मैं चैन की नींद लेने मुख्यमंत्री नहीं बना था, मैंने कभी भी 24 घंटे में 4 घंटे से ज्यादा नींद नहीं ली, जनता की जिंदगी बदलना ही मेरी सर्वोच्च प्राथमिकता रही है। मुख्यमंत्री श्री चौहान सीहोर जिले के ग्राम जहाजपुर (बुधनी) में जन- संवाद कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने स्थानीय निवासी

➤➤शेष पृष्ठ 2 पर

क्रिकेट वर्ल्ड कप में टीम इंडिया का जीत से आगाज

भारत ने आस्ट्रेलिया को 6 विकेट से हराया

विराट और राहुल की धमाकेदार बल्लेबाजी

चैन्नई । क्रिकेट वर्ल्ड कप 2023 में भारत ने धमाकेदार शुरुआत की है। अपने पहले मैच में टीम इंडिया ने जहां 199 रनों पर आस्ट्रेलिया की पारी को समेट दिया। वहीं हर भारतीय बॉलर ने विकेट लिया।

भारत की बल्लेबाजी पारी की शुरुआत कुछ कमजोर रही और धड़ा-धड़ा तीन विकेट गिरने के बाद विराट और के.एल. राहुल ने मोर्चा संभाला। इन दोनों धाकड़ बल्लेबाजों ने 165 रनों की शानदार सांझेदारी की। विराट 85 रन बनाकर पवेलियन लौटे वहीं के.एल. राहुल ने आखिरी छक्का जड़कर जहां अपने रनों का स्कोर 97 पर पहुंचाया वहीं भारत की जीत का झंडा लहरा दिया।

मणिपुर में युवक को जिंदा जलाने का वीडियो सामने आया

आईटीएलएफ ने मई की घटना बताया

इंफाल, (एजेंसियां)। मणिपुर में रविवार को एक युवक को जिंदा जलाने का वीडियो सामने आया है। इंडिजिनस ट्राइबल लीडर्स फ्रंट (आईटीएलएफ) के प्रवक्ता घिन्जा ने ये वीडियो शेयर किया है। उन्होंने कहा कि वीडियो मई का है, लेकिन ये अभी सामने आया है। 7 सेकेंड के वीडियो में जिंदा युवक जलता हुआ दिखाई दे रहा है। आसपास कुछ आरोपियों के केवल पैर दिख रहे हैं। वीडियो के बैकग्राउंड से गोलियों के चलने की आवाज भी आ रही है।

मंत्री के घर के गेट के पास ग्रेनेड फटा

उधर, इंफाल पश्चिम के सिंगजामेई में शनिवार देर रात ग्रामीण विकास मंत्री वाई खेमचंद के घर के गेट के पास ग्रेनेड ब्लास्ट हुआ। इस हादसे में सीआरपीएफ का एक जवान घायल हो गया।

बेंगलुरु में पटाखा दुकान में लगी आग, 14 की मौत

बेंगलुरु। बेंगलुरु के बाहरी इलाके में एक पटाखे की दुकान-सह-गोदाम में आग लगने से कम से कम 13 लोगों की जलकर मौत हो गई। पुलिस सूत्रों ने यह जानकारी दी। अनेकल तालुका के अट्टीबेले में स्थित दुकान में आग लगने से पहले ही चौदह लोग चमत्कारिक ढंग से भाग निकले। दमकल गाड़ियों के साथ आपातकालीन सेवाएं मौके पर पहुंचीं और आग पर काबू पाया। आरोपियों के खिलाफ कार्रवाई की जानी चाहिए और मृतक के परिवारों को मुआवजा दिया जाना चाहिए। मुख्यमंत्री सिद्धरमैया ने मामले की जांच सीडीआई को सौंप दी है।

इजराइल-हमास संघर्ष में 600 से अधिक लोग मारे गए

इजराइल ने कहा- 8 जगहों पर लड़ाई जारी

तेल अवीव/ नई दिल्ली। इजरायली सेना और फिलिस्तीनी आतंकवादी समूह हमास के बीच लड़ाई में 600 से अधिक लोग मारे गए हैं। बीबीसी ने फिलिस्तीनी अधिकारियों के हवाले से बताया कि गाजा पट्टी में इजरायली हवाई हमलों में 313 लोग मारे गए हैं और 2,000 घायल हुए हैं। इज़राइल के स्वास्थ्य मंत्रालय के हवाले से तुर्की में इजराइल के दूतावास ने कहा, इजराइल में भी 300 नागरिक मारे गए हैं और दर्जनों इजराइलियों को बंधक बना लिया गया है। अब तक के सबसे बड़े हमले में हमास ने गाजा पट्टी से यहूदी राज्य की ओर मिसाइलों की बौछारें कर दी।

एयर इंडिया ने उड़ानें 14 तक निलंबित की

छात्रों को वापस लाने का प्रयास कर रहा भारत

शनिवार को शुरू हुए हमास के हमले के जवाब में एयर इंडिया ने 14 अक्टूबर तक दिल्ली-तेल अवीव उड़ानें निलंबित कर दी हैं। हमारे यात्रियों और चालक दल की सुरक्षा के लिए तेल अवीव से हमारी उड़ानें 14 अक्टूबर, 2023 तक निलंबित रहेंगी। एयर इंडिया के एक प्रवक्ता ने कहा, एयर इंडिया इस अवधि के दौरान किसी भी उड़ान में बुकिंग की पुष्टि करने वाले यात्रियों को हर संभव सहायता प्रदान करेगी।

इस बीच, केंद्रीय विदेश राज्य मंत्री वी. मुरलीधरन ने रविवार को कहा कि जो भारतीय इजराइल में हैं, वे किसी भी मदद के लिए भारतीय दूतावास से संपर्क कर सकते हैं।

विदेश राज्य मंत्री मीनाक्षी लेखी ने रविवार को कहा कि फिलिस्तीनी सशस्त्र गुट हमास के हमले के मद्देनजर इजरायल में फंसे भारतीय छात्रों को वापस लाने के प्रयास जारी हैं। उन्होंने बताया कि उन्हें शनिवार रात इज़राइल में भारतीयों के बारे में कई संदेश मिले। उन्होंने संवाददाताओं से कहा कि प्रधानमंत्री कार्यालय सीधे स्थिति की निगरानी कर रहा है।

लद्दाखः स्थानीय चुनाव में कांग्रेस का दबदबा

नेशनल कांफ्रेंस ने भी दिखाया दम

लद्दाख। लद्दाख पहाड़ी स्वायत्त विकास परिषद (एलएएचडीसी) कारगिल के चुनाव के लिए वोटों की गिनती देर रात तक जारी रही। ताजा परिणाम के मुताबिक, कांग्रेस ने 8 सीटें जीत ली हैं और फारूक अब्दुल्ला की पार्टी नेशनल कांफ्रेंस (नेकां) ने 11 सीटें तो वहीं भाजपा के खाते में दो सीटें आई हैं। एक सीट को आजाद उम्मीदवार ने अपने किया है। शेष 4 सीटों पर नतीजे आने बाकी हैं।

25 अगस्त को राहुल गांधी ने लद्दाख का दौरा किया था जिसके बाद सियासत गर्मा गई। लद्दाख में राहुल गांधी ने दूरदराज क्षेत्रों तक आम लोगों के बीच भी पहुंचे थे।

सुप्रीम कोर्ट ने कहा- हिंदू अविभाजित परिवार के मुखिया को संपत्ति बेचने का पूरा अधिकार

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने कहा है कि हिंदू अविभाजित परिवार (एचयूएफ) के 'कर्ता' को परिवार की संपत्ति को बेचने या निपटाने या अलग करने का अधिकार है, भले ही परिवार के किसी नाबालिग का अविभाजित हित हो।

शीर्ष अदालत ने बताया कि इसका कारण यह है कि एक एचयूएफ अपने कर्ता या परिवार के किसी वयस्क सदस्य के माध्यम से एचयूएफ संपत्ति का प्रबंधन करने में सक्षम है। अदालत ने इस संबंध में नारायण बल बनाम श्रीधर सुतार (1996) के फैसले का हवाला दिया। अदालत ने कहा कि उस फैसले में कर्ता और एचयूएफ की स्पष्ट व्याख्या दी गई है। जस्टिस संजीव खन्ना और जस्टिस एसवीएन भट्टी की पीठ ऋण वसूली न्यायाधिकरण में कार्यवाही को चुनौती देने वाली एक याचिका पर सुनवाई कर रही थी।

मद्रास हाईकोर्ट ने भी न्यायाधिकरण के फैसले को बरकरार रखा था। इसके बाद एनएस बालाजी के सुप्रीम कोर्ट का रुख किया था। याचिकाकर्ता बालाजी ने दावा किया कि विचाराधीन संपत्ति एक संयुक्त परिवार की संपत्ति

➤➤शेष पृष्ठ 2 पर

A.P.N. C.B.S.E. SENIOR SECONDARY SCHOOL
Affiliation No.: 1031302
School No.: 51319
An English Medium Co-educational School
ADMISSIONS OPEN
Class: Nursery 12th
(Science, Commerce & Humanities)
Call us: 0761-2676370, 9826587200
Sadar, Jabalpur Cantt, Web: www.apncbseschool.com
E-mail: apncbseschool@gmail.com

अब फेमटो सेकेण्ड लेजर - विक्टस से
मोतियाबिंद ऑपरेशन
मध्य भारत का सबसे आधुनिक
नया युग
आधुनिक नेत्र चिकित्सा ब्लेड फ्री, दर्द रहित, बिना इंजेक्शन, बिना पट्टी, बिना भर्ती, कुछ ही मिनटों में उपचार वापस अपने काम पर
डॉ।पवन स्थापक-सीधा संपर्क/ जांच एवं ऑपरेशन मोबाईल-9754601010, 9516244894
जनज्योति सुपर स्पेशिलिटी आई हॉस्पिटल, गोलबाजार, जबलपुर

सेना

इंडियन एयरफोर्स को मिला नया झंडा

वायुसेना दिवस पर दिखा नारी शक्ति का दम, ग्रुप कैप्टन शालिजा ने संभाली परेड की कमान

नई दिल्ली। भारतीय वायु सेना आज अपना 91वां स्थापना दिवस माना रही है। इस मौके पर भारतीय वायु सेना में बड़ा बदलाव हुआ है। वायु सेना का आज से अपना झंडा बदल गया है। एयर चीफ मार्शल वीआर चौधरी ने रविवार को उत्तर प्रदेश के प्रयागराज में नए झंडे का अनावरण किया। नया ध्वज सात दशक पहले अपनाए गए पुराने ध्वज की जगह लेगा।

अब ध्वज के ऊपरी दाएं कोने में फ्लाई साइड की ओर वायु सेना क्रेस्ट के शीर्ष पर राष्ट्रीय प्रतीक अशोक चिह्न और उसके नीचे देवनागरी में 'सत्यमेव जयते' शब्द लिखा है। अशोक चिह्न के नीचे एक हिमालयी गरुड़ है, जिसके पंख फैले हुए हैं और यह भारतीय वायुसेना के युद्ध कौशल को दर्शाता है। हल्के नीले रंग का एक वलय हिमालयी गरुड़ को घेरे हुए है, जिस पर 'भारतीय वायु सेना' लिखा है। भारतीय वायु सेना का आदर्श वाक्य 'नभः स्पृशं दीप्त' हिमालयी गरुड़ के नीचे देवनागरी में सुनहरे अक्षरों में अंकित है, जिसे भगवत गीता के अध्याय 11 के श्लोक 24 से लिया गया है और इसका अर्थ है 'वैभव के साथ आकाश को छूना।'

इस बार पहली बार परेड का नेतृत्व महिला अधिकारी कर रही हैं। प्रयागराज में मनाए जा रहे वायुसेना दिवस की परेड की कमान ग्रुप कैप्टन शालिजा धामी ने संभाली। वह एक हेलिकॉप्टर पायलट हैं। इसके अलावा वह वेस्टर्न सेक्टर में मिसाइल स्क्वॉड्रन की हेड हैं। साल 2003 में वह वायुसेना में कमीशन्ड हुई थीं। वह 2800 घंटे से ज्यादा की उड़ान भर चुकी हैं।

धामी फ्रंटलाइन आईएएफ लड़ाकू विमान की कमान संभालने वाली पहली महिला थीं। सेना में अब महिलाओं को भी पुरुषों के समकक्ष लाने के प्रयास हो रहे हैं. ऐसे में नारीशक्ति के इस प्रदर्शन को बेहदअहम माना जा रहा है।

➤➤शेष पृष्ठ 2 पर

डाक पंजीयन क्रमांक एसएसपी जबलपुर/04/2020-2022 www.deshbandhu-mp.com

देश-विदेश

बिहार में 24 घंटे में डूबने से 22 लोगों की मौत

पटना। बिहार में पिछले 24 घंटे के दौरान नदी, तालाब, पोखर सहित अन्य जलाशयों में डूबने से 22 लोगों की मौत हो गई। इनमें से सबसे अधिक भोजपुर जिले में पांच लोगों की मौत पानी में डूबने से हुई है। डूबने से लोगों की हुई मौत पर बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने शोक व्यक्त करते हुए मृतक के परिजनों को चार-चार लाख रुपए अनुग्रह अनुदान देने की घोषणा की है।

संयुक्त राष्ट्र बाल कोष ने अपनी रिपोर्ट में दी जानकारी

भारत में मौसमी आपदाओं से 67 लाख बच्चे हुए बेघर

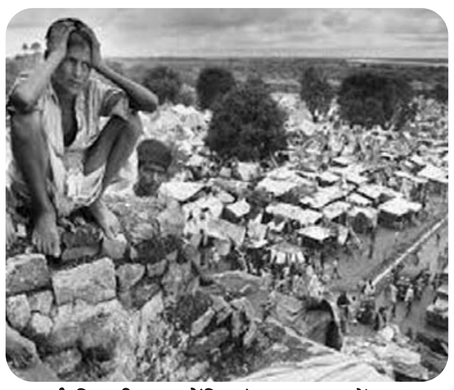

नई दिल्ली, (एजेंसियां)। भारत में जलवायु से जुड़ी बाढ़, सूखा और तूफान जैसी आपदाओं के कारण प्रति दिन औसतन 3,059 बच्चों को विस्थापन की पीड़ा सहनी पड़ती है। यूनिसेफ के अनुसार, देश में 2016 से 2021 के बीच 67 लाख बच्चों को अपने घरों को छोड़कर सुरक्षित जगहों पर शरण लेने के लिए मजबूर होना पड़ा। संयुक्त राष्ट्र बाल कोष (यूनिसेफ) की नई रिपोर्ट 'चिल्ड्रन डिस्प्लेस्ड इन ए चेंजिंग क्लाइमेट' के मुताबिक, फिलीपीन (97 लाख बच्चे) के बाद भारत दूसरा ऐसा देश है जहां इन छह वर्षों में सबसे ज्यादा बच्चे विस्थापित हुए हैं। वहीं, चीन में 64 लाख बच्चे विस्थापित हुए। इस दौरान इन तीन देशों के कुल 2.3 करोड़ बच्चों को विस्थापन की पीड़ा सहनी पड़ी। रिपोर्ट में 2020 में आए चक्रवाती तूफान अम्फान का भी जिक्र किया है, जिसमें बांग्लादेश, भूटान, भारत और म्यांमार में करीब 50 लाख लोगों को विस्थापित होना पड़ा था, जिनमें बच्चों की संख्या ज्यादा थी। वैश्विक स्तर पर देखा जाए तो दुनिया में रोजाना औसतन 20 हजार बच्चे विस्थापित हो रहे हैं। यूनिसेफ के अनुसार, 2016 से 2021 के बीच 44 देशों में करीब 4.31 करोड़ बच्चों को घर छोड़कर अपने ही देश में किसी दूसरी सुरक्षित जगह शरण लेनी पड़ी। जब विस्थापित बच्चों की तुलना किसी देश में बच्चों की कुल आबादी से की जाती है तो डोमिनिका और वानुअतु जैसे छोटे द्वीपीय देशों में बच्चे तूफानों से सबसे ज्यादा प्रभावित हुए हैं। इस लिहाज से बाढ़ से सबसे ज्यादा विस्थापित हुए बच्चे सोमालिया और दक्षिण सूडान के हैं।

प्रतिदिन 3059 बच्चों को सहना पड़ता विस्थापन का दंश

95 फीसदी तबाही का कारण बाढ़ व तूफान

रिपोर्ट के अनुसार, दुनियाभर में बच्चों के बढ़ते विस्थापन में बाढ़ और तूफान की बड़ी भूमिका है। न छह वर्षों में जितने भी बच्चे विस्थापित हुए हैं उनमें से 95 फीसदी मामलों में बाढ़ और तूफान जैसी मौसमी आपदाएं ही जिम्मेदार थीं। 2016 से 2021 के बीच बाढ़ के कारण 1.97 करोड़ और तूफान के कारण 2.12 करोड़ बच्चों को विस्थापन की मार झेलनी पड़ी। 40 फीसदी से ज्यादा बच्चे अपने मां-बाप से बिछड़ गए।

राष्ट्रपति मुर्मू के दौरे से पहले कश्मीर में बढ़ाई गई सुरक्षा

श्रीनगर। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू की 11 अक्टूबर की यात्रा से पहले रविवार को पूरी घाटी में कड़ी सुरक्षा व्यवस्था की गई। राष्ट्रपति 11 अक्टूबर को कश्मीर विश्वविद्यालय के 20वें दीक्षांत समारोह को संबोधित करेंगी।

देश की राष्ट्रपति बनने के बाद यह उनकी पहली कश्मीर यात्रा होगी। राष्ट्रपति विश्वविद्यालय के मेधावी छात्रों/स्कॉलर्स को पुरस्कृत करेंगी। दीक्षांत समारोह में 400 छात्रों/स्कॉलर्स को स्वर्ण पदक, पीएचडी और एम.फिल की डिग्रियां मिलेंगी। दीक्षांत समारोह के बाद, राष्ट्रपति श्रीनगर में डल झील पर एक लाइट एंड साउंड शो में भाग लेंगी, जहां उपराज्यपाल मनोज सिन्हा 11 अक्टूबर की शाम को डिनर पर उनकी मेजबानी करेंगे।

प्रथम पृष्ठ का शेष

मेरा प्रदेशवासियों से..... श्रीमती जमुना बाई को शाल, श्रीफल भेंट कर उनका सम्मान किया। उल्लेखनीय है कि मुख्यमंत्री श्री चौहान जब पहली बार विधायक के चुनाव के लिए जनसम्पर्क कर रहे थे, तब श्रीमती जमुना बाई ने उन्हें चुनाव लड़ने में अपने योगदान और सहयोग के रूप में 2 रूपए भेंट करते हुए, सफल होने का आशीर्वाद प्रदान किया था।

ग्रामीण विकास के लिए निर्माण कार्यों का किया भूमि-पूजन

मुख्यमंत्री श्री चौहान ने 10 करोड़ रूपये से अधिक के निर्माण और विकास कार्यों का भूमि-पूजन भी किया। इसके अंतर्गत ग्राम बायां में 2 सामुदायिक भवन और 2 करोड़ 49 लाख रूपये की लागत से बनने वाली रिटेनिंग वॉल, मट्ठा गांव में पंचायत भवन, मांगलिक भवन, ग्राम मरहानपुर में मांगलिक भवन और मछुआरा भवन तथा शिव मंदिर के समीप सामुदायिक भवन और जनोपयोगी सुविधाओं के विकास कार्यों का भूमि-पूजन किया गया। साथ ही ग्राम नीमखेड़ी में सामुदायिक भवन, ग्राम फुलाड़ा और मोगरा में आंगनवाड़ी भवन, ग्राम भड़कुल में पंचायत भवन, सलकनपुर में कोरकू समुदाय के लिए सामुदायिक भवन तथा जहाजपुर में मांगलिक भवन का भूमि-पूजन किया। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने क्षेत्र के विभिन्न गांव में सड़क निर्माण, स्ट्रीट लाइट व्यवस्था, स्वच्छता संबंधित अधो-संरचना निर्माण सहित अन्य कार्यों का भूमि-पूजन भी किया।

मुख्यमंत्री ने कहा कि बहन-बेटियों को सशक्त करने के लिए ही लाड़ली लक्ष्मी योजना, कन्या विवाह योजना जैसी योजनाएं संचालित की गईं। गरीब और किसान के बच्चों को प्राइवेट स्कूल जैसी शिक्षा सुविधा उपलब्ध कराने के लिए सीएम राइज स्कूल बनाए जा रहे हैं। पढ़ाई के लिए प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से उन्हें राशि के साथ साइकिल, लेपटॉप, स्कूटी आदि देने की व्यवस्था भी की गई है। विद्यार्थियों द्वारा मेडिकल और इंजीनियरिंग कॉलेजों में प्रवेश लेने पर उनकी फीस राज्य सरकार द्वारा भरवाई जाएगी। हर गरीब का अपना घर हो यह सुनिश्चित करने के लिए मुख्यमंत्री भू-आवासीय योजना में पट्टे उपलब्ध कराने की व्यवस्था की गई है। हमने गरीब किसान को उनका हक दिया है, प्रदेश में सेवा का यज्ञ चल रहा है। कार्यक्रम को सांसद रमाकांत भार्गव ने भी संबोधित किया। इस अवसर पर क्षेत्रीय जन-प्रतिनिधि उपस्थित थे।

सुप्रीम कोर्ट ने का- या हिंदू अविभाजित परिवार (एचयूएफ) की संपत्ति थी, जिसे उसके पिता ने गारंटर के रूप में गिरवी रखा था। परिवार के अन्य सदस्यों की सहमति जरूरी नहीं-शीर्ष अदालत ने पाया कि याचिकाकर्ता के पिता, एचयूएफ के 'कर्ता' के रूप में एचयूएफ की संपत्ति गिरवी रखने के हकदार थे। एचयूएफ के अन्य सदस्यों को इसमें सहमति देने वाले पक्ष होने की आवश्यकता नहीं है। अलगाव के बाद एक समान उत्तराधिकारी (कोपार्सनर) उस स्थिति में 'कर्ता' के कार्य को चुनौती दे सकता है, यदि अलगाव कानूनी आवश्यकता या संपत्ति की बेहतरी के लिए नहीं हो। इस टिप्पणी के साथ शीर्ष अदालत ने मद्रास हाईकोर्ट के आदेश को चुनौती देने वाली याचिका को खारिज करते हुए कहा कि हाईकोर्ट के आदेश में दखल का कोई कारण नहीं बनता।

वायुसेना दिवस -इस बार वायुसेना दिवस की परेड में पहली बार अग्निवीर सहित पूरा महिला दल शामिल हो रहा है। इसके अलावा पहली बार गरुण कमांडो की उड़ान को भी शामिल किया गया है। अब सेना में महिलाओं की भूमिका सीमित नहीं है बल्कि उन्हें केंद्रीय भूमिकाओं की जिम्मेदारी दी जा रही है। वे विमान उड़ा रही हैं, युद्धपोतों पर सेवाएं दे रही हैं। इसके अलावा कमीशन रैंक के लिए भी महिलाएं योग्य हैं। उन्हें एनडीए के तहत भी ट्रेनिंग दी जा रही है। वायुसेना और नौसेना ने गुरुड़ कमांडो और मरीन कमांडो में भी महिलाओं को शामिल किया है। वायुसेना चीफ एयर चीफ मार्शल वीआर चौधरी ने इस बार प्रयागराज में वायुसेना दिवस समारोह की शुरुआत की।

इसरो पर हर दिन हो रहे 100 से ज्यादा साइबर अटैक : एस सोमनाथ

नई दिल्ली। भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) के अध्यक्ष एस सोमनाथ ने कहा कि देश की अंतरिक्ष एजेंसी को प्रतिदिन 100 से अधिक साइबर हमलों का सामना करना पड़ रहा है। केरल के कोच्चि में दो दिवसीय अंतरराष्ट्रीय साइबर सम्मेलन के 16वें संस्करण के समापन सत्र में बोलते हुए सोमनाथ ने आगे कहा कि- रॉकेट तकनीक में साइबर हमलों की संभावना बहुत अधिक है जो अत्याधुनिक सॉफ्टवेयर और हार्डवेयर आधारित चिप का उपयोग करती है। उन्होंने कहा, संगठन ऐसे हमलों का सामना करने के लिए एक मजबूत साइबर सुरक्षा नेटवर्क से लैस है। केरल पुलिस और सूचना सुरक्षा अनुसंधान एसोसिएशन द्वारा आयोजित अंतरराष्ट्रीय साइबर सम्मेलन में पहुंचे इसरो प्रमुख एस सोमनाथ ने कहा कि संगठन रोजाना 100 से अधिक साइबर हमलों का सामना करता है।

हालांकि इसरो की साइबर सिक्योरिटी इन हमलों से बचने के लिए काफी मजबूत है। इसरो में मौजूद सुरक्षा तकनीकों के बारे में उन्होंने कहा कि सॉफ्टवेयर के अलावा, इसरो रॉकेट के अंदर हार्डवेयर चिप्स की सुरक्षा पर ध्यान केंद्रित करते हुए विभिन्न परीक्षणों पर भी आगे बढ़ रहा है।

'जवान' विश्व स्तर पर 1,100 करोड़ से अधिक की कमाई करने वाली पहली हिंदी फिल्म बनी

मुंबई। शाहरुख खान और नयनतारा की मुख्य भूमिका वाली फिल्म जवान अपनी रिलीज के 30 दिनों के बाद भी अजेय बनी हुई है। फिल्म ने अब वैश्विक स्तर पर 1,100 करोड़ रुपये से अधिक की कमाई करके अपनी उपलब्धि में एक और उपलब्धि जोड़ ली है। इस के साथ जवान यह मुकाम हासिल करने वाली एकमात्र हिंदी फिल्म भी बन गई है। इसका कुल सकल विश्वव्यापी बॉक्स ऑफिस संग्रह वर्तमान में 1,103.27 करोड़ रुपये है, जिसमें घरेलू बॉक्स ऑफिस से 733.37 करोड़ रुपये का योगदान है।

फिल्म ने विदेशी बाजार से 369.90 करोड़ रुपये कमाए रेड चिलीज एंटरटेनमेंट ने अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर फिल्म के बॉक्स ऑफिस आंकड़े साझा किए और लिखा, जवान। हर दिन बॉक्स ऑफिस रिकॉर्ड बनाना और तोड़ना! जवान, पठान के बाद शाहरुख खान की 2023 की दूसरी पेशकश है, जो एक मेगा-ब्लॉकबस्टर भी थी और शीर्ष 3 सबसे ज्यादा कमाई करने वाली हिंदी फिल्मों की सूची में शामिल है।

अमेरिका के न्यू जर्सी में दुनिया के दूसरे सबसे बड़े मंदिर का हुआ उद्घाटन

न्यू जर्सी। भारत से बाहर विश्व का सबसे बड़ा हिंदू मंदिर स्वामीनारायण अक्षरधाम का रविवार 8 अक्टूबर 2023 को अमेरिका के न्यू जर्सी में उद्घाटन हुआ। यह मंदिर न्यूयॉर्क के टाइम्स स्क्वायर, लगभग 90 किमी दक्षिण और वाशिंगटन डीसी से लगभग 289 किमी उत्तर न्यू जर्सी के छोटे रॉबिन्सविले टाउनशिप में बनाया गया है। मंदिर स्वामीनारायण संप्रदाय का विश्वव्यापी धार्मिक और नागरिक संगठन बोचासनवासी श्री अक्षर पुरुषोत्तम स्वामीनारायण संस्था द्वारा निर्मित कई मंदिरों में से एक है। इसे 18 अक्टूबर से आम श्रद्धालुओं के लिए खोल दिया जाएगा।

183 एकड़ में फैला मंदिर 255 फीट लंबा, 345 फीट चौड़ा और 191 फीट ऊंचा है- 255 फीट लंबे, 345 फीट चौड़े, 191 फीट ऊंचे और 183 एकड़ में फैले मंदिर को बनाने में अमेरिका के 12,500 से अधिक स्वयंसेवकों ने दिनरात मेहनत की। मुख्य मंदिर के अलावा इसमें 12 उप-मंदिर हैं। नौ शिखर (शिखर जैसी संरचनाएं) और नौ पिरामिडनुमा शिखर हैं। इतने विशाल और भव्य मंदिर को बनाने में करीब बारह साल लगे हैं।

इसमें 10,000 से अधिक मूर्तियों और जटिल नक्काशी का उल्लेखनीय संग्रह है, जो भारतीय संगीत वाद्ययंत्रों और नृत्य रूपों को दर्शाती है। यह आधुनिक युग के हिंदू मंदिरों में संभवत: कंबोडिया के प्रतिष्ठित अंगकोर वाट के बाद दूसरा सबसे बड़ा मंदिर है। मंदिर में 'ब्रह्म कुंड' के नाम से एक पारंपरिक भारतीय बावड़ी है, जिसमें दुनिया भर के 300 से अधिक जल निकायों का जल शामिल है।

भारत, तुर्की, ग्रीस, इटली, चीन सहित दुनिया के कई हिस्सों के पत्थरों से बना है मंदिर- मंदिर के निर्माण में लगे चूना पत्थर, ग्रेनाइट, गुलाबी बलुआ पत्थर और संगमरमर सहित लगभग दो मिलियन क्यूबिक फीट पत्थर भारत, तुर्की, ग्रीस, इटली और चीन सहित दुनिया के विभिन्न हिस्सों से मंगवाए गए हैं।

बीएपीएस स्वामीनारायण संस्था के अक्षरवत्सलदास स्वामी ने एजेंसी को दिए एक साक्षात्कार में कहा, ''हमारे आध्यात्मिक नेता (प्रमुख स्वामी महाराज) की सोच थी कि पश्चिमी गोलार्ध में एक ऐसा स्थान होना चाहिए जो केवल हिंदुओं, केवल भारतीयों या केवल कुछ लोगों के समूहों का न होकर दुनिया के सभी लोगों के लिए हो।

यह स्थान पूरी दुनिया के लिए होना चाहिए, जहां लोग आ सकें और हिंदू परंपरा के कुछ मूल्यों, सार्वभौमिक मूल्यों को सीख सकें।'' इस सप्ताह मंदिर परिसर में देश भर से लोग इसे देखने पहुंचे और साधु-संतों से मिलकर आशीर्वाद लिया। लोगों ने भगवान स्वामीनारायण संप्रदाय के संस्थापक और पश्चिमी भारत नैतिक और आध्यात्मिक पुनर्जागरण की शुरुआत करने वाले महान संत की पूजा समारोह में हिस्सा लिया।

सिद्दीपेट में संदिग्ध हालत में मिले 100 बंदरों के शव, जांच के लिए हैदराबाद भेजे गए सैंपल

तेलंगाना। सिद्दीपेट जिले के एक गांव के बाहरी इलाके में लगभग 100 बंदरों के शव पाए गए। स्थानीय अधिकारियों के मुताबिक, मुनिगादापा के कुछ ग्रामीणों ने शनिवार को अपने खेतों के पास बंदरों को मृत देखा और स्थानीय अधिकारियों को इस बात की जानकारी दी। इसके बाद, अधिकारियों की इस बात की सूचना पशु चिकित्सा विभाग को दी।

पशु चिकित्सा और पशुपालन विभाग के एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा कि विभाग के अधिकारियों ने उनकी मौत के कारण को लेकर फिलहाल कोई जानकारी नहीं दी है।

साथ ही, मृत बंदरों के कुछ सैंपल इकट्ठा किए हैं। अधिकारियों ने कहा कि नमूने हैदराबाद की फोरेंसिक लैब में भेजे गए हैं और रिपोर्ट मिलने के बाद मौत का कारण की पुष्टी की जा सकती है।

हालांकि, अब तक अंदेशा लगाया गया है कि बंदरों को किसी और जगह जहर देकर मारा गया है और बचने के लिए बाद में उनके शवों को गांव के पास फेंक दिया गया है। सैंपल के जांच के साथ ही, पुलिस इस बात की भी गहराई से जांच कर रही है। ऐसा नजारा देखकर गांव के लोगों में दहशत है और वे सभी काफी डरे हुए और परेशान हैं।

कार्यालय कार्यपालन यंत्री (भवन) लोक निर्माण विभाग, साउथ सिविल लाईन जबलपुर

NIT No.26/2023/Centralized Tender/G/APD/ Date 29/09/2023

निम्नलिखित कार्य हेतु ऑनलाईन निविदा पंजीकृत ठेकेदारों अथवा पंजीयन हेतु उपयुक्त पात्रता वाली प्रतिष्ठित फर्म से आमंत्रण की जाती है :-

सं. क्रं	पोर्टल टेंडर क्र.	कार्य का नाम	जिला	ठेके की अनुमानित राशि (पीएसी) (रु. लाख में)	अमानत राशि (ईएमडी) (रु. में)	निविदा प्रपत्र का मूल्य श्रेणी (रु. में)	कार्य पूर्ण करने का समय (माह में वर्षाकाल सहित)
1.	2.	3.	4.	5.	6.	7.	8.
1.	2023_PWPIU_313655_1	जिला जबलपुर में क्षेत्रीय अतिरिक्त संचालक (उच्च शिक्षा विभाग) के नवीन कार्यालय भवन निर्माण कार्य। (प्रथम आमंत्रण)	जबलपुर	349.91	349910.00	15000.00	12 माह

1. निविदा से संबंधित बिड डॉक्यूमेंट वेबसाईट http://mptender.gov.in पर बिना भुगतान के देखे एवं डाउनलोड किये जा सकेंगे। 2. निविदा प्रपत्र का मूल्य ऑन-लाइन पोर्टल पर क्रेडिट/डेबिट/कैशकार्ड/ इंटरनेट बैंकिंग के माध्यम से भुगतान कर निविदा प्रपत्र खरीदा जा सकेगा। 3. निविदा प्रपत्र केवल ऑन-लाईन दिनांक 03.10.2023 समय 9.00 से दिनांक 17.10.2023 समय 18.00 बजे तक तक खरीदा जा सकेगा। सूचना व अन्य जानकारी वेबसाईट पर देखी जा सकती है। 4. निविदा से संबंधित समस्त आवश्यक संशोधन उपरोक्त वेबसाईट पर ही दर्ज किये जायेंगे, पृथक से समाचार पत्रों में प्रकाशन नहीं किया जावेगा।

G-21215/23 दुर्घटना से रखनी दूरी है तो हेलमेट सबसे जरूरी है।

कार्यपालन यंत्री (भवन)
लोक निर्माण विभाग, जबलपुर

कार्यालय, कार्यपालन यंत्री लोक निर्माण विभाग, (भ/स) संभाग सतना (म.प्र.)

निविदा आमंत्रण सूचना

निविदा सूचना क्रमांक 35/2023-24 सतना, दिनांक 03.10.2023

निम्नलिखित कार्यों हेतु निविदायें आमंत्रित की जाती हैं। उल्लेखित कार्य का विस्तृत विवरण वेबसाइट www.mptenders.gov.in पर देखा जा सकता है।

क्र.	टेंडर ई.डी. क्रमांक	कार्य का नाम	आमंत्रण क्र.	कार्यपूर्ण करने की समयावधि	कार्य की अनु. राशि	अमानत राशि	निविदा प्रपत्र की लागत
1.	2.	3.	4.	5.	6.	7.	8.
1.	2023_PWDRB_311065_1	उपसंभाग अमरपाटन अंतर्गत अजमाइन से छतुरिहा टोला मार्ग लम्बाई 3.88 कि.मी. का निर्माण कार्य।	प्रथम	05 माह	26113868.00	261200.00	15000.00
2.	2023_PWDRB_311067_1	उपसंभाग अमरपाटन अंतर्गत ताला बाजार टोला से मैरटोला तक छतुरिहा टोला मार्ग लम्बाई 3.25 कि.मी. का निर्माण कार्य।	प्रथम	05 माह	24062404.00	240700.00	15000.00
3.	2023_PWDRB_311068_1	उपसंभाग अमरपाटन अंतर्गत ग्राम देवदही से बरगाही टोला मार्ग पुल सहित लम्बाई 3.125 कि.मी. का निर्माण कार्य।	प्रथम	05 माह	22517708.00	225200.00	15000.00
4.	2023_PWDRB_313909_1	उपसंभाग मझगंवा अंतर्गत ग्राम पंचायत हरदुआ के ग्राम हिनौता ठाकुरान टोला से टिकुरहन टोला तिवारिन टोला मार्ग से पंडित की अहरी से गुढ़वा पहुंच मार्ग लम्बाई 3.88 कि.मी. का निर्माण कार्य।	प्रथम	05 माह	19000779.00	190010.00	12500.00
		योग-			91694759.00		

उपरोक्त वेबसाइट में आनॅलाइन भुगतान करने के उपरान्त निविदा प्रपत्र (टेण्डर डाक्यूमेंट) बेवसाइट के माध्यम से प्राप्त हो सकेगा। निविदा प्रपत्र क्रय करने तथा आनॅलाइन बिड सबमीशन की अंतिम दिनांक 25.10.2023 सायं 17.30 बजे तक निर्धारित है। ई. एम. डी. केवल आर.टी.जी.एस./एन.ई.एफ.टी., एनएक्सर एच., शपथपत्र, बिड की रसीद एवं अन्य दस्तावेज केवल आनॅलाइन माध्यम से ही प्राप्त की जावेगी। विस्तृत एन.आई.टी. एवं अन्य जानकारी उपरोक्त वेबसाइट में देखी जा सकती है। निविदा में होने वाले समस्त संशोधन का प्रकाशन केवल उपरोक्त वेबसाइट पर किया जायेगा, पृथक से समाचार पत्रों में प्रकाशन नहीं किया जायेगा।

G-21190/23 दुर्घटना से रखनी दूरी है तो हेलमेट सबसे जरूरी है।

कार्यपालन यंत्री,
लोक निर्माण विभाग (भ/स) संभाग सतना (म.प्र.)

निविदा/ नियुक्ति/जाहिरात

कार्यालय कलेक्टर (खनिज शाखा) जिला - डिण्डौरी (म.प्र.)

E-mail:modgmdin@mp.gov.in

पत्र क्र./454/खनिज/2023 डिण्डौरी, दिनांक 05/10/2023

सूचना

(म.प्र. गौण खनिज नियम, 1996 के नियम, 18 -क)

यह सूचित किया जाता है कि, आवेदक श्री कुंवरलाल यादव आ. श्री बाबूलाल यादव निवासी अमनीपिपरिया तह. व जिला डिण्डौरी (म.प्र.) द्वारा म.प्र. गौण खनिज नियम 1996 के नियम, 18-क के तहत् उत्खनिपट्टा प्राप्त करने हेतु ऑनलाईन आवेदन दिनांक 29.09.2023 को प्रस्तुत किया गया है। प्रस्तुत आवेदन पत्र का संक्षिप्त विवरण निम्नानुसार है-

आवेदन का संक्षिप्त विवरण

जिला	तहसील	ग्राम	खसरा नं.	रकवा हे.	भूमि का प्रकार शासकीय/निजी	खनिज का नाम	रिमार्क
डिण्डौरी	डिण्डौरी	रैली रैयत	43	2.231	निजी भूमि	लेटेराइट	ई आई डी 32238
			कुल रकवा	2.310			

उपरोक्त प्रस्तुत ऑनलाईन आवेदन पत्र में आवेदित क्षेत्र के संबंध में यदि किसी को कोई आपत्ति हो अथवा इस संबंध में कोई अन्य दावा प्रस्तुत करना चाहता हो तो इस सूचना के प्रकाशित होने की तारीख से 30 दिवस के भीतर कार्यालय कलेक्टर, (खनिज शाखा) जिला डिण्डौरी में आपत्ति का लेख / कारण दर्शाते हुए लिखित रूप से प्रमाण सहित प्रस्तुत करें। नियत अवधि के उपरांत प्रस्तुत किसी भी आपत्ति / दावे पर विचार नहीं किया जावेगा।

G-21188/23 दुर्घटना से रखनी दूरी है तो हेलमेट सबसे जरूरी है।

खनि अधिकारी
जिला डिण्डौरी (म.प्र.)

पश्चिम मध्य रेल

खुली निविदा-विद्युत (निर्माण) शाखा
निविदा क्रमांकः जबल/एल सी/टी/2023/08

कार्यकारी विद्युत इंजी. (निर्माण) पश्चिम मध्य रेलवे, जबलपुर भारत संघ के राष्ट्रपति के लिये एवं उनकी ओर से अनुभवी ठेकेदार से ई-टेंडर आमंत्रित किया जाता है जिनके पास वैध 'A' श्रेणी का विद्युत लाइसेंस जो कि किसी भी राज्य सरकार द्वारा जारी किया गया हो (अपने फर्म के नाम पर या अपने नाम पर यदि सोल प्रोपराइटर या किसी एक पार्टनर के नाम पर हो) निम्न लिखित कार्यों हेतु ऑन लाइन प्रस्ताव ही स्वीकार किए जाएगे इस ठेका के विरूद्ध मैनुअल ऑफर की अनुमति नहीं है और ऐसा प्राप्त मैनुअल ऑफर स्वीकार नहीं किया जाएगा। **निविदा सूचना क्रमांकः** निविदा सूचना क्र.: जबल/एल सी/टी/2023/08 दिनांक 04.10.2023, **कार्य का नाम लोकेशन सहितः** डब्ल्यूसीआर के जबलपुर मंडल में मदन महल स्टेशन के विकास के संबंध में विद्युतीकरण, एयर कंडीशनिंग और संबंधित कार्य, **निविदा का अनुमानित मूल्य (कीमत ₹ में):** ₹ 2,58,19,566/-, **निविदा फार्म की कीमत (कीमत ₹ में):** Nil, **कार्यालय का पताः** कार्यकारी विद्युत अभियंता (निर्माण), पश्चिम मध्य रेलवे जबलपुर, मुख्य परियोजना निदेशक कार्यालय, भूतल, म.प्र. पर्यटन भवन के सामने, जबलपुर 482001, **बिड सिक्यूरिटी (₹):** ₹ 2,79,100/-, **समापन अवधिः** 9 माह, **निविदा जमा करने की तिथि एवं समयः** 26.10.2023 (15:00 बजे तक), **निविदा खुलने की तिथि एवं समयः** 26.10.2023 (15:30 बजे तक)। **नोटः** निविदा सूचना की पूर्ण जानकारी रेलवे वेब साइट https://.ireps.gov.in पर उपलब्ध है तथा कार्यकारी विद्युत इंजी. (निर्माण) जबलपुर के नोटिस बोर्ड पर भी उपलब्ध है।

कार्यकारी विद्युत इंजी.(निर्माण)
पश्चिम मध्य रेलवे,जबलपुर

स्वच्छ भारत अभियान एक कदम स्वच्छता की ओर

देश-प्रदेश

उवाच

जनता ने पहले ही तय कर दिया है रावण और राम कौन है

भोपाल, देशबन्धु। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष विष्णुदत्त शर्मा ने कांग्रेस नेता दिग्विजय सिंह द्वारा प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को रावण बताने पर तीखी प्रतिकिया व्यक्त की है। उन्होंने दिग्विजय सिंह को हिंदू विरोधी और सनातन विरोधी करार दिया है। उन्होंने कहा कि इस देश की जनता ने पहले ही तय कर दिया है कि इस देश में रावण और राम कौन है? श्री शर्मा ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी सुशासन के साथ देश में लगातार काम कर रहे है, लेकिन दुर्भाग्य है कि दिग्विजय सिंह जैसे लोग उनका विरोध कर अपनी हिन्दू विरोधी मानसिकता को दर्शा रहे हैं। श्री शर्मा ने श्री सिंह पर आरोप लगाया कि वे हमेशा हिन्दुत्व को नीचा दिखाते हैं।

मुख्यमंत्री ने भारतीय वायुसेना दिवस पर दीं शुभकामनाएं

भोपाल,देशबन्धु। मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने भारतीय वायु सेना दिवस की शुभकामनाएं दीं हैं। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने सोशल मीडिया पर जारी संदेश में कहा कि नभः स्पृशं दीप्तम को चरितार्थ करते हुए भारत के मान- सम्मान और गौरव को अनंत ऊंचाइयों तक पहुंचाने वाले भारतीय वायु सेना के सपूतों की असाधारण वीरता, साहस और शौर्य से भारत के नभ सुरक्षित व शत्रुओं के लिए अभेद्य हैं। भारतीय वायु सैनिकों की बहादुरी और राष्ट्र के प्रति समर्पण का भाव अभिनंदनीय है।

तमिलनाडु ने इज़रायली प्रतिष्ठानों पर सुरक्षा बढ़ाई

चेन्नई। हमास और इजराइल के बीच चल रही झड़पों के मद्देनजर तमिलनाडु सरकार ने इजराइली प्रतिष्ठानों और यहूदी बस्तियों में सुरक्षा बढ़ाई। तमिलनाडु के पुलिस महानिदेशक शंकर जिवाल ने मीडियाकर्मियों को बताया कि डिंडीगुल के पास पहाड़ियों में एक यहूदी बस्ती और राज्य में अन्य इजरायली प्रतिष्ठानों पर सुरक्षा व्यवस्था बढ़ाने के लिए संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए गए हैं।

मुख्यमंत्री को लेकर कूटरचित वीडियो जारी करने का आरोप

कांग्रेस नेता केके मिश्रा के खिलाफ भाजपा ने दर्ज कराई एफआईआर

भोपाल, देशबन्धु। मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान को लेकर केबीसी का कूटरचित एवं भ्रामक वीडियो ट्वीट करने का आरोप लगाते हुए भाजपा नेताओं कांग्रेस मीडिया विभाग के अध्यक्ष केके मिश्रा के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कराई है।

भाजपा विधि प्रकोष्ठ के संयोजक अशोक विश्वकर्मा और सदस्य राहुल श्रीवास्तव ने क्राइम ब्रांच थाने पहुंचकर मय दस्तावेजों के साथ लिखित शिकायत की, जिसके आधार पर श्री मिश्रा के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज हुई।

दरअसल, कांग्रेस के मीडिया विभाग के अध्यक्ष केके मिश्रा ने रविवार सुबह अपने ट्विटर से एक वीडियो को केबीसी का बताकर जारी किया था। जांच पड़ताल में ये वीडियो फेक पाया गया। इसके बाद भाजपा हमलावर हो गई, पार्टी ने कहा कि मिश्रा ने साजिश के तहत वीडियो जारी किया, और जब झूठे ट्वीट को लेकर उनकी फजीहत हुई तो उन्होंने फर्जी वीडियो को हटा दिया।

सुनियोजित तरीके से अफवाह फैला रही कांग्रेस

भाजपा के प्रदेश प्रवक्ता पंकज चतुर्वेदी ने कहा कि कांग्रेस का यह झूठ सामने आने से स्पष्ट है कि कांग्रेसी चुनाव में मिलने वाली करारी हार से हताश हैं, इसलिए कांग्रेस नेता लगातार झूठ एवं अफवाह फैलाने का काम कर रहे हैं। ऐसा पहली बार नहीं है जब कांग्रेस ने इरादतन भ्रामक खबर फैलाई हो, बल्कि कांग्रेस सुनियोजित तरीके से अफवाह और झूठ फैलाती चली आ रही है।

दिग्विजय पर भी लगाया आरोप

भाजपा प्रवक्ता श्री चतुर्वेदी ने पहले भी एक चैनल के नाम से फर्जी ओपिनियन पोल साझा करते हुए दिग्विजय सिंह जीत का दावा कर रहे थे, बाद में उस चैनल ने ही उनके झूठ को उजागर कर दिया था। श्री चतुर्वेदी ने पूर्व मुख्यमंत्री दिग्विजय सिंह व कांग्रेस नेता कभी गलत सर्वे दिखाते हैं तो कभी प्रदेश में अराजकता की स्थिति बनें इसके लिए भड़काऊ पोस्ट करते हैं। भाजपा सरकार को बदनाम करने के लिए कांग्रेस सोशल मीडिया पर रोज झूठ और अफवाह फैलाती है और पोल खुलने पर तुरंत अपना ट्वीट डिलीट कर देती है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस झूठ और अफवाह के सहारे मध्यप्रदेश विधानसभा का चुनाव लड़ना चाहती है, लेकिन मध्यप्रदेश में उनका यह झूठ चलने वाला नहीं है।

कांग्रेस प्रवक्ता रागिनी नायक ने भाजपा सरकार को घेरा कहा

इंसान से लेकर भगवान तक के कामों में हुआ भ्रष्टाचार

भोपाल, देशबन्धु। कांग्रेस प्रवक्ता रागिनी नायक ने एक बार फिर भाजपा सरकार को घेरा है, उन्होंने आरोप लगाया है कि भाजपा सरकार द्वारा कराए गए कामों में भारी भ्रष्टाचार हुआ है, जिसमें इंसान से लेकर भगवान तक को उन्होंने नहीं छोड़ा है।

कांग्रेस नेत्री रागिनी ने पत्रकार वार्ता में आरोप लगाया कि ये लोग अपनी असफलताओं और नाकामियों के लिए धर्म को, भगवान के नाम का ढाल के रूप में उपयोग करते हैं, वहीं वोट बटोरने के लिए धर्म को, ईश्वर को राजनीतिक हथियार बनाते हैं, लेकिन जब धर्म और आस्था की कसौटी पर परखा जाता है तो राम मंदिर के नाम का चन्दा तक खा जाते हैं। सर से पांव तक घोटालों और भ्रष्टाचार में लिप्त पाए जाते हैं। डॉ. रागिनी ने महाकाल लोक में महाघोटाले का आरोप लगाते हुए कहा कि मात्र 30 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ़्तार से चली हवाओं ने शिवराज सिंह सरकार के भ्रष्टाचार और निर्लज्जता की पोल खोली दी थी। उन्होंने कहा कि सतना की स्मार्ट सिटी परियोजना के तहत वेंकटेश लोक मंदिर के जीर्णोद्धार और सौंदर्यीकरण कार्य के तहत लगाए गए 8 करोड़ के टाईल्स महज 2 दिन में उखड़ गए। जनता की जेब तो काट ही रही है, भगवान के दरबार को भी नहीं बक्शा इस भ्रष्टाचारी कमीशनखोर सरकार ने।

कांग्रेस प्रवक्ता ने कहा कि कुछ समय पहले ही ओरछा के राम-राजा मंदिर में धर्म की आड़ में हुए भ्रष्टाचार के खुलासे को लेकर मंदिर के पुजारी का वीडियो बहुत वायरल हुआ। जिसमें उन्होंने सरकार के साथ ही पुलिस की भूमिका पर भी सवाल उठाए थे। एक स्थानीय आरटीआई कार्यकर्ता रामनरेश दास ने ये भंडाफोड़ किया 2017 में। एफआईआर की गई पर उस पर कार्रवाई नहीं हुई। उन्होने कहा कि नए पुलिस अधीक्षक के आने के बाद पुनः मामला चर्चा में आया है, लेकिन मामले को रफा-दफा करने का दबाव स्थानीय विधायक अनिल जैन डाल रहे हैं। रागिनी का यह भी आरोप है कि एक तरफ तो घपले, गबन, भ्रष्टाचार का मामला है, वहीं दूसरी तरफ राम राजा सरकार से आयकर विभाग ने नोटिस भेजकर एक करोड़ 22 लाख का हिसाब मांगा है।

कांग्रेस ने भाजपा पर साधा निशाना

जातिगत जनगणना पर भाजपा सरकारें खामोश क्यों

नई दिल्ली, एजेंसी। राजस्थान सरकार द्वारा राज्य में जाति आधारित जनगणना की घोषणा के एक दिन बाद, कांग्रेस नेता जयराम रमेश ने फैसले का स्वागत किया और कहा कि यह ओबीसी, एससी, एसटी समुदायों के लिए नीतियां बनाने में सुनिश्चित करेगा। बीजेपी और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से सवाल किया कि इसे भगवा पार्टी शासित राज्यों में क्यों लागू नहीं किया गया।

उन्होंने इस बात पर भी प्रकाश डाला कि कैसे पिछले साल राजस्थान में भारत जोड़ो यात्रा के दौरान ओबीसी के प्रतिनिधिमंडल ने राहुल गांधी से मुलाकात की थी और जाति आधारित जनगणना की मांग की थी। पार्टी के महासचिव संचार प्रभारी रमेश ने एक्स पर हिंदी में एक पोस्ट में कहा, जब भारत जोड़ो यात्रा राजस्थान में थी, तो कई समुदायों के प्रतिनिधिमंडलों ने राहुल गांधी से मुलाकात की थी। उस दौरान ओबीसी प्रतिनिधिमंडल ने विशेष रूप से जाति जनगणना के लिए मांग उठाई थी। राहुल गांधी ने उनकी बातों को बहुत गंभीरता से लिया।

नीतियां बनाने में मदद मिलेगी- उन्होंने कहा, अब राजस्थान सरकार ने उनकी भावनाओं के अनुरूप जाति आधारित सर्वेक्षण कराने का निर्णय लिया है। यह एक स्वागत योग्य कदम है। इससे विशेष रूप से अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति और अन्य पिछड़ा वर्ग के लिए नीतियां बनाने में मदद मिलेगी। कांग्रेस के राज्यसभा सांसद ने बीजेपी पर निशाना साधते हुए कहा, सवाल यह है कि बीजेपी शासित किसी भी राज्य में ऐसी पहल क्यों नहीं की जा रही है और प्रधानमंत्री जाति जनगणना के मुद्दे पर चुप क्यों हैं? उनकी यह टिप्पणी राजस्थान सरकार द्वारा राज्य में जाति सर्वेक्षण कराने का आदेश जारी करने के एक दिन बाद आई है।

सिक्किम में मानव जीवन को बचाना प्राथमिकता : अजय कुमार

गंगटोक, एजेंसी। केंद्रीय गृह राज्य मंत्री अजय कुमार मिश्रा ने सिक्किम में बाढ़ की स्थिति को एक बड़ी त्रासदी बताते हुए कहा है कि मानव जीवन को बचाना अब प्राथमिकता है। मिश्रा ने एक उच्च स्तरीय बैठक में राज्य में बाढ़ की स्थिति का जायजा लिया।

ताशिलिंग सचिवालय में विचार-विमर्श के दौरान मुख्य सचिव वीबी पाठक और राज्य सरकार और भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण, सीमा सड़क संगठन, भारत-तिब्बत सीमा पुलिस, भारतीय सेना और राष्ट्रीय जलविद्युत ऊर्जा निगम के अन्य संबंधित अधिकारी उपस्थित थे। मिश्रा ने अक्टूबर के बाद से राहत और पुनर्वास के लिए उठाए गए कदमों के बारे में जानकारी ली और मुख्य सचिव पाठक ने उन्हें जानकारी दी। उन्होंने कहा कि राज्य की मांगें तुरंत पूरी की जाएंगी। मंत्री मिश्रा ने कहा कि सामान्य जीवन बहाल करने के लिए हमें (केंद्र और राज्य) मिलकर काम करना होगा। हम प्राथमिकताओं की पहचान पर काम कर रहे हैं और यह सुनिश्चित करने के लिए कि जनता की आवश्यकताएं पूरी हों। उन्होंने स्थिति की देखभाल करने और प्रभावितों तक पहुंचने में सीएम पीएस तमांग के उत्साह और समर्पण की सराहना की।

मिश्रा ने कहा कि अचानक आई बाढ़ से हुए नुकसान का आकलन करने और जहां भी आवश्यक हो सहायता प्रदान करने के लिए गठित एक अंतर मंत्रालयी समिति रविवार से प्रभावित क्षेत्रों का दौरा करने जा रही है। राज्य मंत्री ने राज्य सरकार के अधिकारियों को जल्द से जल्द पुनर्निर्माण के लिए अल्पकालिक और दीर्घकालिक योजनाएं तैयार करने का निर्देश दिया।

बिहार में मंडी कानून लागू करे राज्य सरकार: टिकैत

पटना, एजेंसी। भारतीय किसान यूनियन के राष्ट्रीय अध्यक्ष राकेश टिकैत तीन दिवसीय दौरे पर पटना पहुंचे। यहां वे सरकार के साथ-साथ कई किसान नेताओं से मुलाकात करेंगे। दिल्ली से पटना पहुंचे किसान नेता ने पटना एयरपोर्ट पर मीडिया कर्मियों से बातचीत में बिहार सरकार से मांग की कि राज्य में मंडी कानून लागू किया जाए। उन्होंने बड़ी-बड़ी कंपनियों द्वारा बिहार के किसानों की जमीन हड़पने की साजिश को लेकर भी अपनी बात कही और आने वाले समय में किसानों के विभिन्न मुद्दों को लेकर आंदोलन की चेतावनी दी।

राकेश टिकैत ने कहा कि मेरा बिहार का 3 दिन का कार्यक्रम है। सबसे पहले बिहार में बाजार समिति लागू होनी चाहिए हजारों ट्रक यहां से रोज धान जाता है। यहां के किसानों को एमएसपी नहीं मिलती है, यह व्यवस्था बंद हो। भारतीय किसान यूनियन के राष्ट्रीय अध्यक्ष राकेश टिकैत ने किया कि यहां के किसान फसल पैदा करते हैं, लेकिन इनको उचित मूल्य मिले। बड़ी-बड़ी कंपनियां बिहार से फसल खरीदती हैं और बाहर जाकर ऊंचे दामों में बेचती हैं। यहां तीन दिन रुकूंगा और यहां के सिस्टम को देखूंगा। यहां मंडी सिस्टम लागू होनी जरूरी है और हम लोगों की पहली मांग है की मंडी कानून लागू किया जाए।

राष्ट्रीय स्तर पर जल गुणवत्ता निगरानी में जम्मू-कश्मीर दूसरे स्थान पर

राष्ट्रीय स्तर पर की उपलब्धि हासिल

श्रीनगर, एजेंसी। जम्मू-कश्मीर में, केंद्र शासित प्रदेश प्रशासन ने जम्मू-कश्मीर जल जीवन मिशन (जेजेएम) के साथ एक और उपलब्धि हासिल की है, जिसमें नल कनेक्शन के माध्यम से पीने के पानी की आपूर्ति के मामले में 70 फीसदी ग्रामीण घरों का कवरेज हासिल किया गया है। जम्मू-कश्मीर ने जल गुणवत्ता निगरानी और निगरानी के मामले में भी राष्ट्रीय स्तर पर नंबर दो का स्थान प्राप्त किया है। मिशन के तहत अब तक, 18.68 लाख ग्रामीण परिवारों में से 13.16 लाख (70 प्रतिशत) ने नल जल कनेक्शन के तहत कवरेज हासिल कर लिया है, जिससे संतृप्ति प्राप्त करने में तेजी से प्रगति हो रही है।

जल जीवन मिशन यूटी का एक प्रमुख कार्यक्रम है, जिसका उद्देश्य प्रत्येक ग्रामीण परिवार को परिसर के भीतर कार्यात्मक घरेलू नल कनेक्शन (एफएचटीसी) प्रदान करना है, जो प्रति व्यक्ति प्रति दिन 55 लीटर के न्यूनतम सेवा स्तर पर पानी की आपूर्ति करने में सक्षम है और गुणवत्ता की पुष्टि करता है। विभाग के एक प्रेस हैंडआउट के अनुसार, 6600 कार्य घटकों में से, 5000 से अधिक घटक (76 प्रतिशत) जैसे ट्यूबवेल, बोर वेल्स, रैपिड सैंड फिल्ट्रेशन प्लांट, ओवर हेड टैंक, ग्राउंड सर्विस जलाशय और पाइप नेटवर्क शुरू हो गए हैं। इसी प्रकार, केंद्र शासित प्रदेश के सभी जिलों में 3000 से अधिक योजनाएं क्रियान्वित की जा रही हैं, जिनमें कार्यों को निष्पादित करने वाले लगभग 1700 ठेकेदार शामिल हैं। इससे ग्रामीण क्षेत्रों में बड़े पैमाने पर रोजगार सृजन भी हुआ है। समवर्ती रूप से, इस पैमाने और गति पर कार्यों को निष्पादित करते समय, जिला स्तरीय परियोजना प्रबंधन इकाइयों (डीपीएमयू), सलाहकारों/विशेषज्ञों की यूटी स्तरीय टीमों और तीसरे पक्ष के रूप में विभिन्न स्तरों पर एक मजबूत प्रबंधन और निगरानी तंत्र स्थापित किया गया है। निगरानी एजेंसियां (टीपीआईए) जो बुनियादी डिजाइन और सेवाक्षमता आवश्यकताओं को प्रभावित किए बिना समयबद्ध तरीके से वांछित परिणाम प्राप्त करने के लिए कुशल योजना, गुणवत्ता आश्वासन, प्रयासों के समन्वय, उचित/वैकल्पिक निर्माण प्रौद्योगिकी और सामग्रियों के उपयोग में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही हैं। सलाहकारों की यूटी स्तरीय टीम की मदद से और राष्ट्रीय जल जीवन मिशन (एनजेजेएम) के विशेषज्ञों द्वारा प्रदान की गई तकनीकी सलाह से, विभिन्न लागत प्रभावी और तकनीकी रूप से व्यवहार्य समाधान अपनाए गए हैं।

धीमी रेत निस्पंदन संयंत्र, स्रोतों में गंदगी के स्तर और घटना के आधार पर, स्थान के इष्टतम उपयोग के साथ डिजाइन किए गए हैं जो अन्यथा उनके निर्माण में एक बाधा थी। इसी प्रकार, कुछ क्षेत्रों में मितव्ययिता और गति प्राप्त करने के लिए, एसएमसी-जीएफआरपी पैनल जल भंडारण टैंकों का निर्माण और एचडीपीई पाइप वितरण प्रणाली बिछाने का विकल्प चुना गया है, जिसका उपयोग देश के अन्य हिस्सों जैसे राजस्थान, मध्य प्रदेश, उत्तराखंड, लद्दाख आदि में किया जा रहा है।

संयुक्त राष्ट्र फिलिस्तीन मुद्दे को हल करने में विफल : फारूक

श्रीनगर, देशबन्धु। जम्मू-कश्मीर नेशनल कॉन्फ्रेंस के अध्यक्ष व सांसद फारूक अब्दुल्ला ने रविवार को अफसोस जताते हुए कहा कि संयुक्त राष्ट्र (संरा) दशकों से फिलिस्तीन मुद्दे को हल करने में विफल रहा है।

पूर्व मुख्यमंत्री अब्दुल्ला ने कहा, युद्ध किसी भी पहलू में बुरा है और इससे लोगों को नुकसान ही होता है। यह सोचने की बात है कि संघर्ष के दौरान कितने इजरायली मारे गए और कितने निर्दोष फिलिस्तीनी मारे गए।

श्री अब्दुल्ला ने यहां मीडियाकर्मियों से बात करते हुए उन्होंने कहा, दुर्भाग्य से संयुक्त राष्ट्र दशकों से लंबित फिलिस्तीन मुद्दे को हल करने में विफल रहा है और निर्दोष लोग मारे जा रहे हैं। उन्होंने इस बात पर जोर देकर कहा कि युद्ध किसी भी चीज का समाधान नहीं है।

पीपुल्स डेमोक्रेटिक पार्टी की अध्यक्ष महबूबा मुफ्ती ने एक्स पर कहा, दुर्भाग्यपूर्ण है कि दुनिया को इजरायल-फिलिस्तीनी संघर्ष के प्रति जागृत होने के लिए ऐसी मौत और विनाश की आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि साल-दर-साल खामोशी कायम रखी जाती है क्योंकि निर्दोष फिलिस्तीनियों की हत्या कर दी जाती है और उनके घरों को नष्ट कर दिया जाता है। उन्होंने कहा कि फ़िलिस्तीन समस्या का समाधान करें ताकि शांति बनी रहे।

जस्टिस एस मुरलीधर बोले

दिल्ली दंगा फैसले से सरकार नाराज क्यों थी, पता नहीं

- मेरी जगह कोई भी दूसरा जज होता तो यही आदेश देता
- भाजपा नेताओं पर एफआईआर में देरी पर जताई थी नाराजगी

नई दिल्ली, एजेंसी। ओडिशा हाईकोर्ट के पूर्व चीफ जस्टिस एस मुरलीधर ने कहा है कि उन्हें जानकारी नहीं है कि 2020 के दिल्ली दंगों को लेकर उन्होंने जो आदेश जारी किया था, उससे केंद्र सरकार क्यों नाराज हो गई। उन्होंने कहा कि मैंने जो आदेश दिया, मेरी जगह कोई भी दूसरा जज होता तो यही आदेश देता। दरअसल, जस्टिस मुरलीधर तब दिल्ली हाईकोर्ट में जज थे। उन्होंने दिल्ली में हुए दंगों में भड़काऊ बयान देने वाले तीन भाजपा नेताओं के खिलाफ एफआईआर दर्ज करने में देरी पर नाराजगी जताई थी। ये तीन नेता थे- अनुराग ठाकुर, परवेश वर्मा और कपिल मिश्रा। जस्टिस मुरलीधर ने पुलिस को आदेश दिया था कि 24 घंटे के अंदर एफआईआर दर्ज करने का फैसला लें। बेंगलुरु में आयोजित एक ऑनलाइन न्यूज पोर्टल के कॉन्क्लेव में उनसे पूछा गया था कि ऐसी चर्चाएं हैं कि अपने आदेश से आपने सरकार को नाराज किया और इसलिए आपको सुप्रीम कोर्ट का जज बनने का मौका नहीं मिला?

कोर्ट के दखल से बची थी कई जिंदगियां

इसके जवाब में मुरलीधर ने कहा, 'इसमें नाराज होने वाली क्या बात थी, इसे लेकर मैं भी उतना अनजान हूं, जितना आप हैं। मेरे पास कहने को और कुछ भी नहीं है। और इससे ज्यादा किसी बात से फर्क भी नहीं पड़ता है क्योंकि कई लोगों को लगा था कि मैंने जो किया वही सही था। बल्कि मुझे बाद में बताया गया कि मामले में कोर्ट के दखल देने के बाद कई जिंदगियां बचाई जा सकी थीं।'

जस्टिस मुरलीधर के फैसले

जस्टिस मुरलीधर 2009 में दिल्ली हाई कोर्ट की उस बेंच का हिस्सा रहे थे जिसने सबसे पहले धारा 377 को अपराध की श्रेणी से हटाया और एलजीबीटी समुदाय को अपनी सेक्सुअल पसंद की आजादी दी थी। दिलली हाई कोर्ट में रहते ही उन्होंने भीमा कोरेगाँव मामले में एक अक्टूबर 2018 को सामाजिक कार्यकर्ता गौतम नवलखा को घर की नज़रबंदी से रिहा करने का निर्देश दिया था। तब आरबीआई बोर्ड के सदस्य और आरएसएस विचारधारा वाले एस गुरुमूर्ति ने ट्विटर पर जज पर पक्षपात करने का आरोप लगाते हुए निशाना साधा था। इसके बाद गुरुमूर्ति पर अवमानना का केस चला था और इसे तब बंद किया गया जब उन्होंने बिना शर्त माफ़ी माँगी थी और अपनी टिप्पणी वापस ले ली थी। 2019 में जस्टिस मुरलीधर के नेतृत्व वाली बेंच ने हाशिमपुरा नरसंहार के मामले में उत्तर प्रदेश के 16 पूर्व पुलिसकर्मियों और सिख विरोधी दंगे के मामले में कांग्रेस के सज्जन कुमार को जेल भेजा था।

नाम एव जन्म तिथि परिवर्तन सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मै Sasidharan P S पुत्र Sivaraman उम्र-71 वर्ष निवासी-ग्राम-Killannur ,पोस्टऑफिस- Mulagunnathukavu जिला-Thrissur राज्य- Kerala पिन कोड 680581 मेरे पुत्र आर्मी सर्विस रिकॉर्ड नंबर 15670759P, Rank- L/Hav ,Name- Sajith .P. Sasi है मेरे पुत्र के आर्मी सर्विस रिकॉर्ड में मेरा नाम Sasi एवं जन्मतिथि 01/07/1952 दर्ज है जो कि गलत है जबकि मेरे समस्त दस्तावेजों में मेरा नाम Sasidharan P S एवं जन्मतिथि 11/12/1952 दर्ज है जो की सही है दोनों नाम एक ही व्यक्ति के हैं मेरे पुत्र के आर्मी सर्विस रिकॉर्ड में मेरे नाम Sasi एवं जन्मतिथि 01/07/1952 के स्थान पर मेरा नाम Sasidharan P S एवं जन्मतिथि 11/12/1952 दर्ज किया जाकर लिखा एव पढ़ा जावे।

नाम एव जन्म तिथि परिवर्तन सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मै Parvathy M N पत्नी Sasidharan P S उम्र- 67 वर्ष निवासी-ग्राम- Killannur ,पोस्टऑफिस- Mulagunnathukavu जिला- Thrissur राज्य- Kerala पिन कोड 680581मेरे पुत्र आर्मी सर्विस रिकॉर्ड नंबर 15670759P, Rank- L/Hav ,Name- Sajith .P. Sasi है मेरे पुत्र के आर्मी सर्विस रिकॉर्ड में मेरा नाम Parvathy एवं जन्मतिथि 01/07/1957 दर्ज है जो कि गलत है जबकि मेरे समस्त दस्तावेजों में मेरा नाम Parvathy M N एव जन्मतिथि 22/03/1956 दर्ज है जो की सही है दोनों नाम एक ही व्यक्ति के हैं मेरे पुत्र के आर्मी सर्विस रिकॉर्ड में मेरे नाम Parvathy एवं जन्मतिथि 01/07/1957 के स्थान पर मेरा नाम Parvathy M N एवं जन्मतिथि 22/03/1956 दर्ज किया जाकर लिखा एव पढ़ा जावे ।

नाम एव जन्म तिथि परिवर्तन सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मैं Papuri Subbarayudu पिता Papuri Subbanna उम्र- 75 वर्ष निवासी-ग्राम Urutur पोस्ट ऑफिस- Urutur तहसील- Kamalapuram जिला-Cuddapah राज्य- Andhra Pradesh पिन कोड 516339 मेरे पुत्र आर्मी सर्विस रिकॉर्ड नंबरJC382590M, Rank-Subedar, Name-Papuri Subbarayudu है मेरे पुत्र के आर्मी सर्विस रिकॉर्ड में मेरा नाम P Subbarayudu एवं जन्मतिथि 01/07/1962 दर्ज है जो कि गलत है जबकि मेरे समस्त दस्तावेजों में मेरा नाम Papuri Subbarayudu एवं जन्मतिथि 01/01/1948 दर्ज है जो की सही है दोनों नाम एक ही व्यक्ति के हैं मेरे पुत्र के आर्मी सर्विस रिकॉर्ड में मेरे नाम P Subbarayudu एव जन्मतिथि 01/07/1962 के स्थान पर मेरा नाम Papuri Subbarayudu एवं जन्मतिथि 01/01/1948 दर्ज किया जाकर लिखा एव पढ़ा जावे।

नाम एव जन्म तिथि परिवर्तन सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मैं Papuri Subbarayudu पिता Papuri Subbanna उम्र- 75 वर्ष निवासी-ग्राम Urutur पोस्ट ऑफिस- Urutur तहसील- Kamalapuram जिला-Cuddapah राज्य- Andhra Pradesh पिन कोड 516339 मेरे पुत्र आर्मी सर्विस रिकॉर्ड नंबर JC382590M, Rank-Subedar , Name-Papuri Subbarayudu है मेरे पुत्र के आर्मी सर्विस रिकॉर्ड में मेरा नाम PSubbarayudu एवं जन्मतिथि 01/07/1962 दर्ज है जो कि गलत है जबकि मेरे समस्त दस्तावेजों में मेरा नाम Papuri Subbarayudu एवं जन्मतिथि 01/01/1948 दर्ज है जो की सही है दोनों नाम एक ही व्यक्ति के हैं मेरे पुत्र के आर्मी सर्विस रिकॉर्ड में मेरे नाम P Subbarayudu एवं जन्मतिथि 01/07/1962 के स्थान पर मेरा नाम Papuri Subbarayudu एवं जन्मतिथि 01/01/1948 दर्ज किया जाकर लिखा एवं पढ़ा जावे।

हत्या से जुड़े में मामले केके पाठक की बढ़ सकती हैं मुश्किलें

मुजफ्फरपुर/पटना। बिहार के चर्चित और कड़क आईएएस अधिकारी केके पाठक की मुश्किलें बढ़ती हुई दिख रही हैं। मुज़फ्फरपुर स्थित जिला न्यायालय में उनके विरुद्ध एक केस में न्यायिक जांच शुरू कर दी गई है। यह मामला हत्या से जुड़ा है। मर्डर के इस पुराने मुकदमे में केके पाठक पर संगीन आरोप लगे हैं जिसके तहत कोर्ट ने शनिवार को परिवादी का बयान दर्ज किया। दरअसल, मामला करीब डेढ़ साल पुराना है। 23 जनवरी 2022 को जब के के पाठक बिहार में उत्पाद एवं मद्य निषेध विभाग के मुख्य सचिव हुआ करते थे उस दौरान एक वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग मीटिंग के दौरान मुजफ्फरपुर उत्पाद न्यायालय के स्पेशल पीपी बजरंग प्रसाद सिंह को उन्होंने काफी बुरा भला कह डाला था। मीटिंग अटेंड करने की रात ही बजरंग प्रसाद सिंह की हार्ट अटैक से मौत हो गई थी। इस घटना के बाद मुजफ्फरपुर के अधिवक्ता सुधीर कुमार ओझा ने बजरंग प्रसाद सिंह की मौत की वजह के के पाठक द्वारा प्रताड़ित करना बताते हुए सीजीएम कोर्ट में केस किया था जिसमें केके पाठक और अन्य के विरुद्ध हत्या का मुकदमा दर्ज कराया गया था। शनिवार को कोर्ट ने मामले में संज्ञान लेते हुए परिवादी सुधीर कुमार ओझा का बयान दर्ज किया। इसके साथ ही कोर्ट ने अन्य गवाहों के बयान के लिए 8 नवंबर की तिथि मुकर्रर की है। मालूम हो कि केके पाठक वर्तमान में शिक्षा विभाग के अपर मुख्य सचिव हैं और अपने कड़े तेवर के कारण वो फिर इन दिनों सुर्खियों में हैं। शिक्षा विभाग की कमान मिलते ही उनकी भिड़ंत विभाग के मंत्री चंद्रशेखर से काफी लंबे समय तक चली थी जिसे सीएम के हस्तक्षेप से समाप्त कराया गया था।

जबलपुर, सोमवार 9 अक्टूबर 2023
संस्थापक-संपादक : स्व. मायाराम सुरजन

रोकना होगा इजराइल-फिलिस्तीन युद्ध

लगभग पौने दो वर्षों से दुनिया रूस और यूक्रेन के बीच जारी युद्ध के रुकने का बेसब्री से इंतज़ार कर ही रही है, वहीं उसके सामने एक और बड़ी लड़ाई आकार लेती हुई नज़र आ रही है। फिलिस्तीन के आतंकी संगठन हमास द्वारा शनिवार के तड़के केवल 20 मिनटों में इजराइल पर पांच हजार रॉकेट दाग दिये गये। इससे इजराइल व गाजा पट्टी में 500 लोगों के मरने की खबर है, जिनमें 26 इजराइली सैनिक हैं। दक्षिणी इजराइल के बिर्शेबा नामक शहर में 750 इजराइली नागरिक घायल हुए हैं। अनेक बेहद गम्भीर है। इसका जवाब देते हुए इजराइल ने गाजा पट्टी के 17 फिलिस्तीनी मिलिट्री शिविरों और चार सेना मुख्यालयों पर बड़ा हमला बोल दिया। दक्षिणी लेबनान पर उसने बम बरसाए हैं। इससे करीब 200 फिलिस्तीनियों की मौत हुई तथा डेढ़ हजार से भी अधिक लोग घायल हुए हैं। इजराइली प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने ऐलान किया है कि 'उनका देश युद्ध में शरीक हो गया है।' अमेरिका, फ्रांस, ब्रिटेन आदि पश्चिमी देशों के साथ यूरोपियन यूनियन ने इजराइल का समर्थन किया है। दूसरी तरफ ईरान ने हमास को इस हमले के लिये बधाई देते हुए उसे आश्वस्त किया है कि इजराइल के खिलाफ लड़ाई में वह फिलिस्तीन व यरूशलम की आजादी तक उसका साथ देगा।

अरब देशों के साथ इजराइल की लड़ाई का इतिहास करीब एक सदी पुराना है, यानी इजराइल को स्वतंत्र देश बनने के भी पहले से। अनेक बार इजराइल अपने मुस्लिम बहुल 8 पड़ोसी मुल्कों से उलझता रहा है जिस दौरान इनके बीच कई जंगें हो चुकी हैं। हालांकि 1978 के मध्य में तत्कालीन अमेरिकी राष्ट्रपति जिमी कार्टर के निमंत्रण पर तब के इजराइली पीएम मेनाकेम बेगिन एवं एक युद्धरत देश मिस्र के राष्ट्रपति अनवर सादात के बीच कैंप डेविड में शांति समझौता हुआ था लेकिन अन्य देशों के साथ ऐसा कोई माहौल कभी नहीं बन पाया। इन देशों के साथ इजराइल के हुए अनेक छोटे-बड़े संघर्षों ने फिलिस्तीन को अपनी जमीन खोने पर मजबूर ही किया। जहां तक ताज़ा लड़ाई की बात है, तो इसके आसार इस साल के अप्रैल से बनने लगे थे जब इजराइली पुलिस ने अल अक्सा मस्जिद में ग्रेनेड फेंककर इसे अपवित्र किया था। इस धर्म स्थल पर दोनों (इजराइल-फिलिस्तीन) अपना हक जताते हैं। यहूदी इसकी पश्चिमी दीवार को यहूदी मंदिर का अंतिम अवशेष मानते हैं तो वहीं फिलिस्तीनियों की मान्यता है कि यह अल बराक मस्जिद की दीवार है। उनके लिहाज से मक्का व मदीना के बाद यह मुस्लिमों के लिये सबसे पवित्र स्थान है। 1970 के दशक में एक समझौता हुआ था कि गैर मुस्लिम यहां आ सकते हैं परन्तु वे कोई धार्मिक अनुष्ठान नहीं कर सकेंगे। पिछले दिनों इसलिये विवाद भड़का क्योंकि यहां आकर कुछ यहूदियों ने पूजा करने की कोशिश की थी। हमास ने यह आक्रमण ऐसे दिन पर (शनिवार को) बोला जब यहूदियों का पवित्र त्यौहार सिमचैट टोरा मनाया जा रहा था। इजराइल इन दिनों अपने अंदरूनी विवादों में भी व्यस्त है। सरकार द्वारा न्यायपालिका के अधिकारों में कटौती करने वाले कदमों के खिलाफ वहां जन आंदोलन जारी हैं। इतना ही नहीं, 6 अक्टूबर को 1973 के युद्ध की 50वीं वर्षगांठ भी थी।

वैसे तो युद्ध की स्थिति तक पहुंचने के कई कारण हैं लेकिन इसके सम्भावित परिणामों पर विचार किये जाने की आवश्यकता है। रूस व यूक्रेन के बीच युद्ध में नाटो के तहत जो तमाम पश्चिमी देश यूक्रेन के साथ खड़े हैं वे इजराइल के भी साथ हैं। इसके कारण एक बार फिर से दुनिया के देश ईसाई और मुस्लिम खेमों में बंट जायेंगे। ईसाई देशों का समर्थन स्वाभाविकत: इजराइल के साथ है तो वहीं मुस्लिम देश फिलिस्तीन के साथ हैं। इसमें भी जिस प्रकार से ईरान ने खुलकर हमास द्वारा किये गये हमलों का स्वागत किया है, अगर वह फिलिस्तीन के समर्थन में बाकायदे लड़ाई के मैदान में उतर आता है तो स्थिति विकट हो सकती है। तुर्किए भी फिलिस्तीन को समर्थन दे सकता है तो वहीं चीन का झुकाव भी फिलिस्तीन की ही ओर होगा। भारत ने इजराइल के साथ एकजुटता दिखलाई है। मध्य पूर्व के इन देशों के पास खतरनाक हथियारों के ज़खीरें हैं। स्वयं हमास, जिसकी गतिविधियां संचालित करने का केन्द्र गाजा पट्टी है, ड्रोन और रॉकेटों से हमले करने में सक्षम है। यूक्रेन की लड़ाई बहुत लम्बे समय तक न चलने के अनुमान लगाए गए थे लेकिन अब इस लड़ाई को पौने दो वर्ष होने को आए हैं, तो भी कोई संकेत दिखलाई नहीं पड़ रहे हैं कि यह थमेगा। इसका असर वैश्विक अर्थव्यवस्था पर कैसा पड़ा है- यह सभी देख रहे हैं। ऐसे में अगर दुनिया को एक और युद्ध झेलना पड़े तो वह उसे झेल नहीं पाएगा। युद्ध केवल परस्पर विरोधी देशों के सैनिकों के बीच का ही मसला नहीं होता बल्कि इससे निर्दोष नागरिकों को ज्यादा तकलीफें उठानी पड़ती हैं। हमास के व इजराइली हमलों में जनसामान्य को जान-माल की हानि उठानी पड़ी है। हमास की अंधाधुंध फायरिंग में कई लोग मारे गये तथा महिलाओं को निर्वस्त्र कर उन्हें पैरों से रौंदा गया है। बड़ी संख्या में लोग घायल हुए हैं। उनमें से कई जीवन भर के लिये अपाहिज हो सकते हैं या आजीवन शारीरिक तकलीफों से गुजरेंगे। विकास के लिये शांति ज़रूरी है और युद्ध विकास का अवरोध है।

यह समग्र मानवता के खिलाफ है। युद्ध किसी समस्या का समाधान नहीं वरन अपने आप में समस्या है। दुनिया के सभी शांतिप्रिय देशों व नागरिकों को चाहिये कि वे इस लड़ाई को रुकवाएं। राष्ट्र संघ को तत्काल आवश्यक कदम उठाते हुए युद्धरत दोनों देशों को वार्ता की टेबल तक लाना चाहिये।

इजराइल के समर्थन के बहाने देश में नफरत को बढ़ावा!

देश की सत्तारुढ़ पार्टी भाजपा सिर्फ इजराइल का इकतरफा समर्थन ही नहीं कर रही है बल्कि इस बहाने देश में नफरत और विभाजन को और बढ़ावा भी दे रही है। उसने एक वीडियो जारी किया है। जिसमें वह घटनाओं को इस तरह दिखा रही है जिससे राजनीतिक रूप से कांग्रेस के खिलाफ माहौल बने और धार्मिक रूप से मुसलमानो के खिलाफ।

इजराइल के मामले में नेहरू से लेकर इन्दिरा गांधी और अटल बिहारी वाजपेयी की भी एक ही नीति थी कि इजराइल ने अरब देशों की जमीन पर अवैध कब्जा किया है जो उसे खाली करना होगा। अभी तक मोदी सरकार भी फिलिस्तीन का समर्थन करती थी। वहां के मामले में संतुलित रूख अपना रही थी।

मगर अब जातिगत जनगणना के बाद पिछड़ों में आए फिर से उभार के बाद उसने अचानक अपनी नीति बदल ली। प्रधानमंत्री मोदी ने खुल कर इजराइल का समर्थन कर दिया। और उनकी पार्टी भाजपा ने इसके बहाने मुस्लिम विरोध का नया अभियान शुरू कर दिया।

इजराइल-फिलिस्तीन समस्या अलग है मगर इसके बहाने भाजपा और दूसरे साम्प्रदायिक लोगों की राजनीति अलग। अन्ना हजारे के साथ झूठ का एक आन्दोलन चला भाजपा को सत्ता में लाने वाले कुमार विश्वास जैसे लोग अन्तरराष्ट्रीय स्थिति के बहाने सीधे भारतीय मुसलमानों पर सवाल उठाने लगे। आश्चर्यजनक रूप से ओबीसी की राजनीति कर रहे कुछ लेखक पत्रकार सोशल मीडिया के इनफ्लूएंसर (प्रभावित करने वाले) भी मुसलमानों को टारगेट करने लगे। यह लोग देवरिया में तो प्रेमचंद यादव के परिवार के साथ हैं। मगर दूसरी तरफ अडानी के भी, मणिपुर के मामले में सरकार की चुप्पी के भी, ब्रजभूषण शरण सिंह के भी और वहां इजराइल के साथ भी हैं।

जातिगत जनगणना करवाने की सबसे जोरदार मांग राहुल गांधी की थी। बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार और उप मुख्यमंत्री तेजस्वी यादव ने उसे करवा भी दिया। जाहिर है यह ओबीसी के राजनीतिक सशक्तिकरण में सबसे ज्यादा फायदेमंद होगी। लेकिन फिलहाल तो ओबीसी के तथाकथित बुद्धिजीवी लोग- आएगा तो मोदी ही- का माहौल बनाने में लगे हुए हैं। उनके लिए मुसलमान से नफरत सबसे जरूरी चीज है। यही भाजपा के लिए भी है। इसलिए उसने महिला बिल में ओबीसी महिलाओं को जगह नहीं दी क्योंकि वह जानती है कि मुसलमान विरोध के चलते ओबीसी अपनी महिलाओं के राजनीतिक सशक्तिकरण पर ध्यान नहीं देगा। बल्कि इजराइल-फिलिस्तीनियों को कैसे मारे इस पर ही ध्यान लगा कर रखेगा।

नफरत और विभाजन की राजनीति ने देश में किस तरह जहर भर दिया है यह रोज-रोज नए -नए रूपों में सामने आ रहा है। मगर कोई सोचने वाला नहीं है। हर चीज को मुस्लिम विरोध की तरफ मोड़ दो यही सोच बना हुआ है। मगर यह समस्या का हल नहीं है। नफरत और विभाजन के जहर का प्रवाह आप नियंत्रित नहीं कर सकते।

अभी देवरिया में जो हुआ और उसके बाद जिस तरह जातीय विभाजन हुआ उसमें आप मुसलमान एंगल चाहकर भी नहीं जोड़ सकते। मणिपुर में बहुत कोशिश की मगर वहां कोई मुस्लिम एंगल नहीं है। ब्रजभूषण शरण सिंह के मामले में नहीं है। किसान आंदोलन में नहीं था। वास्तव में यह कहीं नहीं है। मगर मुसलमान के खिलाफ माहौल बनाकर 80 प्रतिशत लोगों को एक करने की राजनीति के लिए यह बनाया जाता है।

शकील अख्तर

प्रेम, भाईचारे, मेल-मिलाप से ही इतनी विविधताओं वाला यह देश एक रहा है। आगे बढ़ा है। अभी जातिगत जनगणना में देखा कि कितनी जातियां हैं! याद रखना मुश्किल है। इनके बीच समानता बराबरी के अधिकार देने से ही बात बनेगी। देवरिया जैसा विभाजन करने से तो नहीं! अगर हर जगह राहुल के शब्दों में इतना केरोसिन नहीं छिड़का होता तो देविरया में और उसके बहाने पूरे प्रदेश और उसके बाहर भी जातिगत ध्रुवीकरण नहीं हो रहा होता।

अब जब जातिगत जनगणना 80 बनाम 20 का झूठा नरेटिव (कहानी) तोड़ रही है तो इजराइल-फिलिस्तीन के बहाने फिर ओबीसी और दलितों को धर्म की राजनीति की तरफ खींचा जा रहा है। राहुल गांधी ने कहा कि ओबीसी दलित आदिवासी मिलकर 84 प्रतिशत होते हैं। यह सच्चाई है। उन्होंने यह नहीं कहा कि यह 84 प्रतिशत किसी एक गठबंधन के साथ आएंगे। हां यह जरूर कहा कि अपनी आबादी के हिसाब से अपना हक लेंगे।

इसी बात ने भाजपा की सारी राजनीति को गड़बड़ा दिया। और वह सामाजिक न्याय की इस लड़ाई को वापस धर्म के मैदान में खींचने में जुट गई। ताजा फिलिस्तीन-इजराइल युद्ध उसे इसके लिए बहुत मौजूं लगा। सरकार ने अपनी पुरानी सारी विदेश नीतियों को भूलते हुए अरब देशों का हमेशा पाकिस्तान के मामले में भारत का समर्थन भूलते हुए और यहां तक कि फिलिस्तीन के नेता यासेर अराफात को हर मुद्दे पर भारत के साथ खड़े होने को भूलते हुए इजराइल का समर्थन कर दिया। यह विदेश नीति नहीं है। घरेलू राजनिति में वोट का जुगाड़ है।

भारत का मुसलमान पिछले साढ़े 9 साल से यह सब देख और भुगत रहा है। अब तो लोकसभा के अंदर तक मुसलमानों को गालियां दी जा रही हैं। 2014 में मोदी सरकार के आने के बाद सबसे पहले घर वापसी के नाम पर उन्माद फैलाया गया। फिर लव जिहाद लाया। और उसके बाद तो लीचिंग और खुल कर हमें मुसलमानों के वोट नहीं चाहिए। केन्द्रीय मंत्रियों के कथन पाकिस्तान चले जाओ, गोली मारो, जुमे के दिन सड़कों पर कब्जा हो जाता है और प्रधानमंत्री तक के श्मशान-कब्रिस्तान, कपड़ों से पहचानो जैसे एक से बढ़कर एक साम्प्रदायिक बयान आने लगे। वोट और सिर्फ वोट! इसके लिए गिरने की कोई सीमा नहीं। न ही यह चिंता कि यह नफरत और विभाजन की राजनीति कहां जाकर रुकेगी। हिन्दू-मुसलमान कब तक चलेगा?

देवरिया में देख ही लिया कि जब चारों तरफ केरोसिन छिड़का हुआ था तो वहां किस तरह हत्याकांड हुए और उसके बाद तत्काल मामला जातिगत विभाजन में बदल गया। राहुल की मोहब्बत की दुकान का मतलब ही यही है कि नफरत का बाजार बंद करो। यह नफरतें तुम्हें कहीं नहीं ले जाएंगी। और यह बात तो रोहित वेमुला को आत्महत्या करने पर मजबूर करने, गुजरात में दलितों को नंगा करके खंबे से बांधकर पीटने, मध्य प्रदेश के सीधी में आदिवासी के सिर पर पेशाब करने से लेकर देवरिया में एक पक्ष प्रेमचंद यादव के मकान पर नोटिस चिपकाकर उसे बुलडोजर चलाकर गिराने की कोशिशों से साबित हो ही गई कि यह नफरत केवल मुसलमान तक सीमित नहीं रहेगी। नफरत की आग सबको जलाएगी। अगर हिन्दू-मुसलमान की राजनीति नहीं रोकी तो जाति की राजनीति भी नहीं रुकेगी। अगर हिन्दू-मुसलमान में केवल फर्क ही बताते रहे तो फिर जातियों में क्या और कितना फर्क है यह रोक पाओगे?

प्रेम, भाईचारे, मेल-मिलाप से ही इतनी विविधताओं वाला यह देश एक रहा है। आगे बढ़ा है। अभी जातिगत जनगणना में देखा कि कितनी जातियां हैं! याद रखना मुश्किल है। इनके बीच समानता बराबरी के अधिकार देने से ही बात बनेगी। देवरिया जैसा विभाजन करने से तो नहीं! अगर हर जगह राहुल के शब्दों में इतना केरोसिन नहीं छिड़का होता तो देविरया में और उसके बहाने पूरे प्रदेश और उसके बाहर भी जातिगत ध्रुवीकरण नहीं हो रहा होता।

अभी भी समय है। मुसलमानों, यादवों, ब्राह्मणों, दलित आदिवासी, मणिपुर की पीड़ित महिलाओं किसी के खिलाफ भी नफरत फैलाने से बाज आओ। यह दुनिया नफरत से नहीं चल सकती। देश की राजनीति के लिए विदेश नीति को मत बदलो। वहां भारत का जो सम्मान है वह उसकी न्यायप्रियता के लिए है। वहां हम हमेशा कहते रहे हैं कि कितने फिलीस्तिनियों को मारा गया। हजारों तो बच्चे हैं।

पहली बार हमास ने हमला किया है इतना बड़ा। महिलाओं के साथ दुर्व्यवहार बहुत बुरा है। महिला की डिग्निटी चाहे जीवित या मृत किसी भी अवस्था में रखना चाहिए। नग्न इजराइली महिला के शव पर नारे लगाते हुए हमास के लोगों की जितनी निंदा की जाए कम है। मगर अफसोस यही होता है कि सही सोच समझ वाले सब ने उस वीडियो की निंदा की। मगर मणिपुर में महिलाओं के साथ नग्न परेड निकालते हुए हरकत करते हुए, पहलवान लड़कियों के साथ यौन दुर्व्यवहार के मामले जिसे अब कोर्ट में पुलिस ने भी मान लिया है, बिलकिस बानो के बलात्कारियों को जमानत देने, स्वागत करने के मामले में वह लोग चुप रहे जो इजराइल के मामले पर बोल रहे हैं।

दो पैमाने भी यह पिछले साढ़े 9 साल की ही देन है। नहीं तो पहले देश की मानसिकता में इतना जहर नहीं भरा हुआ था। निर्भया के समय पूरा देश एक हो गया था। लेकिन अब भाजपा विधायक सेंगर के मामले से लेकर हाथरस महिला पहलवानों और मणिपुर की महिलाओं तक पीड़िताओं पर ही सवाल उठाए गए, उन्हीं पर जुल्म हुए और आरोपियों को समर्थन मिला।

(लेखक वरिष्ठ पत्रकार है)

मुफ्त उपहार यानि फ्री बीज पर सियासत का अड़ंगा राज्य सरकारों पर ही क्यों?

पिछले सप्ताह मुफ्त उपहार यानि फ्री बीज मामले पर दखल देने को लेकर दायर याचिकाओं की सुनवाई में सुप्रीम कोर्ट ने प्रत्यक्ष तौर पर हस्तक्षेप करने से मना कर दिया है। फ्री बीज मुद्दे (चुनाव से पहले की जाने वाली लोक लुभावनी घोषणाओं) पर दायर याचिकाओं पर सुनवाई करते हुए सुप्रीम कोर्ट ने जनहित याचिकाओं पर सुनवाई करते हुए कहा है कि 'राजनीतिक दलों को चुनावी वादे करने से नहीं रोक सकेते हैं।' चुनाव पूर्व सभी राजनीतिक दल चुनावी वादे करते हैं, जिस पर अदालतें रोक नहीं लगा सकती हैं। सुप्रीम कोर्ट का कहना है कि इस मसले पर पहले तो राज्यों के हाईकोर्ट में याचिका लगाई जानी चाहिए थी। इसके बाद मामले को यहां तक आना चाहिए था।

सुप्रीम कोर्ट ने राज्यों के मुख्यमंत्री कार्यालयों को पार्टी कार्यालय की तरह उपयोग किए जाने पर भी आपत्ति जताते हुए कहा है कि मुख्यमंत्री आवास सह कार्यालयों को 'मुख्यमंत्री ऑफिस-सीएमओ' की जगह 'राज्य सरकार कार्यालय' लिखें। उल्लेखनीय है कि मध्यप्रदेश, राजस्थान, छत्तीसगढ़ समेत पांच राज्यों के नवंबर-दिसंबर में होने जा रहे विधानसभा चुनावों के मद्देनजर जमकर हो रही चुनावी घोषणाओं से सुप्रीम कोर्ट भी हरकत में आती दिखती है। याचिकाकर्ताओं के तर्क है कि हर बार सरकारें चुनावी घोषणाएं करती हैं, इससे अंतत: करदाताओं पर बोझ बढ़ता है। याचिकाकर्ताओं ने कहा कि चुनाव से पहले सरकार का लोगों को पैसे बांटना प्रताड़ित करने जैसा है। यह हर बार होता है और इसका भार टैक्स चुकाने वाली जनता यानि करदाताओं पर पड़ता है। सुप्रीम कोर्ट ने इन याचिकाओं की सुनवाई करते हुए केंद्र सरकार, चुनाव आयोग, राजस्थान और मध्य प्रदेश सरकार को नोटिस जारी कर चार हफ्ते में जवाब मांगा है।

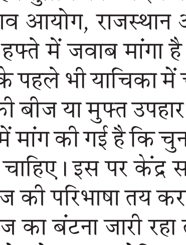
डॉ. लखन चौधरी

सबसे महत्वपूर्ण सवाल यही है कि मुफ्त उपहार यानि फ्री बीज मामले पर सियासत या अड़ंगा राज्य सरकारों पर ही क्यों लगाया जाता है? यह सवाल केन्द्र सरकार के लिए क्यों नहीं है? क्या केन्द्र सरकार मुफ्त उपहार यानि फ्री बीज की सियासत नहीं कर रही है? यदि इन पर रोक लगाने की बात आती है, तो सबसे पहले केन्द्र सरकार पर रोक लगनी चाहिए, इसके बाद राज्य सरकारों की बारी आनी चाहिए।

ज्ञातव्य है कि इसके पहले भी याचिका में चुनावों के दौरान राजनीतिक पार्टियों के वोटर्स से फ्री बीज या मुफ्त उपहार के वादों पर रोक लगाने की अपील की गई है। इसमें मांग की गई है कि चुनाव आयोग को ऐसी पार्टियों की मान्यता रद्द करनी चाहिए। इस पर केंद्र सरकार ने सहमति जताते हुए सुप्रीम कोर्ट से फ्री बीज की परिभाषा तय करने की अपील की है। केंद्र ने कहा कि अगर फ्री बीज का बंटना जारी रहा तो यह देश को 'भविष्य की आर्थिक आपदा' की ओर ले जाएगा, लेकिन यहां पर गौर करने वाली बात यह है कि क्या स्वयं केन्द्र सरकार भी यही नहीं कर रही है?

मध्यप्रदेश और राजस्थान सरकार अपनी कुल कर कमाई का 35 फीसदी हिस्सा फ्री बीज पर खर्च करते हैं। आरबीआई की 31 मार्च 2023 तक की रिपोर्ट में सामने आया है कि मप्र, राजस्थान, पंजाब, पश्चिम बंगाल जैसे राज्य टैक्स की कुल कमाई का 35 फीसदी तक हिस्सा फ्री की योजनाओं पर खर्च कर देते हैं।

पंजाब सरकार 35.4 फीसदी के साथ सूची में शीर्ष पर है। मप्र में यह हिस्सेदारी 28.8 फीसदी, राजस्थान में 8.6 फीसदी है। आंध्रप्रदेश अपनी आय का 30.3 फीसदी, झारखंड 26.7 फीसदी और बंगाल 23.8 फीसदी फ्री बीज के नाम कर रहे हैं। इसमें केरल 0.1 फीसदी हिस्सा फ्री बीज को देता है।

इससे सरकारों का बजट घाटा बढ़ता है, जिससे राज्य ज्यादा कर्ज लेने को मजबूर हो जाते हैं। ऐसे में आय का बड़ा हिस्सा ब्याज अदायगी में चला जाता है। पंजाब, तमिलनाडु और पं. बंगाल अपनी कमाई का 20 फीसदी, मप्र 10 फीसदी और हरियाणा 20 फीसदी से ज्यादा ब्याज भुगतान पर खर्च कर रहे हैं। राजस्थान, पंजाब, बंगाल में 35 फीसदी हिस्सा लुभावनी योजनाओं में खर्च हो रहा है। इस समय पंजाब सरकार पर जीएसडीपी का 48 फीसदी, राजस्थान पर 40 फीसदी, मध्यप्रदेश पर 29 फीसदी तक कर्ज है, जबकि यह 20 फीसदी से ज्यादा नहीं होना चाहिए। मप्र, राजस्थान, पंजाब, दिल्ली, कर्नाटक, राजस्थान और छत्तीसगढ़ आदि राज्यों ने पिछले सात सालों में करीब 1.39 लाख करोड़ की फ्री बीज दीं या घोषणाएं कीं है। पंजाब का घाटा 46 फीसदी बढ़ चुका है, और सबसे खराब स्थिति में है। पंजाब में बिजली सब्सिडी 1 साल में 50 फीसदी बढ़कर 20,200 करोड़ रूपए हो चुकी है।

सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि फ्री बीज मुद्दे पर फैसले के लिए एक समिति गठित की जानी चाहिए। इसमें केंद्र, राज्य सरकारें, नीति आयोग, फाइनेंस कमीशन, चुनाव आयोग, आरबीआई, सीएजी, और राजनीतिक पार्टियां शामिल हों। इस मसले पर सुको कह चुका है कि 'गरीबों का पेट भरने की जरूरत है, लेकिन लोगों की भलाई के कामों को संतुलित रखने की भी जरूरत है, क्योंकि फ्री बीज की वजह से इकानॉमी पैसे गंवा रही है। हम इस बात से सहमत हैं कि फ्री बीज और वेलफेयर के बीच अंतर है।' कुछ लोगों का कहना है कि राजनीतिक पार्टियों को वोटर्स से वादे करने से नहीं रोका जा सकता, पर अब ये तय करना होगा कि फ्री बीज क्या है? क्या सबके लिए हेल्थकेयर, पीने के पानी की सुविधा...मनरेगा जैसी योजनाएं, जो जीवन को बेहतर बनाती हैं, क्या उन्हें फ्री बीज माना जा सकता है? कोर्ट ने इस मामले के सभी पक्षों से अपनी राय देने को कहा है।

सुप्रीम कोर्ट केंद्र से पूछ चुका है कि इस मसले पर सर्वदलीय बैठक क्यों नहीं बुलाते हैं? राजनीतिक दलों को ही इस पर सब कुछ तय करना है। सुनवाई के दौरान कहा कि कमेटी बनाई जा सकती है, लेकिन क्या कमेटी इसकी परिभाषा सही से तय कर पाएगी? इस केस में विस्तृत सुनवाई की जरूरत है और इसे गंभीरता से लेना चाहिए। इस मसले पर चुनाव आयोग ने कहा कि फ्री स्कीम्स की परिभाषा आप ही तय करें। सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई के दौरान चुनाव आयोग ने कहा था कि फ्री बीज पर पार्टियां क्या पॉलिसी अपनाती हैं, उसे रेगुलेट करना चुनाव आयोग के अधिकार में नहीं है। चुनावों से पहले फ्री बीज का वादा करना या चुनाव के बाद उसे देना राजनीतिक पार्टियों का नीतिगत फैसला होता है। इस बारे में नियम बनाए बिना कोई कार्रवाई करना चुनाव आयोग की शक्तियों का दुरुपयोग करना होगा। कोर्ट ही तय करे कि फ्री स्कीम्स क्या हैं और क्या नहीं। इसके बाद हम इसे लागू करेंगे।

इस मामले पर सबसे महत्वपूर्ण सवाल यही है कि मुफ्त उपहार यानि फ्री बीज मामले पर सियासत या अड़ंगा राज्य सरकारों पर ही क्यों लगाया जाता है? यह सवाल केन्द्र सरकार के लिए क्यों नहीं है? क्या केन्द्र सरकार मुफ्त उपहार यानि फ्री बीज की सियासत नहीं कर रही है? यदि इन पर रोक लगाने की बात आती है, तो सबसे पहले केन्द्र सरकार पर रोक लगनी चाहिए, इसके बाद राज्य सरकारों की बारी आनी चाहिए।

गुरवाणी विचार

हरि जस रे मन गाये ले जो संगी है तेरो

जिनी ऐसा हरिनाम नूं चेतियो से काहै जग आये रामराजे।
ऐ मानस जनम दुर्लभ है, नाम बिना बिरथा सब जाये।
हुन वते हरिनाम नूं बीजियो-अगे भुखा किया खाये।
मनमुखा नूं फिर जनम है- नानक हरि भाये।।

यह शब्द भासा दी वार से लिया गया है। इसमें गुरु देव मानव मन को न केवल समझा रहे हैं बल्कि ताड़ना भी दे रहे हैं। हम इस संसार में हमारे किसी पूर्व जन्म के किए गए अच्छे सतकर्मों के कारण मानुष जनम प्राप्त हुआ है क्योंकि चौरासी लाख योनियों में मानव जनम सर्वश्रेष्ठ है, इसे पाने के लिए बड़े-बड़े देवतागण भी तरसते रहते हैं बिना मानुष जीवन पाए सिमरन, भजन, बंदगी भी नहीं हो सकती और जब हमें बड़े भाग से मानव योनि की प्राप्ति हो ही गई है तो फिर हमें चाहिए कि अपने सिरजनहार को हमेशा याद करते रहें इसे हम न बिसारें नहीं परन्तु यहां आकर हम सांसारिक नुमायमान पदार्थों के मोह में फंसकर उस असली कार्यों को भूल गए हैं जिसके लिए प्रभु परमात्मा ने हमें यहां भेजा है और हम हैं कि अपना कीमती जीवन ऐसे ही गंवा रहे हैं-

प्राणी तूं आयो लाहा लैन,
लगाकित कुफकड़े सब मुकट्टी चली रैन।।

इन पंक्तियों में गुरदेव फरमा रहे हैं कि ऐसे मनुष्य जो प्रभु परमात्मा को बिसार बैठे हैं। वे इस संसार में आये ही क्यों? क्योंकि नाम सिमरन किए बिना यह जीवन व्यर्थ ही बीता जा रहा है। हमें मानव जीवन मिला ही इसलिए है कि हम अपना मानव जनम संवार सकें। जिसने इस जनम में हरिनाम का सिमरन नहीं किया उसका मानव जन्म पाना ही व्यर्थ है। जिस तरह एक किसान बीज ही नहीं बोना चाहता और फसल काटने की आस रखता है तो क्या वह फसल काट सकेगा। असंभव है। अतएव हमें मानव जनम को सार्थक बनाते हुए प्रभु सिमरन बंदगी में मन रमाए रखना चाहिए।

गुरवाणी द्वारा बार-बार इस बात को समझाया गया है कि-
हरि जस रे मन गाये ले जो संगी है तेरो।
अवसर बीतियो जात है, कहा मान लियो मेरो।।

हर वक्त प्रभु परमात्मा की सिमरन भक्ति में लगे रहो ऐसा न हो कि हमने सारी उमर यह अपनी मानवदेही जो हमें बड़े भाग्य से प्राप्त हुई है को ऐसे ही विषय विकारों में गवां दें फिर इतना पछताना पड़ेगा कि जिसका बयान ही नहीं किया जा सकता। इसीलिए हर वक्त प्रभु परमात्मा की भक्ति में लगे रहना चाहिए। फिर हमारी निंदा करने वाले लोग भी हमारा कुछ नहीं बिगाड़ सकेंगे। निंदा करने वाले तो हमारा भला ही करते हैं। इससे हमारे पाप धुलते जाते हैं और निंदा करने वाले के खाते में चढ़ते जाते हैं तभी तो कबीर दास जी ने समझाया है कि-

निंदओ निंदओ मोको लोग निंदओ।
निंदा करे सो हमरा मीत-निंदक मोह हमारा चीत।
जन कबीर को निंदा सार,निंदक डूबा हम उतरे पारि।।

इन निंदकों के गले में यम की फांसी लटकती रहती है। इसलिए इंसान को प्रभु नाम सिमरन करते रहना चाहिए। प्रभु सिमरन करते रहने से यमराज भी हमें सजा नहीं दे पाएंगे। तभी तो गुरवाणी में हमें समझाया गया है कि-

मेरे राय राय तूं संता का संत तेरे।
तेरे सेवक को भओ किछ नाहीं जम नहीं आवे नेड़े।।

जो ना भजते नरायणा-तिनका है न करौ दरसना। इसलिए इस संसार समुंद्र से पार उतर कर प्रभु दरबार में स्थान प्राप्त करने का एक मात्र तरीका है प्रभु नाम सिमरन करते रहें। प्रभु हमें अपने लोक में जगह देते हैं जहां आनंद ही आनंद की अनुभूति हमें मिलती रहेगी।

चंगिआइयां बुरिआइयां वाचे धरम हदूर।
करमी आपो आपनी किया नेड़े किया दूर।।

जिस जिस ने भी प्रभु परमात्मा का नाम सिमरन किया है वही उजले मुख से प्रभु परमात्मा के सांचे दरबार में गया है और उसी का मानव जीवन पाना सार्थक हुआ है। अतएव हर वक्त सिमरन भजन में हमें लगे रहना चाहिए तभी हम भवसागर से पार उतर पाएंगे।

इंदर सिंह आहुजा

आपके पत्र

कुदरत की मार से सहम उठा सिक्किम, बादल फटने से सिक्किम की तबाही

कहावत है कुदरत की लाठी में आवाज नही होती है, वो किस रूप में आती है इसका कोई जवाब नही है। सिक्किम में बादल फटने की घटना से तबाही का मंजर देखने को मिल रहा है। सैन्य कैम्प तबाह हुआ है तथा जवानों और 82 लोग लापता हुए है। फंसे पर्यटकों को बचाया जा रहा है।

दो घण्टे में उतर सिक्किम में पानी-पानी हो गया। ग्लोबल वार्मिंग के असर के कारण नमी के कारण बारिश का आना स्वाभाविक है। अखबार ग्लोबल वार्मिंग के लिए सरकार को हमेशा चेतावनी देते रहते हैं। जलवायु पर सरकार और अन्य देश बातचीत के दौरान तालियां पीटने के बाद हमेशा के लिए भुला दिया जाता है। मोदीजी ने जी-20 के दौरान जलवायु पर लम्बी बात की थी। आफत घेरने लगती है तब उपाय सुझाया जाता है लेकिन उस समय बहुत देर हो जाती है। जलवायु परिवर्तन और ग्लोबल वार्मिंग के खतरे को दुनिया कोई ठोस कदम नहीं उठाती है तो ग्लेशियरों के पिघलने से आने वाले खतरे को हम नजरअंदाज कैसे कर सकते हैं। सैनिकों के लापता होने और गांव पानी के बहाव में बर्बाद होने के बाद प्रशासन राहत कार्य मे लग गया है।

बाढ़ का अलर्ट जारी करने के बाद भी प्रशासन ने ध्यान नहीं दिया। ग्लेशियरों के निचले इलाकों में बनी झीलें बड़ी आपदाएं ला सकती है। बादल फटने के बाद आई बाढ़ ने पूरे गांव को पानी में डूबो दिया। कुदरत के रौद्ररूप को हम नजरअंदाज कैसे कर सकते हैं। गंगटोक का देश के बाक़ी हिस्से से संपर्क टूटने की इस आपदा को निपटने में कई दिन लग जाएंगे।

लापता लोगों की तलाश की जा रही है। सड़कें पल पानी में बहने के बाद सरकार की परेशानियां बढ़ती गई है जो आहत हुए हैं उनके लिए सरकार मदद की राशि मुहैया करवाई जाए। अचानक आई बाढ़ ने लोगों को खतरे में डाल दिया है। चीन सीमा पर बादल फटने से तबाही मची हुई है। चीन का बॉर्डर होने के कारण सामरिक रूप से इलाका काफी अहम है और लापता सैनिकों की। युद्धस्तर पर तलाशी अभियान चलाया जा रहा है। 120 लोग लापता हुए है जिसकी तलाश जारी है। केंद्र द्वारा एनडीआरएफ की टीम भेजी गई है। संदेश व्यवहार का आदान प्रदान रुक गया है।

सिक्किम में स्कूलों की छुट्टियां घोषित की गई है। तीन हजार लोगों को एयरलिफ्ट कर बचाया जा चुका है। कुदरत के इस रूप से सिक्किम की हालत खराब हो गई है। सरकार पीड़ित परिवार को मुआवजा देकर उनकी मदद करे जिनका बाढ़ के बहाव में सब कुछ बह गया है।

- कांतिलाल मांडोत, सूरत

कब थमेगा नर्मदा तट पर हादसों के कारण जान जाने का सिलसिला

बीते माहों में गई आधा दर्जन से ज्यादा जानें, न रेलिंग न गार्ड

जबलपुर, देशबन्धु। नर्मदा तट पर आए दिन हादसे हो रहे हैं। तीज-त्यौहारों पर तो अक्सर एक-दो दुखद खटना घटित हो ही जाती है। बावजूद के इसके यहां शासन-प्रशासन द्वारा पर्याप्त सुरक्षा प्रबंध नहीं किए जा रहे हैं।

गौरतलब है कि छह माह में नर्मदा तट गौरीघाट, तिलवारा, भेड़ाघाट में 20 से 25 हादसे हुए है, जिनमें से अधिकांश में नाविकों, श्रद्धालुओं ने उनकी जान बचा ली है।

वहीं दुर्भाग्य वश केवल गौरीघाट में 8 श्रद्धालुओं की मौत हुई है। इसी प्रकार न्यू भेड़ाघाट, तिलवारा घाट में एक-एक युवक ने अपनी जान गंवाई है।

बचाव कार्य में देरी मौत की वजह

गौरीघाट में अथाह जल स्तर होने की वजह से यहां हादसों की आशंका बढ़ जाती है। जिलहरी घाट से दरोगा घाट तक असमान जल स्तर से नदी की गहराई का पता नहीं चल पाता। पानी में गिरा व्यक्ति यहां बहाव तेज होने के कारण पलक झपकते दूर निकल जाता है। वहीं बचाव कार्य में देरी होने पर उसके बचने की संभावनाएं कम होती जाती हैं।

खतरा सूचक पता नहीं

देखने में आया है कि गौरीघाट में सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम न के बराबर हैं। यहां न तो सुरक्षा के लिए रेलिंग लगाई गयी है और न ही खतरा सूचक लगाए गए हैं। जिसकी वजह से हादसे होते रहते हैं।

सेल्फी बनी हादसों की वजह

अधिकतर हादसों में मोबाईल से सेल्फ ी लेना बड़ी वजह उभर कर सामने आई है। नर्मदा तट पर पहुंचने वाले श्रद्धालु खासकर युवा सेल्फी लेने के चक्कर में यह भूल जाते हैं कि उनकी छोटी सी लापरवाही उनके लिए घातक हो सकती है।

जहां कम पानी वहां ज्यादा रहें सर्तक

पहले तो हर व्यक्ति को तैरना आना चाहिए। उसके बाद भी अनजान जगह में पानी में नहीं उतरना चाहिए। जहां कम पानी होता है, वहां पानी का बहाव अधिक होता है, इसलिए वहां ज्यादा सावधानी बरतने की जरूरत होती है।

- **विनोद मोथा,** तैराक व प्रशिक्षक

तगड़ी की जाएगी सुरक्षा व्यवस्था

नर्मदा तट पर सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किए गए हैं। त्यौहारों के दौरान हादसे हो जाते हैं। सुरक्षा व्यवस्था और तगड़ी की जाएगी। नाविकों को भी हादसों को रोकने के लिए प्रोत्साहित किया जाएगा।

- **टीके विद्यार्थी,** पुलिस अधीक्षक

नवरात्रि में जारी होगी कांग्रेस प्रत्याशियों की पहली सूची

जबलपुर, देशबन्धु। विधानसभा चुनाव को लेकर कांग्रेस के वरिष्ठ नेताओं द्वारा बड़े ही चिंतन-मनन के बाद प्रत्याशियों के नाम तय किए जा रहे है. दिल्ली में हुई केन्द्रीय चुनाव समिति की बैठक में 130 सीटों पर प्रत्याशियों के नामों पर चर्चा हुई है. अब नवरात्रि में कांग्रेस प्रत्याशियों की पहली सूची जारी की जाएगी। जिसमें जबलपुर की 8 विधानसभा सीटों में पांच में प्रत्याशियों की घोषणा होने की संभावना है।

सूत्रों के अनुसार दिल्ली हुई केन्द्रीय चुनाव समिति की बैठक में पार्टी के वरिष्ठ नेताओं के बीच चर्चा के बाद स्क्रीनिंग कमेटी ने करीब 80 नामों पर मुहर लगा दी है, जिसमें 60 से 70 वर्तमान विधायक है वहीं 10 से 15 हारी हुई सीटों के 15 उम्मीदवार के नाम है. जिसमें जबलपुर जिले के की 8 विधानसभा सीटों में पांच के नाम तय होने की चर्चा है. इसके अलावा संभाग की सीटों पर भी गहन चिंतन किया गया है. ऐसा कहा जा रहा है कि बैठक में उन सीटों को लेकर चर्चा की गई है, जहां से कांग्रेस को अंतर से हार का सामना करना पड़ा है। बैठक में कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खडगे, पूर्व कांग्रेस अध्यक्ष सोनिया गांधी, राहुल गांधी भी प्रदेश अध्यक्ष कमलनाथ, नेता प्रतिपक्ष गोविंद सिंह व ओमकार सिंह मरकाम मौजूद रहे. ऐसा माना जा रहा है कि नवरात्रि में प्रत्याशियों के नामों की पहली सूची जारी हो सकती है, हालांकि चर्चा यह भी है कि इस बार कांग्रेस भी नए चेहरों पर दांव लगा सकती है, क्योंकि पार्टी को सर्वे में ऐसे नाम भी मिले है, जो अपने विधानसभा क्षेत्र में मजबूत पकड़ बनाए हुए है, लेकिन उन्हे सिर्फ इसलिए मौका नहीं मिल पाया कि वर्तमान में उस सीट पर कांग्रेस के विधायक काबिज है। लेकिन केन्द्रीय नेतृत्व इस बार नए चेहरों पर भी दांव लगा सकता है। जो पार्टी को जीत दिलाने में अह्म भूमिका निभाएगे. क्योंकि पार्टी नेता सर्वे रिपोर्ट के आधार पर ही नामों पर फैसला लेगें, नेता भी प्रत्येक विधानसभा से आई सर्वे रिपोर्ट पर चर्चा कर रहे है, यदि जबलपुर की बात की जाए तो पाटन, केन्ट व सिहोरा विधानसभा सीट को लेकर घमासान है, यहां पर नामों पर फैसला नहीं हो पाया है।

अखिल भारतीय ग्राहक पंचायत स्वर्ण जयंती वर्ष का शुभारंभ

जबलपुर, देशबन्धु। अखिल भारतीय ग्राहक पंचायत के स्वर्ण जयंती वर्ष का प्रांतीय उद्धघाटन कार्यक्रम जबलपुर में दत्त रेसीडेंसी में आयोजित किया गया। जिसमे मुख्य अतिथि पूर्व महापौर सदानंद गोडबोले, पूर्व महापौर श्री स्वाती गोडबोले,विशिष्ठ अतिथि महामंडलेश्वर संतोषी माता,समाजसेवी विशाल दत्त,केंद्रीय समिति से राष्ट्रीय प्रचार प्रमुख अशोक त्रिवेदी ,मुख्य वक्ता पूर्व प्रांत अध्यक्ष रमेश गुप्ता थे।

कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्वलन एवम भारत माता एवम स्वामी विवेकानंद जी के चित्रों पर माल्यार्पण करके किया गया। अतिथि स्वागत प्रांत अध्यक्ष परविंदर सिंह बिंद्रा, सचिव डॉक्टर संदीप श्रीवास्तव, कोषाध्यक्ष मंजू वैश्य, महानगर अध्यक्ष पी के अग्रवाल, महानगर सचिव जी एल मल्होत्रा ने किया।

मुख्य अतिथि पूर्व महापौर स्वाती गोडबोले ने अपने उद्बोधन में कहा की अखिल भारतीय ग्राहक पंचायत समाज के वैचारिक अधिष्ठान में महती भूमिका अदा कर रहा है । राष्ट्रीय प्रचार प्रमुख अशोक त्रिवेदी ने बताया की किस प्रकार अखिल भारतीय ग्राहक पंचायत की नीव रखी गई और जिसका प्रभाव देश में हुआ और उपभोक्ता संरक्षण कानून का निर्माण भारतीय संसद ने किया और ग्राहक को शोषण से मुक्ति और न्याय मिले, मुख्य वक्ता रमेश गुप्ता ने समाचार पत्रों की कटिंग के माध्यम ग्राहकों का शोषण किस किस क्षेत्र में हो रहा है इसका उल्लेख किया। पानी,बिजली,जमीन और शिक्षा चिकित्सा आदि जीवन उपयोगी आवश्यक वस्तु या सेवा में ग्राहक का कितना शोषण हो रहा है उसकी मुक्ति कैसे होगी। कार्यक्रम में आभार व्यक्त महानगर अध्यक्ष पी के अग्रवाल ने व्यक्त किया। मंच संचालन जिला सागर अध्यक्ष श्रीराम साहू ने किया। आयोजन में प्रांत महिला जागरण प्रमुख कविता दुबे, भुवनेश्वरी खुरसिया, सुनंदा केशरवानी उच्च न्यायालय अधिवक्ता,डॉक्टर खुरासिया सहित गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

जबलपुर मंडल के जरुआ खेड़ा, गनेश गंज एवं लिधोरा खुर्द स्टेशनों पर ठहराव की सुविधा

जबलपुर, देशबन्धु। यात्रियों की सुविधा हेतु क्षेत्रीय जनप्रतिनिधियों की मांग पर रेल मंत्रालय द्वारा दो जोड़ी एक्सप्रेस रेलगाड़ियों का 08 अक्टूबर 2023 से 04 अप्रैल 2024 तक जबलपुर मंडल के जरुआ खेड़ा, गनेश गंज एवं लिधोरा खुर्द रेलवे स्टेशनों पर छः माह के लिए प्रायोगिक ठहराव किया गया है। गाडी संख्या 11271 इटारसी-भोपाल विंध्याचल एक्सप्रेस जरुआ खेड़ा स्टेशन पर सुबह 04.08 बजे आकर 04.10 बजे प्रस्थान करेगी। इसी तरह गाड़ी संख्या 11272 भोपाल इटारसी एक्सप्रेस जरुआ खेड़ा स्टेशन पर रात 09.43 बजे आकर 09.45 बजे प्रस्थान करेगी।

गनेशगंज में ये रहेगी समय सारणी-गाडी संख्या 11271 इटारसी-भोपाल विंध्याचल एक्सप्रेस ट्रेन गनेश गंज स्टेशन पर मध्य रात्रि 02:13 बजे आकर 02.15 बजे प्रस्थान करेगी। गाड़ी संख्या 11272 भोपाल इटारसी गनेश गंज स्टेशन पर रात 11.43 बजे आकर व 11:45 बजे प्रस्थान करेगी।

3) गाडी संख्या 18235/18236 भोपाल-बिलासपुर-भोपाल एक्सप्रेस ट्रेन का भोपाल से प्रारम्भ कर लिधोरा खुर्द स्टेशन पर दोपहर 03.12 बजे आगमन व 03:14 बजे प्रस्थान और बिलासपुर से प्रारम्भ कर लिधोरा खुर्द स्टेशन पर सुबह 09.43 बजे आगमन व 09.45 बजे प्रस्थान रहेगा।

न तो मंदिर जाने देंगे और न ही जमीन की करने देंगे लूट

जबलपुर, देशबन्धु। मंदिर बचाओ जमीन बचाओ आंदोलन का एकदिवसीय धरना प्रदर्शन पनागर बस स्टैंड में दोपहर 12 बजे होना है यह धरना प्रदर्शन एक ऐतिहासिक धरना प्रदर्शन के रूप में गिना जाएगा जिसमें क्षेत्रीय नागरिकों के अलावा क्षेत्रीय नेताओं को भी वक्ता के तौर पर आमंत्रित किया गया है जो क्षेत्रीय मांगों पर प्रकाश डालेंगे जिनकी हर स्तर पर तैयारी की जा रही है पूरे विधानसभा क्षेत्र में जन जागरण पदयात्रा भी चलाया गया प्रचार प्रसार भी किया गया और आम लोगों के बीच जाकर उनकी भावनाओं को भी समझा गया हमारे कार्यकर्ता इस आंदोलन को सफल बनाने के लिए निरंतर

मेहनत कर रहे हैं। यह बात अखिल भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस सेवा दल के महासचिव डॉक्टर सत्येंद्र यादव ने कहा मंदिर बचाओ जमीन बचाओ आंदोलन के जन जागरण पदयात्रा जो अंतिम दौर पर चल रहा है। रविवार की पदयात्रा पनागर क्षेत्र में तिवारी खेड़ा हनुमान जी की मंदिर में पूजा अर्चन कर प्रातः 9: 00 बजे मंदिर बचाओ जमीन बचाओ आंदोलन के जागरूक पदयात्रा आरंभ हुआ जो तिवारी खेड़ा राम वार्ड और हनुमान वार्ड में जनसंपर्क किया गया।

इस यात्रा में अखिल भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस सेवादल के महासचिव डॉक्टर सत्येंद्र यादव युसूफ भाई ,जितेंद्र यादव प्रवक्ता कांग्रेस सेवादल जबलपुर, यूनुस मंसूरी, जुनैद अंसारी ,लखन पटेल, विनोद पटेल ,रमेश पटेल , ताहिर खोखर, हरिप्रसाद पटेल, विपिन चौधरी ,भैया लाल यादव, चंदू यादव ,ओमनाथ चौधरी, सतीश सोनी, रंजन पटेल ,जितेंद्र पटेल, राहुल पटेल, तरुण कोरी, नितिन चौधरी ,अमन कुशवाहा, चंदन कोरी , शिवम कुशवाहा, शिवम रैकवार, सौरभ विश्वकर्मा , रेखा राठौड़, , भानुप्रिया सिंह ,, सुधा विर्छलिया, रीता यादव ,रीना सिंह ज्योति सूर्यवंशी ,किरण बेन ,लीला चौधरी ,सहित अनेक महिला एवं पुरुष कार्यकर्ता उपस्थित थे।

जेडीए कराएगा 107 करोड़ रुपए के विकास कार्य

जबलपुर, देशबन्धु। जबलपुर विकास प्राधिकरण द्वारा शहर विकास के लिए 107 करोड़ रुपए की योजनाएं स्वीकृत की गई है। इन योजनाओं के अंतर्गत सड़क, नाला, आवासीय सह व्यवसायिक कॉम्पलेक्स और एचआईजी ड्यूप्लेक्स बनाए जाएंगे।

जेडीए के संचालक मंडल ने भी इन योजनाओं को स्वीकृति प्रदान कर दी है। जेडीए के सीईओ दीपक कुमार वैद्य ने बताया कि लगभग 70 करोड़ रुपए की लागत से स्कीम नंबर 41 से कटंगी बायपास तक 2.7 किलोमीटर की एसआर-3 सीमेंट कांक्रीट सड़क और नाले का निर्माण किया जाएगा। शताब्दीपुरम में 7 मंजिला आवासीय सह व्यवसायिक कॉम्पलेक्स का निर्माण किया जाएगा। इस योजना पर लगभग 32 करोड़ रुपए खर्च किए जाएंगे। इसके साथ ही शताब्दीपुरम में ही 5 करोड़ की लागत से 8 एमआईजी ड्यूप्लेक्स का निर्माण किया जाएगा। श्री वैद्य ने बताया कि एसआर-3 रोड के निर्माण से उस क्षेत्र के लोगों को आवागमन के लिए सुरक्षित सड़क मिल सकेगा। इसके अलावा जल्द ही नगर विकास योजना- 2 और 3 का भी काम जल्द शुरू किया जाएगा। यह योजनाएं क्रमशः एसआर-2 एवं एआरपी-4 पर स्थित है।

अब रांझी खेल परिसर में एथलेटिक ट्रेक पर दौड़ सकेंगे खिलाड़ी

जबलपुर, देशबन्धु। रांझी स्थित खेल परिसर में लगभग सात करोड़ रुपये की लागत से नवनिर्मित अंतरराष्ट्रीय स्तर के एथलेटिक ट्रैक को अभ्यास के लिये खिलाड़ियों को उपलब्ध करा दिया गया है। विधायक श्री अशोक रोहाणी द्वारा रविवार को खेल परिसर में आयोजित कार्यक्रम में खिलाड़ियों एवं खेल प्रशिक्षकों की मौजूदगी में कन्याओं से फीता कटवाकर 400 मीटर लंबे इस ट्रैक को प्रारंभ कराया।

कार्यक्रम में नगर निगम अध्यक्ष श्री रिकुंज विज, मध्यप्रदेश ओलंपिक एसोसिएशन के सचिव दिग्विजय सिंह एवं जिला खेल अधिकारी आशीष पांडे भी मौजूद थे। विधायक श्री रोहाणी ने इस अवसर पर एथेलेटिक ट्रेक को रांझी एवं जबलपुर शहर के लिए बड़ी उपलब्धि बताया। उन्होंने बताया कि यह प्रदेश का पांचवा एथलीट ट्रैक है जहाँ ट्रेक एंड फील्ड से जुड़ी सभी खेल स्पर्धाएं आयोजित की जा सकेंगी।

श्री रोहाणी ने बताया कि रांझी खेल परिसर में अन्तराष्ट्रीय स्तर की आर्चरी अकादमी का निर्माण भी किया जा रहा है। इसी प्रकार फुटबॉल मैदान भी इस खेल परिसर में बनाया गया है। उन्होंने रांझी को मिली इन सौगातों के लिए मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान एवं खेल मंत्री यशोधरा राजे सिंधिया का आभार व्यक्त किया।

केंद्रीय जांच एजेंसियों का दुरुपयोग कर रही केंद्र सरकारः आप ने किया प्रदर्शन

जबलपुर, देशबन्धु। आम आदमी पार्टी के नेता सचिन गुप्ता एवं उनके समर्थक पार्टी कार्यकर्ता पदाधिकारी जिला अध्यक्ष ओम बाबू जांगिड़ प्रदेश सह सचिव राम किशोर शिवहरे के साथ धरना प्रदर्शन वंदे मातरम चौक में किया, पार्टी कार्यकर्ताओं द्वारा केंद्र सरकार पर आरोप लगाए गए कि उनके द्वारा सीबीआई और ई डी जैसी संस्थाओं को अपने फायदे के लिए इस्तेमाल किया जा रहा है जब-जब मोदी सरकार कमज़ोर होती है तो इस प्रकार के कृत करती है सरकार द्वारा इस काले कानून के विरोध में जम के नारेबाजी की गई। पार्टी तीनों वरिष्ठ नेता जेल में हैं सत्येंद्र जैन को मनी लॉन्ड्रिंग मामले में, मनीष सिसोदिया और संजय सिंह को दिल्ली के कथित शराब घोटाला मामले में ईडी ने गिरफ्तार किया है, बुधवार, चार अक्टूबर को करीब दस घंटे की लंबी पूछताछ के बाद ईडी ने संजय सिंह को गिरफ्तार किया, इससे पहले अमर्यादित व्यवहार के आरोप में उनके साथ-साथ राघव चड्डा को भी राज्यसभा से निलंबित किया गया था.ये सिलसिला कहां रुकेगा? अगला नंबर किस नेता का होगा? इसे लेकर पुख्ता तौर पर तो कुछ नहीं कहा जा सकता, प्रदर्शन में महिला जिला अध्यक्ष यासमीन, रोशनी देवी सिंह, नवल, रितेश सिंह उपस्थित रहे।

मनीष गुप्ता को अजित वर्मा पत्रकारिता पुरस्कार दिया जाएगा

जबलपुर, देशबन्धु। साहित्यिक सांस्कृतिक संस्था मित्र संघ के संस्थापक, जबलपुर पत्रकार संघ के पूर्व अध्यक्ष तथा दैनिक जयलोक के संस्थापक प्रधान संपादक स्व. अजित वर्मा के 75 वें जन्म दिवस अमृत महोत्सव का आयोजन मित्रसंघ द्वारा किया जा रहा है। इस अवसर पर इस बार अजित वर्मा स्मृति पत्रकारिता पुरस्कार मनीष गुप्ता को प्रदान किया जा रहा है। उन्हें 11 हजार रुपए की सम्मान राशि, शाल, श्रीफल और सम्मान पत्र भेंट किया जायेगा। समारोह मंगलवार 10 अक्टूबर को सायं 4.30 बजे समदड़िया माल में आयोजित किया जा रहा है।

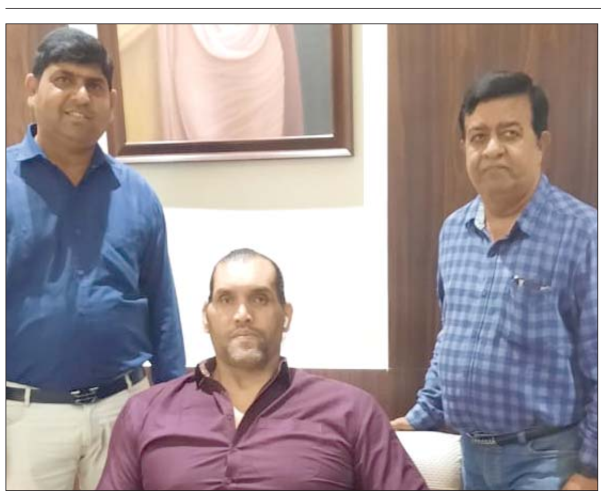

जबलपुर, देशबन्धु। राज्यसभा सांसद विवेक कृष्ण तंखा द्वारा आयोजित कार्यक्रम में रेसलर खली से कांग्रेस नेता अरूण पवार ने मुलाकात की।

अंतस गीत संगीत का आयोजन

जबलपुर, देशबन्धु। अंतस साहित्यिक सामाजिक और सांस्कृतिक संस्था के तत्वाधान में रानी दुर्गावती संग्रहालय कलावीथिका में 1990 तक के संगीत बध्द हुए गीत कभी भुला कभी याद किया। कार्यक्रम में सुनहरे गीतों का संयोजन राजेश तिवारी ने किया समन्वयक इंजी जी. व्ही. अग्रवाल और सचिव संदीप बनोधा संरक्षक सरोज संतोषी सहित पी.डी.दीक्षित सलिल तिवारी नेहा खरे, डॉ आज्ञा मिश्रा, माया पांडे, मृदुल चतुर्वेदी, डा.कृष्ण कुमार दुबे, इंजी अरुण भटनागर, प्रियंका चौधरी, एड. विनोद श्रीवास्तव, भीम सिंह दीवान, डॉ मीनाक्षी शर्मा आदि गायक कलाकारों ने अपनी सुमधुर प्रस्तुति दी। इस अवसर पर संस्था के संस्थापक डॉ अनिल कुमार कोरी ने स्वागत उद्बोधन देते हुए संस्था के कार्यों पर प्रकाश डाला।

इसका संचालन मंजू गोरे ने किया एवं आभार संस्था की निर्देशिका विनीता पैगवार ने प्रकट किया। इस अवसर पर महामहोपाध्याय हरिशंकर दुबे, डॉ दुर्गेशब्यौहार, सुभाष जैन सलभ, इंजी विनोद नयन, प्रभा विश्वकर्मा शील, कामना श्रीवास्तव ,निहारिका कुरवाने ,यूनुस अदीव, आलोक पाठक, रामलाल कोरी, राकेश पैगवार, अनुपम तिवारी, हरिओम हजारी आदि की उपस्थिति रही।

गाए हुए सुंदर गीत तेरे हुस्न की क्या तारीफ करूं, मैं तेरे इश्क में मर ना जाऊं कहीं ,गोरिया कहां तेरा देश रे, तेरी बिंदिया रे, प्यार करने वाले प्यार करते हैं शान से आदि गीतों की सुमधुर प्रस्तुति ने दर्शकों का मन मोह लिया।

स्टूडेंट्स ने चित्रों में उकेरी वीरांगना रानी दुर्गावती की शौर्य गाथा

जबलपुर, देशबन्धु। जॉय स्कूल स्टूडेंट्स की नगर निगम जबलपुर द्वारा वीरांगना बेहतरीन रानी दुर्गावती की जयंती के अवसर पर भंवरताल गार्डन में रविवार को चित्रकारी, चिलिका प्रतियों स्कूल स्टूडेंट्स के जीते अवार्ड। चित्रकला प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इसमें बच्चों ने एक से बढ़ कर एक प्रस्तुति दी। प्रतिभागियों का उत्साह देखते ही बन रहा था। मेयर जगत बहादुर अन्नू, सच्चिदानंद शेकटकर, पारितोष वर्मा ने बच्चों का उत्साह बढ़ाया।

प्रतियोगिता में जॉय स्कूल विजय नगर के स्टूडेंट्स ने बेहतरीन चित्रकारी करते हुए वीरांगना के पराक्रम पूर्ण जीवन को रंगों के माध्यम से चित्रों में उकेरा। चित्रकला प्रतियोगिता में शहर के लगभग 2700 स्टूडेंट्स ने भाग लिया। चित्रकला प्रतियोगिता में जॉय स्कूल विजय नगर के अनय पटेल और श्रुति रैकवार ने सेकंड स्थान प्राप्त कर 2100 रुपए का नगद पुरस्कार प्राप्त किया। स्टूडेंट की सफलता पर स्कूल संचालक अखिलेश मेबन प्रिंसिपल डॉक्टर श्रीमती रश्मि मिश्रा और वाइस प्रिंसिपल नीनू मेबन ने स्टूडेंट को शुभकामनाएं देते हुए उज्जवल भविष्य की कामना की है।

जनवरी 2024 के पहले पखवाड़े में ही संस्कारधानी के नागरिकों को नर्मदा शुद्धिकरण की दी जायेगी सौगात : महापौर

जबलपुर, देशबन्धु। महापौर जगत बहादुर सिंह ''अन्नू'' ने निर्माणाधीन एस.टी.पी. प्लांट का मुआयना कर निर्माण कार्य का माँ नर्मदा का पुण्य स्मरण करते हुए पूजन किया और दिसम्बर 2023 तक नर्मदा में मिलने वाले गंदे पानी को रोकने के लिए स्थापित 5 बड़ी और 2 छोटी एस.टी.पी. प्लांट का कार्य पूर्ण कराया जायेगा। उन्होंने बताया कि 60 प्रतिशत एस.टी.पी. प्लांट निर्माण कार्य पूर्ण हो चुका है और शेष कार्य तेजगति से जारी है।

उन्होंने बताया कि जल को शुद्धिकरण की दिशा में नगर निगम सीमांतर्गत नर्मदा में मिलने वाले गंदे पानी को रोकने के लिए 17 करोड़ 50 लाख की लागत से उच्चस्तरीय एस.टी.पी. प्लांट लगाने का कार्य बहुत तेज प्रगति पर है। माँ नर्मदा में मिलने वाले गंदे पानी को शुद्ध करने हेतु सकारात्मक प्रयास सफल हुआ है। दिसम्बर 2023 तक कार्य को पूर्ण कर लिया जायेगा और जनवरी 2024 के पहले पखवाड़े में माँ नर्मदा का स्वच्छ और शुद्धिकरण की दिशा में कार्य पूर्ण कराकर घाटों को भी सौन्दर्यीकृत करते हुए नए स्वरूप प्रदान करने संबंधी कार्य कराया जायेगा। उल्लेखनीय है कि परमपूज्य संत

नर्मदा में मिलने वाले गंदे पानी को रोकने 17 करोड़ 50 लाख रूपये की लागत से पॉच बड़ी और दो छोटी एस.टी.पी. प्लांट लगाने का कार्य 60 प्रतिशत पूर्ण और शेष कार्य तेजगति से जारी

स्वामी गिरीशानंद जी की प्रेरणा और दिशा निर्देश एवं पश्चिम विधानसभा क्षेत्र के विधायक पं. तरूण भनोत की पहल पर महापौर जगत बहादुर सिंह ''अन्नू'' ने माँ नर्मदा को स्वच्छ और शुद्धिकरण करने की दिशा में संकल्प लिया था, उस संकल्प को पूरा करने की दिशा में महापौर वचनबद्ध हैं और इस दिशा में उनके द्वारा तेजी से कार्य कराये जा रहे हैं। शीघ्र ही नर्मदा शुद्धिकरण की सौगात संस्कारधानी के नागरिकों को प्रदान की जायेगी।

गोविंद गंज रामलीला में श्रीमुकुट पूजन चल समारोह का जगह-जगह हुआ स्वागत

जबलपुर, देशबन्धु। मध्य भारत की सबसे प्राचीन रामलीला समितियों में से एक श्री गोविंदगंज रामलीला का श्रीमुकुट पूजन चल समारोह पारंपरिक श्रद्धा और आस्था के साथ निकाला गया। इससे पूर्व रामलीला भवन में व्यास पं. वासुदेव शास्त्री के निर्देशन में विद्वान ब्राम्हणों ने श्री मुकुटों का पूजन और प्राण प्रतिष्ठा कराई। भगवान श्रीगणेश, राम-सीता, लक्ष्मण-भरत-शत्रुघ्न, और अंजनी किशोर के स्वर्णजड़ित मुकुटों की प्राण प्रतिष्ठा कराई गई। क्षेत्रीय विधायक विनय सक्सेना ने भी श्री मुकुटों का पूजन किया और चल समारोह में शामिल हुए। जुलूस विभिन्न मार्गों से होते हुए वापस रामलीला प्रांगण में पहुंचा। मुकुट पूजन जुलूस में अध्यक्ष अनिल तिवारी के अलावा सभी संरक्षक, पदाधिकारी, पात्र जगत शामिल था। रामलीला जुलूस का जगह-जगह स्वागत किया गया। जुलूस में साधू मंडली, भजन मंडली, बैंड-धमाल आदि माहौल को धर्ममय बना रहे थे। जुलूस मिलौनीगंज से शुरू होकर गुड़हाई, कोतवाली, कमानिया, फुहारा, पांडे चौक, दीक्षितपुरा, हरदौल मंदिर, पारिजात बिल्डिग, दमोहनाका होता हुआ वापस रामलीला प्रांगण पहुंचा।

आज गोविंदगंज में होगा राम का जन्म-गोविंदगंज रामलीला के भव्य मंच पर आज श्री नारद मोह राम जन्म की लीला के साथ रामलीला के मंचन के अनुष्ठान का श्रीगणेश हो जायेगा। नारद मोह, कामदेव चरित्र, मोहिनी स्वयंवर के बाद रावण-कुंभकरण-मेघनाद की तपस्या का चित्रण होगा। तदोपरांत श्रीराम जन्म की मानव लीला होगी। रामजन्म रामलीला प्रांगण में उत्सव की तर्ज पर मनाया जायेगा। चारों भाइयों के जन्म पर मंगल गान, प्रसाद वितरण सहित कई आयोजन होंगे। अध्यक्ष श्री तिवारी ने सभी श्रद्धालुओं से भगवान की लीला का दर्शन लाभ अर्जित करने का आग्रह किया है।

राष्ट्र सेविका समिति का पथ संचलन कार्यक्रम आयोजित

जबलपुर, देशबन्धु। राष्ट्र सेविका समिति जबलपुर महानगर द्वारा अपने स्थापना दिवस विजयादशमी के उपलक्ष में 8 को पथ संचलन कार्यक्रम का आयोजन किया गया। पथ संचलन गांधी भवन टाउन हॉल से प्रारंभ होकर छोटी ओमती, करमचंद चौक ,मालवीय चौक, बड़ा फवारा होते हुये गांधी भवन टाउन हॉल पर समाप्त हुआ। इस अवसर पर प्रांत बौद्धिक प्रमुख प्रतिमा बिसेन, मुख्य अतिथि डॉक्टर विमला जैन व विभाग कार्यवाही का प्रिया चौधरी की उपस्थिति रही।

मौलाना सैयद हुसैन रब्बानी की उमराह से वापसी आज होगी

जबलपुर, देशबन्धु। शहज़ाद ए सुल्तानुल वायज़ीन, अपनी तकरीर में हमेशा कौमी एकता व सद्भाव का पैग़ाम देने वाले, दरबारे रब्बानी सदर के सज्जादानशीन अल्हाज हज़रत मौलाना सैयद हुसैन रब्बानी मक्का व मदीना शरीफ की ज़ियारत (उमराह) करने के बाद आज दोपहर गरीब रथ एक्सप्रेस से जबलपुर वापस लौट रहे हैं। मुरीदेन व अकीदतमंदों से स्टेशन पहुँच कर हज़रत के इस्तकबाल की गुज़ारिश है की गयी है।

स्टेशन दुर्गा पूजा दशहरा समिति की बैठक सम्पन्न

जबलपुर, देशबन्धु। सदर में दुर्गा पूजा और दशहरा चल समारोह समिति की रविवार को गीतांजली सांस्कृतिक भवन में बैठक सम्पन्न हुई। समिति के पदाधिकारियों के मुताबिक यह कार्यक्रम पिछले 56 वर्षों से लगातार जारी है। कार्डीनेटर माखन लाल हाजरा ने जारी विज्ञप्ति में बताया कि बैठक में उपस्थित सदस्यों से कई महत्वपूर्ण विषयों पर विस्तृत विचार-विमर्श कर निर्णय लिया गया है। इस वर्ष इंदिरा गांधी मैदान की जगह गीतांजली सांस्कृतिक भवन टैगोर उद्यान के पास आदि शक्ति दुर्गा की पूजा एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किए जायेंगे। इस दौरान समिति ने मेला और वाहनों की पार्किंग व्यवस्था गैरीसन मैदान में की गई है। मेले में बच्चों के लिए झूले और खानपान की स्टालों भी लगाएं जायेंगे, मेले का विशेष आकर्षण इंडियन कॉफी हाऊस का स्टॉल होगा। गीतांजली सांस्कृति भवन में हुई बैठक के दौरान ए.के. चक्रवोर्ती, अनुपम बैनर्जी, सुब्रत दत्ता, एन.सी.घोष, एम.एम. कुण्डु, अरवेन्दु नंदी, सुबीर सरकार, पी.एस. मानी, एम.आर. मंडल, एस.एन. मंडल, प्रशांत मानी, एस.के.चटर्जी, संतोष मुखर्जी, अर्नव कुमार, उत्तम सरकार, अनिरूद्ध चक्रवोर्ती,ि नर्मल मजूमदार, के. के. विश्वास, के. गांगुली, उत्पल मण्डल उपस्थित थे, केप्टन प्रदीप कुमार पाण्डा सचिव ने श्रद्धालुओं से अधिक से अधिक संख्या में उपस्थिति का अनुरोध किया है।

आज भगवान के जन्म पर होगा मानस पाठ का आयोजन

जबलपुर, देशबन्धु। धनुष यज्ञ रामलीला पुष्य नक्षत्र हवन पूजन एवं रामचरितमानस तथा पत्र ,श्री राम भरत शत्रुघ्न लक्ष्मण माता सीता हनुमान बनने वाले पत्रों का जलाभिषेक स्वस्ति वाचन नामकरण किया गया, परंपरा अनुसार भगवान से संबोधित किया जाएगा यही परंपरा रही है, अध्यक्ष सीताराम कुरचनिया ने बताया आज मानस पाठ का आयोजन किया जायेगा। 10 अक्टूबर को मुकुट पूजन नगर भ्रमण वाद्य यंत्रों के साथ एवं कलश के साथ अखाड़ा वाजपेई तिवारी सदर की प्रमुख गलियों से भ्रमण करता हुआ धनुष यज्ञ रामलीला प्रांगण में वापस आएगा। सभी पात्रों का अभिनय करने वाले सम्मानित जनों को सम्मानित करते हुए लगभग सातवीं पीढ़ी के साथ रामलीला का मंचन प्रारंभ होने जा रहा है। धनुष यज्ञ रामलीला समरसता के भाव के लिए आज भी प्रासंगिक है, सभी धर्म के लोग रामलीला में अपने दायित्व का निर्वहन करते हैं, यहां तक की मुस्लिम समाज कई वर्षों से रामलीला में अपना सहयोग देता है, पासी ,वर्मान, समाज, मदुरई अन्ना, बाल्मीकि ,वसुदेव कुटुंबकम को परिभाषित करती है। धनुष यज्ञ रामलीला में हर समाज बढ़-चढ़कर हिस्सा लेते हैं। रथ और जुलूस सदर की गलियों में नित्य नीति का घर-घर में पूजन पुष्प वर्षा अलौकिक दृश्य, धनुष यज्ञ की पहचान है। आज भी धनुष ज्ञय रामलीला में पाठ करने मुंबई, ग्वालियर पत्र आते हैं। रावण का पाठ सीताराम कुरचनिया नाक, खटी का पाठ आकाश नायडू एवं तड़का का वध पाठ वीरू यादव, शिवाजी ग्राउंड में राम-राम युद्ध का सजीव चित्रण मेघनाथ कुंभकरण रावण का, 51 फुट ऊंची, तेल चित्र धनुष यज्ञ रामलीला को नया आयाम प्रदान करती। धनुष यज्ञ विविधताओं से जाना जाता है आज का पूजन विभिन्न नदियों के जल हवन पूजन के साथ विराजमान गणेश, भगवान शिव पार्वती समस्त देवताओं को आमंत्रित कर प्रारंभ किया गया। अभिषेक चौकसे, मधुर तिवारी, सीताराम, डॉक्टर शंकर पांडे, संदीप चौकसे, संतोष तिवारी, डीपी कमल शिवदत्त चौबे, नरेश तिवारी, मनोहर अग्निहोत्री, रजनीकांत अवस्थी, विजय ठाकुर, राहुल रजक, प्रवीण सोनी, संजय शुक्ला, दिनेश शुक्ला आदि ने पूजन किया। उपस्थित जनों का स्वागत प्रचार मंत्री धनंजय बाजपेई ने किया। भगवान का जन्म एवं मानस पाठ आज रात 8 बजे से प्रारंभ होगा।

भाजपा का संत संपर्क अभियान आरंभ

जबलपुर, देशबन्धु। भारतीय जनता पार्टी जबलपुर जिले की चुनाव प्रबंधन कमेटी के महत्वपूर्ण विभाग संत संपर्क एवं वैचारिक संगठन ने काम आरंभ कर दिया है।

भारतीय जनता पार्टी के नगर अध्यक्ष प्रभात साहू के मार्गदर्शन में जिला संयोजक डॉ राजेश जायसवाल की अध्यक्षता में विधानसभा के संयोजक एवं सह-संयोजकों की बैठक भाजपा संभागीय कार्यालय में आयोजित की गई। डॉ जायसवाल ने प्रदेश के प्रभारी तपन भौमिक एवं नगर अध्यक्ष के द्वारा दिए गए मार्गदर्शन के अनुरूप कार्यकर्ताओं को अपना दायित्व निर्वाहन करने की जानकारी विस्तार पूर्वक दी। बैठक में प्रदेश से प्राप्त पत्रक भी सभी को दिए गए। विधानसभा के संयोजक एवं सहसंयोजकों ने अपने-अपने क्षेत्र में रविवार से सूची बनाने का काम प्रारंभ कर दिया है।

बैठक में कैंट विधानसभा के संयोजक महेंद्र सिंह, उत्तर मध्य विधानसभा के संयोजक लक्ष्मण गुप्ता, पश्चिम विधानसभा के संयोजक रामाधर प्यासी, पूर्व विधानसभा के सह-संयोजक संजय दीक्षित, सह-संयोजक सरदार सुरजीत सिंह, जीपी विश्वकर्मा, संदेश महाराज, महेंद्र नामदेव आदि उपस्थित रहे।

आज के युवा को आत्मबोध कराने की अत्यंत आवश्यकता है

जबलपुर, देशबन्धु। आज का युवा भटका हुआ है उसे उसका आत्मबोध कराने की अत्यंत आवश्यकता है। आज के समय में कम्युनिकेशन के साधन बहुत ज्यादा होने के बावजूद भी व्यक्तियों के बीच में कम्युनिकेशन गैप है। मरीजों के लिए बहुत से अस्पताल एवं उपकरण होने के बावजूद भी आज आदमी स्वस्थ नहीं है। सारे संसार में एक से एक हथियार होने के बावजूद भी शांति नहीं है। एक देश दूसरे देश के खून के प्यासे बने हुए हैं। यह सब इसलिए है कि आदमी भटका हुआ है, उसे सन्मार्ग का रास्ता समझ नहीं आ रहा। जिस दिन व्यक्ति समझ जाता है। उसी दिन उसका अभ्युदय हो जाता है, और उसी दिन से वह युवा देश को नई दिशा की ओर ले जाता है। आज के युवाओं को आत्मबोध कराने की आवश्यकता है, जिससे वह अपने को पहचाने और हम सुधरेंगे-युग सुधरेगा की तर्ज पर आगे बढ़ते हुए इस राष्ट्र को सही दिशा में ले जाना का कार्य करें। इस तरह के उद्गार अखिल विश्व गायत्री परिवार, शांतिकुंज, हरिद्वार के तत्वाधान में चलाए जा रहे युवा जागृति अभियान के तहत जिला स्तरीय दायित्वबोध कार्यशाला के दौरान युवा प्रकोष्ठ के संयोजक आशीष सिंह ने व्यक्त किए। कार्यशाला का आयोजन गायत्री शक्तिपीठ, मनमोहन नगर में किया गया! जिसमें जिले से 250 से अधिक 18 साल से 35 साल के युवाओं ने भाग लिया।

वॉइस ऑफ प्रज्ञा टीम की दीप्ति मिश्रा, शारदा राय, संध्या बर्मन देव प्रभाकर बर्मन, सौरभ वंदना गीत एवं युवा जागरण गीत प्रस्तुत किए गए। कार्यक्रम में जबलपुर निवासी कौन बनेगा करोड़पति की विनर वर्षा सरावगी ने युवाओं को आगे बढ़ाने के महत्वपूर्ण सूत्र बताएं। उन्होंने कहा कि युवा लगन और निष्ठा से कोई भी कार्य करें सफलता निश्चित ही उनके कदम चूमेगी।

मोहन चक्रवैश्य ने युवाओं से उनके जीवन के बारे में युवा संवाद कार्यक्रम के तहत प्रश्न और उनके समाधान बताएं। कार्यक्रम को सफल बनाने में आशुतोष कटारे, रवि चौकसे, पुष्पेंद्र कोष्टा, मनीष कस्तूरे, विनय कोष्टा, रत्नेश राय आदि उपस्थित रहे।

दैनिक राशिफल

सोमवार 09 अक्टूबर 2023 का पंचांग विक्रम संवत् 2080,शक संवत 1945 हिजरी 1444। आश्विन कृष्ण पक्ष की दशमी, नक्षत्र-अश्लेषा।

मेष
आज आप अत्यधिक इमोशनल रहेंगे। किसी व्यक्ति का कठोर व्यवहार आपकी भावनाओं को ठेस पहुंचा सकता है।

कर्क
आज आप बहुत इमोशनल रहने वाले हैं। मित्रों, परिवार के सदस्यों और रिश्तेदारों के साथ किसी गहरी चर्चा में उतर सकते हैं। घूमने- फिरने और स्वादिष्ट भोजन करने का अवसर मिलेगा।

वृषभ -
शारीरिक तथा मानसिक रूप से अच्छा अनुभव करेंगे। आनंद का अनुभव होगा। रिश्तेदारों तथा पारिवारिक काम में आपको लाभ होगा। मित्रों के साथ घूमने जाएंगे।

सिंह
मन में अस्थिरता और भावना की दुर्बलता के कारण आप अस्वस्थता का अनुभव करेंगे। गलत वाद-विवाद या चर्चाओं में न पड़ें।

मिथुन
-आपके निर्धारित काम पूरे होने में विलंब होगा। वित्तीय योजनाएं अच्छी तरह पूरी कर सकेंगे। स्वादिष्ट भोजन का आनंद लेंगे।

कन्या
आज आप अनेक तरह के लाभ प्राप्त कर सकेंगे। आपके व्यापार और आय में वृद्धि होगी। नौकरी में भी लाभ प्राप्त कर सकेंगे। मित्रों के साथ रमणीय स्थल पर घूमने जाने की संभावना है।

क.

तुला
आपके परिवार में खुशी और उत्साह का वातावरण रहेगा। नौकरी और ऑफिस में पदोन्नति होने तथा आय में वृद्धि होने की संभावना बनी रहेगी।

मकर
आपको काम की चिंता रहेगी। सगे- सम्बंधियों के साथ दिन मौज-मस्ती में दिन व्यतीत होगा। आप दोस्तों के साथ बाहर घूमने-फिरने का आनंद ले पाएंगे।

वृश्चिक
आज आप नकारात्मक विचारों में रह सकते हैं। भय का अनुभव होगा, थकान लगेगी, स्फूर्ति का अभाव महसूस होगा। नौकरी या व्यवसाय में कठिनाई हो सकती है।

कुंभ
आप जो काम करेंगे, उसमें आपको सफलता मिलेगी। परिवार में मेल-जोल बना रहेगा। शारीरिक और मानसिक रूप से स्वस्थ अनुभव करेंगे।

धनु
आप वाणी पर नियंत्रण नहीं रखेंगे, तो किसी के साथ झगड़ा हो सकता है। आपका स्वास्थ्य खराब हो सकता है। आज मन किसी चिंता में रहेगा। खर्च होने की संभावना है।

मीन
-आज काल्पनिक दुनिया में विहार करना आपको पसंद आएगा। लेखन और साहित्य के क्षेत्र में अपनी रचनात्मकता प्रदर्शन कर सकेंगे। विद्यार्थियों के लिए समय अच्छा है।

मा.

लिपिक संवर्ग की गुहार समान कार्य समान वेतन दे सरकार

संघ का आरोप - उपेक्षा पूर्ण नीति के चलते लिपिकों का हो रहा शोषण

जबलपुर, देशबन्धु। मध्य प्रदेश जागरूक अधिकारी कर्मचारी संगठन के जिलाध्यक्ष रॉबर्ट मार्टिन ने विज्ञप्ति के माध्यम से बताया कि राज्य सरकार की उपेक्षा पूर्ण नीति के चलते लिपिक संवर्ग का सदैव ही आर्थिक शोषण हुआ है। वर्तमान में मंत्रालय के सहायक ग्रेड-3 के मुकाबले विभागाध्यक्ष कार्यालय के सहायक ग्रेड-3 का समयमान वेतनमानों में शोषण किया जा रहा है। जहां संविधान के अनुच्छेद 39 प में प्रावधान है कि 'एक ही कार्य को करने वाले सभी लोगों को समान वेतन मिलना चाहिए' परन्तु मंत्रालय, राज्यपाल सचिवालय, विधि एवं विधायी के सहायक ग्रेड 3 का द्वितीय उच्चतर समयमान वेतनमान 9300-34800-3600 ग्रेड पे और तृतीय उच्चतर समयमान वेतनमान 9300-34800-4200 ग्रेड पे पर अप्रेल 2006 से उन्नत किया गया है। जबकि विभागाध्यक्ष एवं अधीनस्थ कार्यालय के सहायक ग्रेड-3 का द्वितीय उच्चतर समयमान वेतनमान 5200-20200-2800 ग्रेड पे और तृतीय उच्चतर समयमान वेतनमान 9300-34800-3200 ग्रेड पे पर उन्नत किया गया है जो कि संवैधानिक अधिकारों का हनन और शोषण है। यही वजह है कि लिपिक संवर्ग में रोष व्याप्त है कि समान कार्य करने के बावजूद वेतन में इतना भारी अंतर क्यों ? संघ ने आगे बताया कि विभागाध्यक्ष कार्यालयों में पदस्थ सहायक 3 लिपिकों के दायित्व मंत्रालय में पदस्थ सहायक लिपिकों के समान ही होते हैं। अत: समयमान वेतनमान में उत्पन्न विसंगति को दूर किये जाने हेतु उचित निर्णय वित्त विभाग को लिया जाना चाहिए। परंतु शासन द्वारा किसी प्रकार का उचित निर्णय नहीं लिए जाने के कारण लिपिकों के संवैधानिक अधिकारों पर न्यायौचित कार्यवाही नहीं करने से मंत्रालय के लिपिकों कि तुलना में विभागाध्यक्ष कार्यालयों में पदस्थ लिपिकों को मिलने वाले प्रतिमाह के वेतन में हजारों रूप्ये का अन्तर है। यही वजह है कि सेवानिवृत्ति पर लिपिकों को कम पेंशन का निर्धारण हो रहा है। अत: लिपिक संवर्ग के वेतन में इतना भारी अंतर होना न्याय संगत नहीं है क्योंकि समान कार्य के लिए सभी को समान वेतन मिलना चाहिए। संघ के जिलाध्यक्ष-रॉबर्ट मार्टिन, जिया उरहीम , हेमंत ठाकरे, गुडविन चार्ल्स, विनोद सिंह, एनोस विक्टर, एस.बी.रजक, फिलिप अन्थोनी, निलेष खरे, अषोक परस्ते, महेन्द्र प्रधान, राजकुमार यादव, एनोस विक्टर, सुनील झारिया, उमेश ठाकुर, चैतन्य कुषरे, गोपी शाह, शरीफ अंसारी, वसुमुद्दीन, आशाराम झारिया, गिरीष कांत मिश्रा, त्रिलोक सिंह, समर सिंह ठाकुर, मानसिंह आर्मो, रवि जैन, अफरोज़ खान, रामकुमार कतिया, मनीष मिश्रा, आषीष कोरी आदि ने वित्त विभाग म. प्र. शासन से मांग की है कि लिपिक संवर्ग के वेतनमान में भारी विसंगतियों को दूर किया जाए एवं समान कार्य हेतु समान वेतन दिया जाए।

प्रतिभावान छात्रों को पदक और छात्रवृत्ति देकर किया प्रोत्साहित

जबलपुर, देशबन्धु। गहोई शिक्षा प्रसार समिति ने समाज के प्रतिभावान छात्र-छात्राओं को पदक अलंकरण और छात्रवृत्ति वितरण कर आगे शिक्षा जारी रखने के लिए प्रोत्साहित किया। तक्षशिला इंजीनियरिंग कॉलेज के उमंग प्रेक्षागृह में आयोजित कार्यक्रम में डॉ. अरूण सरावगी की अध्यक्षता में पूर्व अध्यक्ष इंजी. श्रीकांत कस्तवार एवं समिति के पदाधिकारियों, सदस्यों की उपस्थिति में दीप प्रज्जवलन कर प्रारंभ किया गया। अध्यक्ष ने उद्बोधन में गहोई शिक्षा प्रसार समिति के इतिहास पर प्रकाश डालते हुये समिति की कुछ वर्षों की उपलब्धियों को बताया। उन्होंने बताया कि इस वर्ष गहोई समाज की जरूरतमंद परिवार की महाविद्यालयीन 32 छात्राओं को रू. 5 हजार रूपये की राशि प्रत्येक छात्र को वितरित की जा रही है। भविष्य में यह राशि बढ़ाकर 7 हजार करने के लिए फंड की उपलब्धता के आधार पर गंभीरता से विचार किया जा रहा है।

संस्था के विकास हेतु प्राप्त सहयोग के लिए दान दाताओं का आभार प्रकट करते हुए और भी अधिकाधिक सहयोग प्रदान करने की आग्रह किया। द्वितीय चरण के अंतर्गत प्रतिभावान गहोई छात्र पदक अलंकरण व छात्रवृत्ति वितरण समारोह रादुविवि के प्रोफेसर कपिल देव मिश्र, मुख्य आतिथि इंजी. दीपक खैरहा, वित्त सलाहकार सुभाषचंद्र मसुरहा, चेयरमेन तक्षशिला ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यूट,के विशिष्ट आतिथ्य में संपन्न हुआ। कार्यक्रम में रश्मि रावत को स्वर्ण पदक, आयुष्मान बड़ेरिया को रजत पदक, कु. शुभि सरावगी को कांस्य पदक से सम्मानित किया गया। इस अवसर पर इंजी. दीपक खैरहा, शांति देवी लोहिया, कृष्ण कुमार लोहिया, प्रिया लोहिया गुप्ता, इंजी. इंजी.कमलकांत गुप्ता बहरे, सुभाष चंद्र रावत,राजेश बिलैया, कृष्ण कुमार लोहिया, सुभाषचंद्र मसुरहा, डॉ. राजेन्द्र कुमार चपरा, मोहन कुमार सिपौल्या, एड. उत्तमचंद गुप्ता बिलैया, संतोष सुहाने, रतन खर्द, राम नारायण पहारिया, शंभूदयाल बड़ेरिया, विजय सुहाने आदि सदस्यों की उपस्थिति रही ।

निधन

ईश्वर अल्लाह तेरो नाम सबको सद्गति दे भगवान

अशोक कुमार सिसोदिया- अंजली छाया संजीवनी नगर निवासी स्टेट बैंक से सेवानिवृत्त मैनेजर अशोक कुमार सिसोदिया (75) का निधन हो गया है। वे किरण व प्रकाश सिसोदिया के भ्राता तथा आशुतोष सिसोदिया के पिता थे। अंतिम यात्रा आज सुबह 10.30 बजे ग्वारीघाट मुक्तिधाम के लिये प्रस्थान करेगी।

हिम्मत लाल शाह-राइट टाउन निवासी हिम्मत लाल शाह (मोहनलाल हरगोविंद दास बीड़ी उद्योग प्राइवेट लिमिटेड एवं गुजराती समाज के वरिष्ठ सदस्य) का स्वर्गवास 7 अक्टूबर को मध्य रात्रि में 92 वर्ष की उम्र में निधन हो गया है। अंतिम यात्रा 8 अक्टूबर को ग्वारीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुई। शोकाकुल परिवार - शिरीष शाह (पुत्र) गुंजन शाह (पोत्र)

श्रीकांत यादव- प्रेमनगर मदनमहल निवासी श्रीकांत यादव (76) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार ग्वारीघाट मोक्षधाम में संपन्न हुआ।

विंध्यवासिनी अग्निहोत्री- मदनमहल मेडिकल रोड निवासी हरि शंकर अग्निहोत्री की धर्मपत्नी विंध्यवासिनी अग्निहोत्री (94) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गुप्तेश्वर मोक्षधाम में किया गया।

सिया बाई बर्मन- इंद्रा बस्ती एलआईसी मदनमहल निवासी घसीटा लाल बर्मन की धर्मपत्नी सिया बाई बर्मन (65) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार ग्वारीघाट मोक्षधाम में संपन्न हुआ।

यशोदा बाई रैकवार- सिद्धनगर राधाकृष्णन वार्ड निवासी घनश्याम दास रैकवार की धर्मपत्नी यशोदा बाई रैकवार (90) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार करियापाथर श्मशान भूमि में किया गया।

अंजली देवी कनौजिया- तीस बैरक पूर्व शीला टाकीज के पास केंट निवासी कंधी लाल कनौजिया की धर्मपत्नी अंजली देवी कनौजिया (64) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार ग्वारीघाट मोक्षधाम में संपन्न हुआ।

कु. सरिता कोल- वल्दी कोरी की दफाई निवासी कोमल प्रसाद कोल की पुत्री कु. सरिता कोल (27) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार करियापाथर श्मशान भूमि में किया गया।

नन्हीं बाई- बागड़ा दफाई पोलीपाथर निवासी श्री जंगी लाल की धर्मपत्नी नन्हीं बाई (98) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार ग्वारीघाट मोक्षधाम में संपन्न हुआ।

गायत्री बाई चौधरी- शुक्ला होटल लालमाटी निवासी छकोड़ी लाल चौधरी की धर्मपत्नी श्रीमती गायत्री बाई चौधरी (60) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार करियापाथर श्मशान भूमि में किया गया।

गंगा बाई ठाकुर- नरसिंह मंदिर गोरखपुर निवासी गंगा बाई ठाकुर (85) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार ग्वारीघाट मोक्षधाम में संपन्न हुआ।

ग्रामीण क्षेत्रों में जमकर हो रही शराब तस्करी, 4 थाना क्षेत्रों में 4 आरोपी गिरफ्तार

245 पाव देशी एवं 176 लीटर कच्ची शराब तथा एक्सिस वाहन बरामद

जबलपुर, देशबन्धु। जिले के शहरी इलाकों के साथ-साथ ग्रामीणा क्षेत्रों में शराब की तस्करी तेजी से हो रही है। यहां गांजा व शराब अन्य स्थानों से लगातार बिकने आ रही है। इसके अलावार ग्रामीण क्षेत्रों में कच्ची शराब बनाने की खबर है। इसी कड़ी में जिला पुलिस ने बरगी, गोसलपुर, कटंगी और कुण्डम क्षेत्रों में शराब तस्करी पकड़ी है। जिसमें 4 आरोपी गिरफ्तार किये गये हैं। जिनसे बड़ी मात्रा व देशी व कच्ची शराब बरामद की गई है।

इस संबध में बरगी थाना प्रभारी मंगल सिंह धुर्वे ने बताया कि देर शाम क्राईम ब्रांच को सूचना मिली कि ग्राम मंगेली के पास एक व्यक्ति अधिक मात्रा में बेचने के लिये शराब रखे हुये है। जिसपर क्राईम ब्रांच एवं बरगी थाना की संयुक्त टीम ने ग्राम मंगेली में दबिश दी, जहां एक व्यक्ति बिना नम्बर की एक्सिस में आते दिखा, जो पुलिस को देखकर अपनी गाड़ी तेजी से चलाते हुये भागने लगा। जिसे पुलिस ने पकड़ लिया। युवक ने पूछताछ में अपना नाम सोनू उर्फ केशबीन कपूर उम्र 30 वर्ष निवासी बर्मन मोहल्ला गौरीघाट बताया। पुलिस ने जब युवक की तलाशी ली तो वह एक्सिस में रखे खाकी रंग के 4 कार्टून में 200 पाव तथा डिग्गी में 45 पाव देशी शराब रखे मिला। पुलिस ने आरोपी के कब्जे से कुल 245 पाव देशी शराब एवं एक्सिस जप्त करते हुये आरोपी के खिलाफ अपराध दर्ज कर लिया है।

कच्ची शराब बेचते युवक धराया

इसी प्रकार में गोसलपुर थाना प्रभारी प्रियंका केवट ने बताया कि रविवार को पुलिस को सूचना मिली कि पवन कुचबंदिया निवासी ग्राम धमकी का अपने घर के बाहर अधिक मात्रा में प्लास्टिक के डिब्बों में कच्ची शराब बेचने के लिए रखा है। सूचना मिलते ही पुलिस ने ग्राम धमकी में युवक के घर पर छापा मार दिया। जहां युवक युवक पुलिस को देखकर भागने लगा।

जिसे पकड़ा गया। पूछताछ में जिसने अपना नाम पवन कुचबंदिया उम्र 34 वर्ष निवासी ग्राम धमकी, गोसलपुर बताया। जिसकी तलाशी लेने पर पुलिस को पवन कुचबंदिया के घर की बाड़ी में चार प्लास्टिक के डिब्बों में 60 लीटर कच्ची शराब मिली। जिसे जप्त करते हुए पुलिस ने आरोपी के खिलाफ अपराध पंजीबद्ध कर लिया है।

कटंगी कच्ची शराब का तस्कर पकड़ा गया

कटंगी थाना प्रभारी पूजा उपाध्याय ने बताया कि रविवार को पुलिस को सूचना मिली कि वार्ड नम्बर 15 देवगवां मोहल्ला निवासी राजेन्द्र कुचबंधिया उर्फ लाजी अपने घर में भारी मात्रा में कच्ची शराब बेचने के लिये रखा है। पुलिस ने तत्काल सूचना पर देवगवां मोहल्ला में दबिश दी। जहां एक घर के खुले आंगन में एक युवक खड़ा दिखा। जिसे पुलिस ने पकड़ लिया। पूछताछ में जिसने अपना नाम राजेन्द्र कुचबंधिया उर्फ लाजी उम्र 35 वर्ष निवासी वार्ड नम्बर 15 देवगवां मोहल्ला कटंगी बताया। जो अपने घर के आंगन में परछी के नीचे प्लास्टिक के 4 कुप्पों में 60 लीटर कच्ची शराब रखे मिला। जिसे जप्त करते हुये पुलिस ने आरोपी के खिलाफ प्रकरण दर्ज किया है।

कुण्डम में आरोपी को दबोचा

इसी तारतम्य में कुण्डम थाना प्रभारी अनूप कुमार नामदेव ने बताया कि रविवार को पुलिस को सूचना मिली कि ग्राम खिरवा निवासी जयप्रकाश यादव कच्ची शराब प्लास्टिक के कुप्पों में रखे हुये बेचने के लिये जाने वाला है। सूचना के आधार पर पुलिस ग्राम खिरवा में दबिश दी। जहां एक युवक घर के आंगन में प्लास्टिक के चार कुप्पे रखे दिखा। जो पुलिस को देखकर भागने लगा। जिसे पुलिस समय रहते पकड़ लिया। पूछताछ में जिसने अपना नाम जयप्रकाश यादव उम्र 29 वर्ष निवासी ग्राम खिरवा बताया। जिसकी तलाशी लेने पर पुलिस को चारों कुप्पों में 56 लीटर कच्ची शराब भरी मिली। जिसे जप्त करते हुये आरोपी के खिलाफ अपराध दर्ज कर लिया गया है।

हाईकोर्ट ने जबलपुर में बन रहे सैटेलाइट सिटी और आईटी पार्क के समस्त राजस्व दस्तावेजों को तलब किया

जबलपुर,देशबन्धु। हाईकोर्ट ने जबलपुर में बन रहे सैटेलाइट सिटी और आईटी पार्क के समस्त राजस्व दस्तावेजों को तलब किया है। मध्य प्रदेश हाई कोर्ट द्वारा दर्ज की गई एक स्वत: संज्ञान याचिका पर सुनवाई करते हुए हाईकोर्ट के चीफ जस्टिस रवि मलिमथ एवं जस्टिस विशाल मिश्रा की खंडपीठ ने जमीन आवंटन की निर्धारित प्रक्रिया का पालन नहीं करने पर नोटिस जारी करते हुए दस्तावेजों की जानकारी मांगी है।

गौरतलब है कि बरगी हिल्स के समीप प्रदेश सरकार द्वारा आईटी पार्क और सैटेलाइट सिटी का निर्माण कराया जा रहा है जिसकी जमीन आवंटन की प्रक्रिया निर्धारित मापदंड के तहत पूरी नहीं की गई है, और आवंटन निरस्त करने की बात याचिका में उठाई गई है। दरअसल बरगी हिल्स स्थित नयागांव को-ऑपरेटिव हाउसिंग सोसायटी के अध्यक्ष रजत भार्गव की तरफ से एक याचिका पूर्व में दायर की गई थी जिसमें कहा गया था कि बरगी हिल्स का क्षेत्रफल लगभग 100 हेक्टेयर का है जहां तेंदुए और अन्य वन्य प्राणी भी देखे गए हैं। सरकार ने आईटी पार्क और आईटी सिटी स्थापित करने के लिए बरगी हिल्स में जो जमीन आवंटित की है वह पर्यावरण की दृष्टि से सही नहीं है । पूरे मसले पर सुनवाई के बाद हाईकोर्ट ने एक स्वत: संज्ञान याचिका दर्ज की थी और पर्यावरण की दृष्टि से इस पर जनहित को देखते हुए सुनवाई की प्रक्रिया को शुरू किया था । हाई कोर्ट में हुई सुनवाई के दौरान अधिवक्ता मित्र दिनेश उपाध्याय की ओर से कहा गया कि कलेक्टर की परमिशन से आईटी पार्क और सैटेलाइट सिटी के लिए जमीन का मद बदल गया है लेकिन उसके लिए निर्धारित प्रक्रिया का पालन नहीं किया गया। हाई कोर्ट ने पूरे मसले पर तल्ख लहजा अपनाते हुए समस्त दस्तावेजों को तलब किया है और अनावेदको को हिदायत दी है है कि अगर कानूनी रूप से जमीन हस्तांतरित करने की प्रक्रिया का पालन नहीं किया गया होगा तो यह आवंटन निरस्त हो सकता है।

काम के दौरान युवक के पेट में घुसी कम्प्रेशर की हवा, इलाज के दौरान मौत

जबलपुर, देशबन्धु। भेड़ाघाट थाना अंतर्गत ग्राम कंतोरा उजरोड के पास खण्डेवाल राईस मिल में गत दिवस काम के दौरान कम्प्रेशर मशीन से एक युवक के पेट में हवा चली गई। जिसके कारण वह बेहोश हो गया। उसे इस हालत में देख साथी कर्मचारियों ने अस्पताल में भर्ती कराया। जहां इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई।

जानकारी के अनुसार रविवार को स्वास्तिक अस्पताल से पुलिस को सूचना मिली कि संतोष पटैल उम्र 44 वर्ष निवासी ग्राम कंतोरा थाना भेड़ाघाट का शनिवार को 1:30 बजे उजरोड़ नहर के पास खण्डेलवाल राईस मिल थाना भेड़ाघाट कम्प्रेसर मशीन के द्वारा पेट मे हवा भर जाने से इलाज के लिये स्वास्तिक अस्पताल में भर्ती कराया था। जिसकी उपचार के दौरान रात लगभग 10 बजे मौत हो गयी। सूचना पर अस्पताल पहुंची ने पुलिस ने मर्ग कायम कर मामले को जांच में लिया है। पुलिस ने आसपास के लोगों से पूछताछ कर रही है।

ट्रेन में नगदी 5 लाख के साथ युवक पकड़ा गया, पूछताछ में जुटी पुलिस

जबलपुर,देशबन्धु। प्रदेश भर में चुनावी माहौल को देखते हुये जिला पुलिस, जीआरपी व आरपीएफ सक्रीय हैं। संदिग्ध व्यक्तियों को पकड़कर पूछताछ की जा रही है। जिला पुलिस जहां एक ओर संदिग्ध वाहनों का चैकिंग अभियान चला रही है, तो दूसरी ओर रेल पुलिस भी ट्रेनों में लूटपाट व चोरी की वारदातों को देखते नजरें बनाये हुये है। इसी कड़ी में पुलिस अधीक्षक रेल सिमाला प्रसाद के निर्देशानुसार अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक इसरार मंसूरी के मार्गदर्शन एवं उप पुलिस अधीक्षक लोकेश मार्को एव थाना प्रभारी शशि धुर्वे महोदय के दिशा निर्देश में रेलवे स्टेशन मदन महल में ट्रेन अप जनता एक्सप्रेस को चौकी प्रभारी राजेश राज व हमराह स्टाफ प्र. आर. हरस्वरूप शर्मा, विनोद तिवारी, आर. मनीष शर्मा, अमित उईके को लेकर चेक किया गया, जिसमें बिना दस्तावेज के पांच लाख रुपए लेकर जा रह एक व्यक्ति को पकड़ा है। पूछताछ में युवक रूपयों के संबंध में गोलमोल जवाब देता रहा। जिसके बाद रेलवे पुलिस ने उसे गिरफ्तार कर लिया है। फिलहाल पुलिस आरोपी से पूछताछ में जुटी है।

जॉय स्कूल में हंगामा, संचालक और टीचर पर प्रकरण दर्ज, बच्चे के साथ मारपीट और मां से अभद्रता

नाराज परिजनों ने स्कूल प्रबंधन का पुतला फूंका

जबलपुर, देशबन्धु। विजय नगर स्थित जॉय स्कूल एक बार फिर सुर्खियों में आ गया है। यहां सात साल के छात्र के साथ शिक्षक ने मारपीट कर दी। इससे अभिभावकों का गुस्सा फूट पड़ा। शनिवार की दोपहर को बच्चे के परिजन स्कूल पहुंचे और जमकर नारेबाजी करते हुए स्कूल प्रबंधन का पुतला फूंक दिया। इस दौरान मौके पर पहुंची पुलिस ने भी समझाने की कोशिश की, पर नाराज परिजन स्कूल प्रबंधन के खिलाफ प्रदर्शन करते रहे और मांग की है कि स्कूल की मान्यता समाप्त की जाए। विजय नगर थाना पुलिस ने परिजनों की शिकायत पर स्कूल संचालक और टीचर के खिलाफ मामला दर्ज किया है। जॉय सीनियर सेकंडरी स्कूल में सात साल के छात्र के साथ एक सप्ताह पहले इंग्लिश के शिक्षक ने मारपीट की थी। बच्चे के हाथों में चोट देख अगले दिन मां स्कूल पहुंची और पिटाई की वजह जानने की कोशिश की। इस पर शिक्षक ने अभद्रता की। बच्चे की मां ने जब इस पूरे मामले पर जॉय स्कूल संचालक से शिकायत की तो उल्टा स्कूल संचालक अखिलेश मेबन ने बच्चे की मां से दुर्व्यवहार करते हुए बाहर निकाल दिया। बच्चे की मां का कहना है कि पूरे स्कूल स्टाफ के सामने बच्चे की और मेरी बेइज्जती की गई। साथ ही धमकी दी गई कि अब तुम्हारे बच्चे का किसी भी स्कूल में एडमिशन नही होने देंगे। जॉय स्कूल प्रबंधन के द्वारा बच्चे और उसकी मां के साथ हुई अभद्रता की जानकारी जब समाज और अन्य परिजनों को लगी तो सभी लोग इकट्ठा होकर स्कूल के सामने पहुंचे और जमकर प्रदर्शन करते हुए स्कूल संचालक अखिलेश मेबन का पुतला फूंका।

पीड़ित बच्चे की दादी ने बताया कि करीब एक सप्ताह पहले नाती के साथ स्कूल के एक टीचर ने मारपीट की और उसकी बेइज्जती करते हुए सबके सामने एक घंटे तक बैंच पर खड़े रखा। शाम को जब बच्चे की मां को पता चला कि बेटे के साथ मारपीट हुई है तो अगले दिन बच्चे की मां और दादी स्कूल पहुंची। दादी नीलू दुबे ने बताया कि बहू और मैं जब स्कूल गए तो मुझे बाहर बैठा दिया। बहू अंदर ऑफ़िस में गई तो संचालक अखिलेश मेबन ने उसके साथ दुर्व्यवहार करते हुए धमकी दी कि तुम्हारे बेटे को हम नरक जिंदगी जीने को मजबूर कर देंगे।

मुरम की खदान में दो मासूमों की जल समाधि

बिलहरी के ग्राम करहिया में घटना से शोक की लहर

कटनी, देशबन्धु। बिलहरी चौकी के ग्राम करहिया में घर से खेलने के लिए निकले दो मासूम बच्चों की खदान में जल समाधि हो गई। घटना के बाद पूरा गांव शोक में डूबा हुआ है। सूचना मिलने पर पुलिस ने मौके पर पहुंचकर बच्चों के शवों को पंचनामा बाद पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है तथा मर्ग कायम करके जांच प्रारंभ कर दी गई है। घटना के संबंध में बिलहरी चौकी प्रभारी गोपाल विश्वकर्मा ने जानकारी दी कि रविवार को करहिया गांव निवासी आनंद पिता दलबहादुर वासुदेव (12) और कुलदीप पिता रवि (8) मतवारी गांव के

बाहर स्थित मुरूम की खदान में नहाने गए थे। बताया जाता है कि इस खदान में बारिश का पानी भरा हुआ था, लिहाजा इसका उपयोग गांव के लोग निस्तार के लिए करते हैं। बताया जाता है कि कुलदीप और रवि अवकाश का दिन होने के कारण इस खदान में नहाने के लिए पहुंच गए। यहां पर पता नहीं क्या हुआ कि दोनों बच्चे खदान में डूब गए। ऐसा माना जा रहा कि दोनों में से कोई एक बच्चा पानी में डूबने लगा होगा तो उसे बचाने के लिए दूसरा बच्चा भी पानी में उतरा होगा और दोनों गहरे पानी में समा गए होंगे। गहरे पानी में डूबने से दोनों मासूम बच्चों की जल समाधि हो गई। घटना की जानकारी मिलते ही खदान के पास गांव के लोग एकत्र हो गए। किसी को इस घटना पर विश्वास नहीं हो रहा था कि गांव के दो मासूम इस तरह से खदान में डूबकर मौत के मुंह में समा जाएंगे।

गंदे नाले के बाजू में अंतिम संस्कार करने लोग मजबूर

जबलपुर, देशबन्धु। शहर में आज फ्लाई ओवर, स्मार्ट सिटी बनाई जा रही है। लेकिन जनता मूलभूत सुविधाओं से वंचित हैं। इंसानियत को शर्मसार करने वाला एक मामला रिछाई 77 न वार्ड में रविवार को देखने आया। जहां एक नहीं यहां के हजारों परिवारों की आत्मीय भावनाओं को आजादी के बाद से आज तक अपने परिजनों के अंतिम संस्कार करने के लिए श्मशान नहीं मिल पाया है। संस्कारधानी कहलाने वाला जबलपुर शहर नगर निगम की उदासीनता का दंश आज भी झेल रहा है, कई सरकार आई गई, कई पार्षद बने पर किसी ने इस वार्ड की मूलभूत सुविधाओं को नहीं समझा। आखिर जनता से इस तरह का व्यवहार अमानवीय है। ईएसओ इंडिया ने इस स्थान पर जाकर निरीक्षण किया। जहां गंदे नाले के बाजू में दो पत्थरों के बीच परिजन अंतिम संस्कार करने मजबूर हैं। संगठन ने निगम प्रशासन को शिकायत करते हुए इस वार्ड में तत्काल वैकल्पिक व्यवस्था कराने के लिये मांग की है । ईएसओ इंडिया के राष्ट्रीय महामंत्री अक्षय वर्मा ने चेतावनी दी है कि जल्द से जल्द शमशान घाट का निर्माण नहीं कराया गया तो रिछाई वार्ड की जनता चुनाव का बहिष्कार भी करेगी।

नगर में सड़क दुर्घटनाओं का बढ़ा ग्राफ, रोजाना हो रहे हादसे

लोडिंग वाहन ने मोटर सायकिल को मारी टक्कर, दो घायल

जबलपुर, देशबन्धु। जिले में एक ओर पुलिस सड़क सुरक्षा सप्ताह, हेलमेट के लिये जनता को जागरूक कर रही है। वहीं दूसरी ओर शहर में हादसों को दौर जारी है। मझौली, बरेला और बरगी में सड़क हादसे में करीब आधा दर्जन लोग घायल हो गये। इसी कड़ी में मझौली थाना अंतर्गत चौकी इंद्राना में संदीप लोधी उम्र 42 वर्ष निवासी ग्राम कसाई थाना पनागर ने रिपोर्ट दर्ज कराई कि वह मजदूरी करता है। गत दिवस वह अपनी मोटर साइकिल क्रमांक एमपी 20 मैक्स 1459 में बाबूलाल कोल को पीछे बैठाकर पुट्टी रंगाई पुताई करने मझौली जा रहा था। वेयरहाउस के आगे ग्राम धनवाही के पास पहुंचा तभी लोडिंग पिकअप क्रमांक एमपी 20 जीबी 5169 का चालक तेज गति से चलाकर आया एवं पीछे से उसकी मोटर साइकिल में टक्कर मार दिया। जिससे वह एवं बाबूलाल दोनों मोटर साइकिल सहित गिर गए। उसे दाहिने पैर एवं बाबूलाल को कमर एवं गर्दन में चोट आई है। घायलों की रिपोर्ट पर पुलिस ने आरोपी के खिलाफ अपराध दर्ज कर लिया है।

रोड पार कर रहे युवक कार ने मारी टक्कर

इसी कड़ी में बरेला थाना में बीती रात रोशन सिंह उम्र 48 वर्ष निवासी महुआ खेड़ा, बटियागढ़ जिला दमोह ने रिपोर्ट दर्ज कराई की वह मजदूरी करता है। गत दिवस वह भतीजे महेंद्र सिंह, दोस्त जगदीश गौड़, मुकेश कुर्मी के साथ काशी महगवां से काम करके वापस बरेला आ रहे थे। शाम लगभग 7 बजे काशी महगवां बायपास रोड बरेला पार कर रहे थे, तभी शारदा मंदिर तरफ से आ रही कार क्रमांक एमपी 20 सी एच 6954 का चालक तेज गति से चलाते हुए आया एवं महेंद्र सिंह, जगदीश गौड़ एवं मुकेश कुर्मी जो पैदल रोड पार कर रहे थे को पीछे से टक्कर मार दिया। जिससे तीनों को हाथ, पैर एवं शरीर में चोटें आ गयी। कार का चालक टक्कर मार कर जबलपुर तरफ भाग गया। उसने तीनों घायलों को इलाज के लिये श्री शुभम अस्पताल में भर्ती कराया है। पीड़ित की रिपोर्ट पर पुलिस ने आरोपी के खिलाफ अपराध दर्ज कर उसकी तलाश शुरू कर दी है।

मझौली, बरेला, बरगी में सड़क हादसे में आधा दर्जन लोग घायल

कार व मोटर सायकिल में टक्कर

वहीं बरगी थाना में देर रात अभिनंदन केवट उम्र 29 वर्ष निवासी ग्राम गहरौली थाना तेंदूखेड़ा जिला दमोह वर्तमान पता सुहागी थाना अधारताल ने रिपोर्ट दर्ज कराई कि वह पेंट पुट्टी का काम करता है। गत दिवस वह अपनी मोटर साइकिल क्रमांक एमपी 34 एम ई 3360 से मन गुलाब बाई केवट और हाकम बेन को ग्राम कलादेही पांडा के पास लेकर गया था। जहां से वापस अपने घर जा रहे थे। शाम लगभग 7 बजे बरगी बाईपास हाईवे रोड पर पहुंचे, तभी पीछे से आ रही कार क्रमांक एमपी 15 सी बी 2243 का चालक तेज गति एवं लापरवाही पूर्वक चलाते हुए पीछे से उसकी मोटर साइकिल में टक्कर मार दिया। जिससे तीनों मोटर साइकिल सहित गिर गए। मां गुलाब बाई केवट एवं हाकम बेन के हाथ पैर में चोटें आई। दुर्घटना के बाद कार चालक भाग गया। उसने प्राइवेट वाहन से मां गुलाब बाई तथा हाकम बेन को उपचार के लिये होपबेल अस्पताल संजीवनी नगर में भर्ती कराया है। पीड़ित की रिपोर्ट पर पुलिस ने आरोपी कार चालक के खिलाफ अपराध दर्ज कर लिया है।

एक्टीवा सवार ने युवक को टक्कर मारी

इसी प्रकार थाना मझौली में रविवार दोपहर में सुनील यादव उम्र 40 वर्ष निवासी पिपरिया कला गौर नदी मण्डला रोड बरेला ने रिपोर्ट दर्ज कराई कि वह रविवार सुबह अपनी मोटर सायकिल में पीछे अपने साले मानक यादव को बैठाकर रिश्तेदारी में जा रहा था। रास्ते में कमानिया गेट से 100 मीटर पहले उसकी पहचान का सुरेश यादव मिल गया। मोटर सायकिल रोक कर किनारे खड़ी करके आपस में बातचीत कर रहे थे। तभी इंद्राना तरफ से आ रही काले रंग की एक्टिवा क्रमांक एमपी 20 यू ए 3482 का चालक तेज गति लापरवाही से चलाते हुये आया और मानक यादव को टक्कर मार दिया। जिससे मानक यादव के दाहिने पैर में चोट आ गयी। एक्टिवा चालक मझौली तरफ भाग गया। उसने मानक यादव को उपचार के लिये ग्रोवर अस्पताल में भर्ती कराया है। युवक की रिपोर्ट पर पुलिस ने अपराध दर्ज कर लिया है।

विकास कार्यो का महापौर अन्नू और विधायक घनघोरिया ने भूमिपूजन कर शुभारंभ कराया

जबलपुर, देशबन्धु। महापौर जगत बहादुर सिंह ''अन्नू'' और पूर्व विधानसभा क्षेत्र के विधायक लखन घनघोरिया ने लगभग 3 करोड़ रूपये के विकास कार्यो का भूमिपूजन कर नागरिकों को सौगात दी। इस संबंध में महापौर एवं विधायक ने जानकारी देते हुए बताया कि नायाब मुफ्ती आजम म.प्र. कदीर सोनी, भूरे पहलवान, आजम खान, पार्षद गुलाम हुसैन, अख्तर अंसारी, वकील अंसारी, मो. शफीक हीरा, मुकीमा याकूब अंसारी, पूर्व पार्षद कल्लन गुप्ता की उपस्थिति में 80 लाख रूपये की लागत से कब्रस्तान बाउंड्रीवाल निर्माण कार्य का भूमिपूजन किया गया। उन्होंने बताया कि मौलाना अब्दुल कलाम आजाद वार्ड में 83 लाख रूपये की लागत से 9 लाख लीटर क्षमता उच्चस्तरीय पानी टंकी निर्माण कार्य का भूमिपूजन किया। उन्होंने कहा कि अब क्षेत्र में पानी की समस्या नहीं होगी, क्षेत्रीय नागरिकों को दोनों समय भरपूर मात्रा में पेयजल मिलेगा। इसी प्रकार महापौर जगत बहादुर सिंह ''अन्नू'' ने 1 करोड़ 34 लाख रूपये की लागत से रद्दी चौकी से बिरसा मुण्डा चौक तक डामलीकरण कार्य का भूमिपूजन भी किया।

नथुने में रस्सी बांधकर ट्रक में क्रूरतापूर्ण ले जाए जा रहे थे गोवंश

चालक फरार, परिचालक को पुलिस ने लिया हिरासत में

गोसलपुर, देशबन्धु। क्रूरतापूर्ण तरीके से गोवंश के नथुने में रस्सी बांधकर मैहर से गोवंश को नागपुर ले जाते ट्रक को गोसलपुर पुलिस ने रविवार सुबह करीब डेढ़ किलोमीटर पीछा कर पकड़ा। इस दौरान ट्रक का चालक तो मौके से फरार हो गया लेकिन पुलिस ने परिचालक को हिरासत में ले लिया। पुलिस नेटवर्क से 26 गोवंश बाहर निकाले, जिसमें से एक गोवंश की मौत हो गई। पुलिस ने सभी गोवंश को सम्मेद गिरी स्थित गौशाला में भिजवाते हुए। ट्रक चालक के खिलाफ गोवंश प्रतिषेध अधिनियम 2004 की धारा 4-6-9, पशु क्रूरता अधिनियम की धारा 11 (घ) का प्रकरण दर्ज कर लिया है।

एसए अनिल मिश्रा ने बताया कि सुबह 6 बजे के लगभग मुखबिर से सूचना मिली की गोविंद से लदा ट्रक क्रमांक एमएच् 34 एव्ही 1205 कटनी से जबलपुर तरफ आ रहा है। ट्रक में गोवंश को क्रूरतापूर्ण तरीके से बांधकर काटने के लिए नागपुर ले जाया जा रहा है। सूचना पर पुलिस ने थाने के पास बैरीकेड्स लगाकर ट्रक का इंतजार किया। बैरीकेड तोड़कर भागा ट्रक का चालक, डेढ़ किलोमीटर दूर पड़ा सुबह करीब 6 बजे के लगभग बताए गए नंबर के आधार पर ट्रक जैसे ही गोसलपुर थाने के पास पहुंचा पुलिस ने उसे रोकने की कोशिश की, लेकिन ट्रक का चालक बैरिकेड तोड़कर भाग गया। पुलिस ने करीब डेढ़ किलोमीटर तक ट्रक का पीछा किया और गोसलपुर के पास ट्रक को पकड़ लिया। ट्रक का चालक तो मौके से फरार हो गया लेकिन पुलिस ने परिचालक संदीप गोखले

गोसलपुर पुलिस ने डेढ़ किलोमीटर पीछा कर पकड़ा वाहन

(28) निवासी नागपुर को दबोच लिया। पूछताछ में परिचालक ने बताया कि गोवंश को मैहर से खरीदा गया था और इसे नागपुर ले जाया जा रहा था। फिलहाल गोसलपुर पुलिस फरार चालक की तलाश में जुटी है।

अंग्रेजों के जमाने का बंजारी माता गांधीग्राम का पुल वाहन गुजरते ही कम्पन करता है

जंग खाकर जर्जर हो गई हैं लोहे की गाडरें

गांधीग्राम, देशबन्धु। जबलपुर-सिहोरा सड़क मार्ग पर गाँधीग्राम बंजारी माता के मंदिर के सामने राष्ट्रीय राजमार्ग 30 पहुंच मार्ग याने पुरानी एन एच 7 पर बना अंग्रेजों के जमाने का जीर्ण शीर्ण वर्षो पुराना पुल न केवल खतरे का सबब बना हुआ है अपितु अनचाहे दुर्घटनाओं को आमंत्रण दे रहा है। सबसे व्यस्तम मार्ग के पुल की वर्तमान हालात अधिकारियों की लापरवाही को उजागर करती है। पुल के निचले हिस्से में लगी गाडरें जंग खाकर गल चुकी हैं। गांधीग्राम वासियों का कहना है कि जब भी कोई ट्रक बस या यात्री वाहन स्कूल से हो जाती है तो पुल कंपन करने लगता है।कब, किस दिन पुल ढह जाए कोई भरोसा नहीं है। भारी वाहन निकलने पर चालक भी कुछ देर के लिए सहम जाते हैं।

जानकार बताते है कि सड़क निर्माण के अंग्रेजों के शासन काल में इसे बनाया गया था। तब से मरम्मत के नाम पर एक बार भी रेत सीमेंट की छपाई तक नहीं हुई। इस सकरे पुल से निकलने में लोगों को दुघर्टना होने का अंदेशा बना रहता है। बंजारी माता गाँधीग्राम पुल के सामने बने इस पुल का सही रखरखाव नहीं होने से यह जीर्णशीर्ण हालत में है। समय रहते इसकी मरम्मत का इंतजाम न हुआ तो निश्चित ही बड़ा हादसा होगा। अधिकारी चाहे तो खुद रुक इस पुल की जर्जर हालत का मुयायना कर लें।

पुल की गाडरें टूटी, ढांचे में आई दरार

नए पुल बनने की बाट जोह रहे इस पुल की गार्डरें जंग से गल चुकी है। गली हुई जंग लगी गाडरों के टुकड़े अब नदी में गिरने लगे हैं,जिस ढांचे पर पुल खड़ा है उसमें मोटी दरारे निकल आईं हैं। भारी वाहन गुजरते ही भयावह आवाज से लगता है जैसे पुल का कोई हिस्सा टूट गया है। वहीं आसपास कंपन बड़ी तेजी से होता है। शासन प्रशासन से क्षेत्र वासियों का आग्रह है कि पुल की यथा स्थिति की जांच कर कर नए पुल का निर्माण कराया जावे जिससे भविष्य में इसी प्रकार की बड़ी दुर्घटना को रोका जा सके।

सार-समाचार

एक करोड़ 17 लाख की लागत से हुआ विकास कार्यों का भूमिपूजन

बरेला, देशबन्धु। विधायक सुशील तिवारी द्वारा नगर परिषद बरेला के वार्ड क्रमांक 13 के ऐतिहासिक धरोहर खेरमाई मंदिर देवीतलैया का सौंदर्यीकरण लागत 01 करोड़ तथा वार्ड क्रमांक 12 आईएचएसडीपी कॉलोनी में बच्चों के मनोरंजन हेतु पार्क एवं ओपन जिम के निर्माण का भूमि पूजन किया गया। साथ ही वार्ड क्रमांक 11 में नवीन राशन की दुकान का शुभारंभ किया गया। इस कार्यक्रम में बरेला नगर परिषद अध्यक्ष प्रतीक दुबे, उपाध्यक्ष सोनम सोनू सोनकर,पार्षदगण श्रीकान्त उपाध्याय,ममता बर्मन,राजकुमार गोंटिया,दीपेश पटेल,दिव्या अरिहन्त जैन,पूर्व उपाध्यक्ष सोनू सोनकर, पूर्व पार्षद मुनि विश्वकर्मा, महेश चक्रवर्ती, चंदन पटेल जिला संयोजक खुशीलाल साहू, निकाय सीएमओ संजय कुमार पांडेय, उपयंत्री एस.के. गुप्ता, संजय कैथवास, निकाय के कर्मचारीगण एवं बड़ी संख्या में नगर गणमान्य नागरिक माताएं बहनें उपस्थित रहीं।

कमानिया गेट में फिर लगे पोस्टर

पनागर, देशबन्धु। नगर के हृदय स्थल कमानिया गेट में कुछ माह पूर्व रंग रोशन कर तिरंगा से पुताई करते हुए लाखों रुपए खर्च किए गए थे और उसमें विज्ञापन के पोस्टर फ्लेक्स बनाने लगवाना सब कर दिया गया था नगर पालिका प्रशासन द्वारा कढ़ाई करते हुए उसमें विज्ञापन पोस्टर सभी बंद कर दीजिए लेकिन कुछ दिनों से पुन लोग अपनी विज्ञापन की सामग्री, लगने लगे हैं जिससे उसकी सुंदरता में भी कमी आ रही पर आसपास गंदगी भी हो जाती है छतरी नगर कौन है क्षेत्रीय नागरिकों ने नगर पालिका प्रशासन से मांग की है श्री गिरी विज्ञापन पोस्टर इत्यादि प्रचार प्रसार सामग्री की कमानिया पर लगवाना बंद किया जाए जिससे नगर की ऐतिहासिक कमानिया गेट के आसपास गंदगी ना हो सके।

स्ट्रीट स्नेह स्कूल के छात्र-छात्राओं को स्मृति चिन्ह देकर किया सम्मानित

जबलपुर, देशबन्धु। युवा सेवा संगठन जबलपुर द्वारा आयोजित स्नेह स्ट्रीट स्कूल सरसवाही वीरनेर पनागर मे एक वृहद कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में युवा सेवा संगठन के प्रांतीय अध्यक्ष सुमित भाई यादव के साथ कार्यक्रम मे मुख्य अतिथि के रूप मे अखिल भारत वर्षीय यादव महासभा जिला अध्यक्ष रामकुमार यादव बड्डु, कार्यक्रम अध्यक्षता यादव महासभा शहर अध्यक्ष मनोज यादव की भी उपस्थिति रही । इस दौरान उन्होंने उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले बच्चो को मेडल पहनाया,स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया कार्यक्रम का सुभारम्भ पौधरोपण करके पर्यावरण को बचाने का सन्देश दिया गया इस दौरान कार्यक्रम में एस बी निषाद, शुभम कुशवाहा, अनिल यादव, विक्की सेन, नितिन यादव, राकेश यादव, पिंटू कुशवाहा, गोलू राज कुशवाहा, अर्चना यादव, रजनी कुशवाहा उपस्थित रहे।

जंगल में मिट्टी का उत्खनन कर रही जेसीबी जब्त

फरार होने के प्रयास में विभाग की बोलेरो क्षतिग्रस्त

उमरिया, देशबन्धु। कौड़ियां से दूर वन क्षेत्र में मिट्टी का

उत्खनन कर रही जेसीबी मशीन को वन अमले ने जप्त किया है,इस मामले में वन अमले के कार्यवाही के दौरान जेसीबी ऑपरेटर मौके से फरार होने का प्रयास कर रहा था।इस दौरान जेसीबी ऑपरेटर ग्राम कौड़ियां के रिहायशी क्षेत्र में बेख़ौफ़ जेसीबी दौड़ा रहा था।संजोग से इस दौरान कोई घटना नही घटी,हालांकि बाद में जेसीबी विभाग की बोलेरो से टकरा गई,और बोलेरो बुरी तरह क्षतिग्रस्त हुई है,बाद में ऑपरेटर भी मौके से फरार बताया जा रहा है।सूत्रों की माने तो जेसीबी में अंकित रजिस्टर्ड नम्बर के हिसाब से जेसीबी जबलपुर की बताई जा रही है।उक्त पूरी कार्यवाही वन विभाग रेंजर रवि पांडेय की अगुवाई में (रेगुलर और वन विकास निगम) के टीम द्वारा की गई है।फिलहाल जेसीबी मशीन को वन विकास निगम के अधिकारी जपत कर दूसरे जेसीबी ऑपरेटर की मदद से मुख्य कार्यालय उमरिया ला रहे है।इस पूरे घटना की जानकारी चंदिया पुलिस को भी दी गई है।

सिहोरा जिला विरोधियों को सबक सिखाने मतदान करें सिहोरावासी

सिहोरा, देशबन्धु। पिछले दो वर्षो मे अनेक लोकतांत्रिक तरीको का प्रयोग कर सिहोरा वासियों ने सिहोरा जिला की जनभावना को सामने रखने का प्रयास किया परंतु सिहोरा भाजपा संगठन,सिहोरा विधायक और जबलपुर सांसद ने कोई तवज्जो नहीं दी।हम सिहोरा वासियों से अपील करते है कि अब वह ऐसे सिहोरा विरोधियों को सबक सिखाने के लिए विधानसभा चुनाव में अपने मत का प्रयोग करे।यह बात लक्ष्य जिला सिहोरा आंदोलन समिति ने रविवार को सिहोरा में आयोजित पत्रकार वार्ता में कही।

दो वर्ष के आंदोलन का ब्योरा रखा- समिति के विकास दुबे ने पत्रकार वार्ता के प्रारंभ में 3 अक्टूबर 2021 से लेकर वर्तमान तक लक्ष्य जिला सिहोरा आंदोलन समिति द्वारा किए गए आंदोलन का विस्तृत विवरण पेश किया जिसमें उन्होंने विशेष रूप से दो बार खून के दीए जलाने, अपने खून से महामहिम राज्यपाल और मुख्यमंत्री को पत्र लिखने, सामूहिक मुंडन कराने, विशाल रैली एवं बंद करने,अर्धनग्न प्रदर्शन करने और मशाल जुलूस जैसे आयोजनों का विवरण प्रस्तुत किया।

भाजपा ने नहीं दिया साथ -समिति के सुशील जैन ने पत्रकार वार्ता में कहा कि समिति द्वारा सदैव भाजपा संगठन सिहोरा विधायक नंदनी मरावी और सांसद राकेश सिंह का सहयोग लेकर सिहोरा जिला पाने का प्रयास किया गया। लेकिन सिहोरा भाजपा संगठन और विधायक सांसद के द्वारा किसी भी स्तर

-सिहोरा से असहयोग वालों को अब सहयोग नहीं
-लक्ष्य जिला सिहोरा आंदोलन समिति की पत्रकारवार्ता

पर किसी भी प्रकार का सहयोग नहीं किया गया। भाजपा संगठन द्वारा तो सिहोरा जिला की बैठकों तक का बहिष्कार किया गया है ।विधायक सांसद जैसे जिम्मेदार जनप्रतिनिधि होते हुए भी एक पत्र भी मुख्यमंत्री को लिखना उचित नहीं समझा।अपने इस व्यवहार से भारतीय जनता पार्टी ने यह स्पष्ट कर दिया है कि उसकी एजेंडे में सिहोरा जिला नहीं है।हम दावे से कहते है की भाजपा सिहोरा जिला विरोधी पार्टी है।

जिला विरोधियों को वोट की चोट और असहयोग -समिति के कृष्ण कुमार कुररिया ने कहा कि अब जबकि सारे चेहरे बेनकाब हो चुके हैं हम आने वाले चुनाव में सिहोरा वासियों से अपील करेंगे कि वह सिहोरा जिला के विरोधियों को अपने वोट की ताकत से सबक सिखाएं ।हम सिहोरा वासियों से अपील करेंगे कि वह भाजपा के विरोध में मतदान करें और सिहोरा को जिला बनाने वाली शक्तियों की समर्थन में अपने मताधिकार का प्रयोग करें। समिति के संतोष पांडे ने कहा कि सिहोरा ने सदैव अपने पड़ोसी क्षेत्रों मझौली और बहोरीबंद को अपना हिस्सा मानकर जिला की मांग की है परंतु इन दोनों ही क्षेत्रों के विधायकों ने सिहोरा जिला के समर्थन में कोई कदम नहीं उठाया है।

इन दोनों ही क्षेत्र के विधानसभा चुनाव में सिहोरा वासियों की महत्वपूर्ण भूमिका रहती है ।लक्ष्य जिला सिहोरा आंदोलन समिति ने सभी सिहोरा वासियों से आगामी चुनाव में इन दोनों ही क्षेत्र में सहयोग करने का आग्रह किया है।

आंदोलन का स्वरूप बदला पर जारी रहेगा आंदोलन- लक्ष्य जिला सिहोरा आंदोलन समिति के ऋषभ द्विवेदी ने कहा कि चूंकि आचार संहिता लग रही है इसलिए प्रत्यक्ष रूप से आंदोलन नहीं किया जा सकता है।आज से हम अपने आंदोलन का स्वरूप बदल रहे हैं अब हम प्रत्येक घर-घर में संपर्क करके जनता को उसके वोट की ताकत का एहसास करा कर उसे सिहोरा के सम्मान की रक्षा के लिए मतदान करने का आग्रह करेंगे। और एक बार पुनः नई सरकार के गठन के साथ ही यह आंदोलन प्रत्यक्ष रूप में इसी रूप में प्रारंभ होगा। कल हुई पत्रकार वार्ता में समिति के अनिल जैन, रामजी शुक्ला,रमाशंकर चौरसिया, संतोष वर्मा, नवीन शुक्ला, प्रदीप दुबे, सुधीर अवस्थी, अमित बक्शी, अजय विश्वकर्मा सहित अनेक समिति सदस्य मौजूद रहे।

नागरिक उपभोक्ता मंच ने की पत्रकारवार्ता

नागरिक उपभोक्ता मंच ने 5000 से अधिक पोस्टकार्ड प्रेषित कर जनभावना से कराया अवगत

सिहोरा, देशबन्धु। सिहोरा के अस्तित्व एंव जनभावना की प्रदेश सरकार द्वारा की जा रही लगातार उपेक्षा से व्यथित नागरिक उपभोक्ता मार्गदर्शक मंच ने जन सामान्य की आवाहन पर पोस्टकार्ड लिखकर केंद्र सरकार एवं सत्ताधारी दल के प्रमुखों को सिहोरा नगर वासियों की भावना से अवगत कराया।

विगत कई वर्षों से उपेक्षा का शिकार सिहोरा में जिला सिहोरा की मांग को लेकर नागरिक उपभोक्ता मार्गदर्शन मंच के आवाहन पर प्रेस वार्ता आयोजित कर अपनी बात को रखते हुये बताया कि सिहोरा जिले की मांग बरसों पुरानी है एवं विगत दो वर्षों से लगातार आंदोलन कर जिले की मांग की जा रही है किंतु स्थानीय जनप्रतिनिधि जनभावना को प्रदेश सरकार के समक्ष प्रस्तुत नहीं कर पाये जिसके चलते नगर वासियों की मांग अधूरी बनी हुई है। जन सामान्य ने नागरिक उपभोक्ता मार्गदर्शक मंच के माध्यम से पोस्टकार्ड के द्वारा भारत सरकार, गृहमंत्री अमित शाह भारतीय जनता पार्टी राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा एवं प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को पत्र व्यवहार के द्वारा सिहोरा जिले के विषय की जानकारी से अवगत कराया गया।मंच के द्वारा जिला नही तो बीजेपी को वोट नही का भी मुद्दा उठाया गया। इस दौरान नितेश उर्फ मोनू खारया,संतोष वर्मा,ओम प्रकाश पटेल,जितेंद्र श्रीवास आदि उपस्थित रहे ।

मोरकुंड तालाब में नहाने पहुंचे व्यक्ति की डूबने से मौत, गोताखोर की मदद से शव को निकाला

गुढ़ी अम्बाड़ा, देशबन्धु। पुलिस चौकी अंबाड़ा क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले ग्राम मोरकुंड में बने हुए मंगलझीरी तालाब में नहाने गए एक व्यक्ति की पानी में डूबने से मौत हो गई पुलिस के द्वारा स्थानीय लोगों की मदद से शव निकालने का प्रयास किया गया लेकिन सफलता नहीं मिली तब जिले की गोताखोर टीम को बुलाया गया तब कहीं जाकर शव को तालाब से बाहर निकाला गया एवं मर्ग कायम कर शव कों पी.एम. के लिए पहुंचाया गया एवं मामले को जांच में लिया गया।

अंबाड़ा चौकी प्रभारी मिथुन ओसारी से मिली जानकारी के अनुसार जामुनबर्रा निवासी अशोक यादव पिता रामाधार यादव उम्र 44 वर्ष एक दिन पूर्व अपने साढ़ू के यहां मोरकुंड गया हुआ था वहां रविवार की सुबह 11. 00 बजे के करीब पास ही बने मंगलझीरी तालाब में नहाने पहुंचा और डूब गया जिससे उसकी मौत हो गई। इस कार्रवाई के दौरान अंबाड़ा चौकी प्रभारी मिथुन ओसारी, आरक्षक योगेश जांगले, दिलीप मालवीय के अलावा जिले की एस.डी.आर.एफ. गोताखोर की टीम मौजूद रही। शव का पंचनामा और पोस्ट मार्टम कराया गया इसके उपरांत शव को अंतिम किया के लिए परिजनों को सौप दिया है। बता दें कि कोयलाचंल क्षेत्र में बंद खदानों और डेमों में इस तरह की कई घटनाऐं पूर्व में भी हो चुकी है लेकिन लोग घटना के बाद भी सचेत नहीं हो रहे है।

40 किलोग्राम अवैध गांजा के साथ उडीसा के दो तस्कर गिरफ्तार

करेली/नरसिंहपुर, देशबन्धु। पुलिस अधीक्षक अमित कुमार के निर्देशन में आपरेशन प्रहार के तहत थाना करेली पुलिस को बड़ी सफलता मिली है। लगभग 8 लाख रूपये कीमत की 40 किलोग्राम अवैध गांजा सहित उडीसा के दो तस्कर गिरफ्तार किए गए। दिनांक 7.10.2023 को मुखबिर से सूचना प्राप्त हुई कि दो व्यक्ति एनएच 44 स्थित रांकई रोड पर बने ओव्हर ब्रिज के नीचे अवैध गांजा लेकर आने वाले है जो किसी ग्राहक को बेचने की फिराक में है। सूचना प्राप्त होते ही मुखबिर के बताए स्थान की घेराबंदी की गयी दौरान घेराबंदी मुखबिर के बताए अनुसार हुलिया के दो व्यक्ति दिखे जो अपने कब्जे में भरी हुयी प्लास्टिक की दो बोरियां रखे हुए थे जिन्होने पुलिस टीम को देखकर भागने का प्रयास किया गया जिन्हे हिकमत अमली के साथ पुलिस टीम द्वारा घेराबंदी कर रोका जाकर गिरफ्त में लिया गया। अवैध गांजे की तस्करी में लिप्त दोनों आरोपी उडीसा के निवासी है, जो उडीसा से बेचने लेकर आये थे । अवैध गांजे की तस्करी में लिप्त आरोपियों को गिरफ्त में लेने के उपरान्त पुलिस टीम द्वारा नाम पूछे जाने पर शिशुकांत पारीछा पिता राजकिशोर पारीछा, उम्र 29 साल निवासी ग्राम अंतरवा, थाना उडवा, जिला गजापति, उडीसा एवं दूसरे का नाम संतोष नायक पिता कमिल नायक, उम्र 36 साल, निवासी ग्राम डिंगासर्गी, थाना मोहना, जिला गजापति, उडीसा होना बताया गया। दोनों आरोपियों की तलाशी लेने पर उनके संयुक्त कब्जे से दो प्लास्टिक की बोरी में 8 लाख मूल्य का 40 किलोग्राम अवैध गांजा जप्त करने में सफलता प्राप्त हुयी। अवैध गांजे की तस्करी में लिप्त आरोपियों के विरूद्ध थाना करेली में अपराध क्रमांक 920/223 धारा 8, 20 (ड्ड) (द्बद्ब) एनडीपीएस एक्ट कायम किया गया है।

दो हाथी राजेंद्रग्राम के पिपरहा और तीन हाथी छग मरवाही के गुल्लीडांड जंगल में कर रहे विश्राम

रात में खेतों में धान की फसल को बनाया आहार, वन अमला निगरानी में लगा

अनूपपुर, देशबन्धु। जिले में निरंतर विचरण कर रहे पांच हाथियों का समूह 25 सितंबर की रात दो भागों में बट कर निरंतर अलग-अलग क्षेत्रों में विचरण कर रहे हैं।

जिसमें से तीन हाथियों का समूह वन परिक्षेत्र जैतहरी को पार कर छग के मरवाही गुल्लीडांड के जंगल में विश्राम कर रहे हैं। वहीं दो हाथियों का समूह राजेंद्रग्राम के गढीदादर के जंगल में के आसपास धान की फसलों को अपना आहार बनाते हुए रविवार की सुबह पिपरहा बीट के डाकियाटोला में खेतों में लगी धान एवं को आहार बनाया हैं। हाथियों के समूह

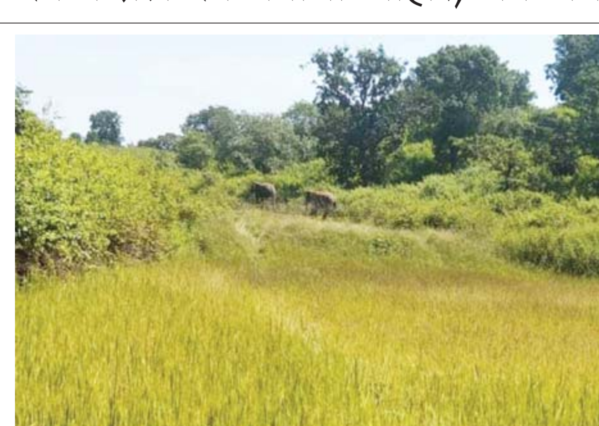

पर वन विभाग का मैदानी अमला निरंतर निगरानी कर रहा है तथा ग्रामीणों को हाथियों के समूह से दूर रहने तथा गांव से बाहर व जंगल के मध्य अलग-अलग बने कच्चे एवं पक्के मकान में रहने वाले ग्रामीणों को बीच गांव के आबादी वाले क्षेत्र में रहने की सलाह दे रहे हैं।

इस दौरान वन परिक्षेत्र अधिकारी राजेंद्रग्राम शिवम कोष्टी, उपवन क्षेत्रपाल अशोक कुमार निगम, कल्याण सिंह मार्को, कुंवर सिंह सोर्ठे, वन्यजीव संरक्षक अनूपपुर शशिधर अग्रवाल के साथ विभिन्न बीटो के वनरक्षक, सुरक्षा श्रमिक संबंधित ग्राम पंचायत के सरपंच एवं जनप्रतिनिधि इस दौरान उपस्थित रहकर हाथियों पर निगरानी बनाए हुए हैं। ग्रामीणों द्वारा हाथियों के समूह द्वारा किए जा रहे फसल हानि नुकसान पर संबंधित पटवारी से शीघ्रता से आंकलन कराकर मुआवजा दिलाए जाने की मांग की गई है।

पापुआ न्यू गिनी में भूकंप के तेज झटके महसूस किए गए

पोर्ट मोरेस्बी। दक्षिण पश्चिम प्रशांत महासागर क्षेत्र में द्वीपों का एक समूह देश पापुआ न्यू गिनी के मदांग के 63 किलोमीटर एसएसई में शनिवार को भूकंप के तेज झटके महसूस किए गए। रिक्टर पैमाने पर भूकंप की तीव्रता 7.0 मापी गई। अमेरिकी भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण ने यह जानकारी दी। भूकंप आज सुबह आठ बजकर 34 मिनट पर आया था। अभी तक किसी के हताहत होने की सूचना नहीं है। भूकंप का केंद्र 5.70 डिग्री दक्षिण अक्षांश और 146.10 डिग्री पूर्वी देशांतर पर सतह से 72.0 किमी की गहराई में स्थित था।

इजरायल और हमास के बीच युद्ध में हिजबुल्लाह की एंट्री

लगातार बमवर्षा से खतरनाक हुई जंग

कम से कम 500 लोग मारे गए

तेलअवीव। हमास के हवाई हमलों के जवाब में इजरायली सैनिकों ने रविवार को इजरायल के दक्षिण की सड़कों पर हमास लड़ाकों से लड़ाई तेज कर दी है। इस बीच उत्तर में इजरायल को आतंकी संगठन हिजबुल्लाह के रूप नई चुनौती मिली है। लेबनान के हिजबुल्लाह आतंकवादी समूह के साथ इजरायली सैनिकों की लड़ाई की खबर मिली है।

हिजबुल्लाह के लड़ाकों ने तेल अवीव पर हवाई हमले किए हैं। हालांकि इसके जवाब में इजरायल ने गाजा में इमारतों को नष्ट कर दिया है। गाजा से हमास के अप्रत्याशित हमले के एक दिन बाद हिजबुल्लाह के लड़ाई में शामिल होने से इस युद्ध को और खतरनाक बना दिया है। हजारों रॉकेटों की मदद से हमास के लड़ाकों ने शनिवार तड़के गाजा से इजराइल में जबरदस्त बमवर्षा की।

सरकारी आंकड़े के मुताबिक, 300 से ज्यादा इजरायली मारे जा चुके हैं। जबकि, हमास के आतंकियों ने महिलाओं, बच्चों और बुजुर्गों सहित हजारों लोगों को बंदी बना लिया है। जबकि इजराइल के जवाबी हमलों ने गाजा में इमारतों को जमींदोज कर दिया। प्रधान मंत्री नेतन्याहू ने कहा कि देश युद्ध में आ चुका है। इज़रायली मीडिया ने बचाव सेवा अधिकारियों का हवाला देते हुए कहा कि 26 सैनिकों की मौत हो चुकी है।

दोनों देशों के बीच छिड़ी जंग में नागरिकों ने दोनों तरफ से भारी कीमत चुकाई है। गाजा में 300 से अधिक लोग मारे गए हैं, जबकि इजरायली सेना की चेतावनी के बाद निवासी इजरायली हमलों से बचने के लिए सीमा के पास के घरों से भाग गए और क्षेत्र के अंदर चले गए। इज़राइल में, टीवी समाचारों ने बंदी या लापता इज़राइलियों के रिश्तेदारों के खातों की एक सीरीज प्रसारित की, जो अपने प्रियजनों के बारे में परेशान हैं और सहायता की गुहार लगा रहे हैं। दोनों देशों की तरफ से कम से कम 500 लोग मारे जा चुके हैं। इज़राइल और गाजा के हमास आतंकियों के बीच लड़ाई में लेबनान का आतंकी संगठन हिजबुल्लाह भी कूद गया है। उसने रविवार को गाजा पर किए इजरायली अटैक के जवाब में तेल अवीव पर बमवर्षा की है। हिजबुल्लाह इजराइल का कट्टर दुश्मन है, इसे ईरान का समर्थन

प्राप्त है और अनुमान है कि उसके पास हजारों रॉकेट हैं। हिजबुल्लाह ने सीरिया के गोलान हाइट्स के साथ सीमा पर एक विवादित क्षेत्र में इजरायली ठिकानों पर हमला किया है। जवाब में इजरायल की सेना ने विवादित क्षेत्र में हिजबुल्लाह के ठिकानों पर सशस्त्र ड्रोन हमलों के साथ जवाब दिया। यहां इजरायल, लेबनान और सीरिया की सीमाएं मिलती हैं।

मनोज सिन्हा वॉकथॉन को दिखाई हरी झंडी

श्रीनगर। जम्मू-कश्मीर के उपराज्यपाल मनोज सिन्हा ने पुलिस गोल्फ कोर्स से निशात बाग, श्रीनगर तक वन्यजीव सप्ताह 2023 के एक भाग के रूप में वॉकथॉन 'वॉक फॉर वाइल्ड लाइफ' को शनिवार को हरी झंडी दिखाई। वन्यजीव संरक्षण पर जागरूकता फैलाने के लिए वन्यजीव संरक्षण विभाग द्वारा आयोजित पांच किमी लंबे वॉकथॉन में प्रमुख नागरिकों, वन्यजीव संरक्षण और इको क्लब के सदस्यों, स्वयंसेवकों, एनसीसी कैडेटों, छात्रों ने बड़ी संख्या में भाग लिया। उपराज्यपाल ने वन्यजीव संरक्षण, अद्वितीय व समृद्ध पारिस्थितिक विरासत की सुरक्षा एवं आर्थिक विकास को आगे बढ़ाने तथा सही संतुलन बनाकर पर्यावरण को संरक्षित करने के लिए जम्मू-कश्मीर प्रशासन की प्रतिबद्धता की पुष्टि की।

मध्य प्रदेश के दौरे पर आएंगे राहुल व प्रियंका

भोपाल। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता राहुल गांधी और महासचिव प्रियंका गांधी वाड्रा विधानसभा चुनाव के मद्देनजर अगले सप्ताह मध्य प्रदेश की यात्रा पर रहेंगे। प्रदेश कांग्रेस के मीडिया विभाग के अध्यक्ष के के मिश्रा ने यहां बताया कि गांधी 10 अक्टूबर को शहडोल जिले के ब्यौहारी में जनसभा को संबोधित करेंगे। इस अवसर पर प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष कमलनाथ और अन्य वरिष्ठ नेता भी मौजूद रहेंगे। सभा दोपहर में होगी। उन्होंने कहा कि इसके अलावा प्रियंका गांधी वाड्रा 12 अक्टूबर को आदिवासी बहुल मंडला में जनसभा को संबोधित करेंगी।

नीतीश ने एशियन खेलों में शानदार प्रदर्शन पर दी बधाई

पटना। बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने एशियन गेम्स 2023 में भारत के शानदार प्रदर्शन करने और पहली बार 100 से अधिक पदक जीतने पर भारतीय खिलाड़ियों को बधाई एवं शुभकामनाएं दी हैं। कुमार ने शनिवार को अपने शुभकामना संदेश में कहा कि एशियन गेम्स में भाग ले रहे भारत के सभी खिलाड़ी इस ऐतिहासिक उपलब्धि के लिए बधाई के पात्र हैं। सभी खिलाड़ियों ने अपनी बेहतरीन प्रतिभा का प्रदर्शन कर यह उपलब्धि हासिल की है। सभी देशवासी इस महत्वपूर्ण उपलब्धि पर गौरवान्वित महसूस कर रहे हैं।

शहीद सरोज को दिया गया गार्ड ऑफ ऑनर

भुवनेश्वर। सिक्किम बाढ़ में शहीद हुए ओडिशा के जवान सरोज कुमार दास के पार्थिव शरीर को यहां बीजू पटनायक अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डा पहुंचा, जहां उन्हें गार्ड ऑफ ऑनर दिया गया। ओडिशा के राज्यपाल प्रोफेसर गणेशी लाल द्वारा शहीद को श्रद्धांजलि देने के बाद गार्ड ऑफ ऑनर दिया गया। मुख्यमंत्री नवीन पटनायक ने भी हवाई अड्डे पर शहीद दास को श्रद्धांजलि अर्पित की। ओडिशा के कार्य मंत्री प्रफुल्ल मल्लिक, ढेंकनाल के सांसद महेश साहू, केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ), सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) के वरिष्ठ अधिकारी, सेवानिवृत्त सेना के जवान और विभिन्न राजनीतिक दलों के कई नेताओं ने भी हवाई अड्डे पर शहीद को श्रद्धांजलि दी। इस मौके पर शहीद दास के बड़े भाई और पिता भी हवाई अड्डे पर मौजूद थे। शहीद दास 2012 में सेना में शामिल हुए थे और पिछले फरवरी में उनकी शादी हुई थी। वह अपने 23 सहयोगियों के साथ बुधवार को दक्षिण सिक्किम में ल्होनक के ऊपर बादल फटने के कारण तीस्ता नदी में आई विनाशकारी बाढ़ के बाद लापता पाए गए थे।

बाज नहीं आया पाकिस्तान, आतंकी हमास को दिया समर्थन, दुनिया इजरायल के साथ

नई दिल्ली। हमास की ओर से इजराइल पर किए गए हमले के बाद इजराइल और फिलिस्तीन के बीच युद्ध छिड़ गया है। भारत, अमेरिका, फ्रांस, रूस, यूक्रेन, इंग्लैंड सहित दुनिया के लगभग सभी देशों ने इजरायल को अपना समर्थन दिया है। ऐसे समय में भी पाकिस्तान अपनी हरकतों से बाज नहीं आया है। उसने आतंकवादी गुट हमास को अपना समर्थन दिया है। साथ ही उसने शत्रुता समाप्त करने का आह्वान किया है। ऐसा करने वाला वह इकलौता देश नहीं है। अफगानिस्तान में जारी तालीबानी शासन ने भी पाकिस्तान जैसा ही रुख अपनाया है।

पाकिस्तान के विदेश मंत्रालय की ओर से जारी बयान में कहा गया कि हम अंतरराष्ट्रीय समुदाय से शत्रुता को खत्म करने, नागरिकों की सुरक्षा और मध्य पूर्व में स्थायी शांति के लिए एक साथ आने का आह्वान करते हैं। बयान में आगे कहा गया है कि पाकिस्तान ने लगातार मध्य पूर्व में स्थायी शांति स्थापित करने की वकालत की है। उधर, तालिबान शासित अफगानिस्तान का विदेश मंत्रालय भी फिलिस्तीन के समर्थन में आया। अफगानिस्तान के विदेश मंत्रालय ने दावा किया कि यह हमला इजरायल द्वारा फिलिस्तीनियों के अधिकारों को रौंदने जैसा है।

घटना के लिए इजराइल जिम्मेदार : कतर– कतर ने भी इस घटना के लिए इज़राइल को जिम्मेदार ठहराया है। कतर के विदेश मंत्रालय ने एक बयान जारी कर अंतरराष्ट्रीय समुदाय से इजराइल पर तत्काल कार्रवाई के लिए कहा है।

तत्काल बंद होनी चाहिए हिंसा: संयुक्त राष्ट्र– संयुक्त राष्ट्र के उच्चायुक्त वोल्कर तुर्क ने कहा है कि इजरायल पर हमास का हमला चिंता का विषय है। दोनों के बीच रही हिंसा तत्काल बंद होनी चाहिए। मैं पूरी तरह से अचंभित हूं की फिलिस्तीनी लड़ाकों ने हजारों मिसाइल इजरायल पर दागी है। इजरायल के स्थानीय लोगों को बंधक बनाए जाने की खबर निराशाजनक है।

इजरायल ने भारत को धन्यवाद दिया

हमास द्वारा किए गए हमलों के बाद समर्थन के लिए इज़रायल ने भारत को धन्यवाद दिया है। सोशल मीडिया मंच एक्स पर भारत इज़रायल के साथ है ट्रेंड कर रहा है। इजरायल के विदेश मंत्रालय की डिजिटल डिप्लोमेसी टीम द्वारा प्रबंधित एक्स पर अपने आधिकारिक अकाउंट पर, इजराइल ने कहा, धन्यवाद भारत। एक तस्वीर भी साझा की गई है। एक्स पर पीएम मोदी के बयान के जवाब में, भारत में इजरायल के राजदूत नाओर गिलोन ने कहा, धन्यवाद। इजरायल की जीत होगी।

बहना सुखी, भैया दुखी

भद्रा में बहना ने भाई को राखी बांध दी तभी से बहना सुखी और भैया दुखी हो गए।मामा की घोषणाओं नेआग में घी का काम किया,बहना हो गई सरकारी योजना का गहना। बहना,अब सरकारी हो गई, उसकी, सरकार गज़ब की चिंता कर रही।ऐसा लगता है कि पहले इस धरा पर बहना थी ही नहीं, मंगल ग्रह से अभी अभी उतरी है और पूरी सरकार उसकी सेवा में लगी है। लाड़ली बहना के रूप में मामा को ब्रह्मास्त्र मिल गया,इससे वे विरोधियों को कुचल डालेंगे। सिर काट डालेंगे। बहना के नाम पर इतनी घोषणा हो गई कि अब उनकी जानकारी देने के लिए अलग से एक विभाग बनाना पड़ेगा।बहना का गर्भ में शुभ आगमन होते ही गोद भराई , नौ महीने तक सुपोषण आहार, अन्नप्राशन, स्कूल फीस, ड्रेस, साइकिल, छात्रावास, स्कॉलरशिप,स्कूटी, लैपटॉप और अब हर महीने नगद राशि, रियायती गैस सिलेंडर,मुफ्त आवास, यह सब देख भाई के कान से धुवां निकल रहा है। अब नारी शक्ति। वंदन विधेयक द्वारा लोकसभा और विधान सभा में महिला आरक्षण बिल पास हो गया है। हालत यह है की बहुत सी सरकारी योजना की हितग्राही बहना के पीछे मुहल्ले के बेरोजगार लड़के शादी के लिए लगे हैं ।

यदि आप सरकारी दफ्तर में जाएं,तो आपको बाबू नहीं मिलते,ऐसे ही आप किसी घर जाएंगे तो पता चला बहना लोकसभा, विधान सभा, नगर निगम, नगर पालिका में विचाराधीन विधेयक पर। बहस करने गई है। वहां पर बहस पूरी न होने से अब घर में बहस कर रही है । वे जमाने लद गए जब महिलाएं घर गृहस्थी, बाल बच्चे सम्हलती थीं,अब तो वे पार्टी और

मतदाता को सम्हालने के टूल्स बनी हैं।

जब से चुनावी सुन गुन चालू हुई है,मुफ्त सरकारी योजनाओं की झड़ी लगी है। पहले राजा राजकोष भरने का सोचते थे,आज खाली करने पर जोर है।राजा के दरबार में रोज जाति आधारित पंचायतें हो रही हैं। बोर्ड का गठन हो रहा,ताकतवर को मंत्री का दर्जा दे वोट का खेला हो रहा। सब कुछ लुटा दो, चुनाव जिता दो, एक मात्र मूल मंत्र पर काम हो रहा। मामा, जो अपनी मेहनत की कमाई राजकोष में टैक्स के रूप में जमा करते हैं कभी उनसे भी तो पूंछ लो।

ये मुफ्त हराम खोरी की योजनाएं आदमी को नकारा, कामचोर, आलसी बना रहीं हैं। गांव में खेती किसानी के लिए मजदूर नहीं मिल रहे, शहर में रेट इतने हाई कि लोग काम कराने की हिम्मत नहीं कर रहे। मगर आपकी हिम्मत की दाद देना पड़ेगी महिनों से अखबारों में फुल पेज के फोटो वाले विज्ञापन छपवा रहे है। आज एक पार्टी जन आशीर्वाद यात्रा तो दूसरी जनाक्रोश यात्रा निकाल रही ।सत्ता का चरित्र बच्चा बच्चा जानता है । नूरा कुश्ती बंद करो। मिलकर दोनों राज करो।

लाड़ली बहना गरीब है, फकीर हैं, बेसहारा है न जाने ऐसे कितने प्रमाण पत्र सरकारी पैसा पाने के लिए लगाए,बहना को सरकार पर रत्ती भर भरोसा नहीं, खाते में जमा पैसा तत्काल निकाल रहीं,पता नहीं कब सरकारी कृपा आना बंद हो जाए। मतदाता को लुभाने प्रलोभनों की दुकान खुल गईं हैं, इन पर उच्च न्यायालय, सर्वोच्च न्यायालय,चुनाव आयोग कब तालाबंदी करेगा।

नारी शक्ति की बात होती जरूर है किंतु राजनीति में निर्वाचित नारी अपनी शक्ति/पावर/ पति को दे देती है,तभी तो सरपंच पति, पार्षद पति, अध्यक्ष पति, विधायक पति आदि नाम से पति की पहिचान होती है। टिकट और चुनाव के चक्कर में बहन जी चली गईं भोपाल, गांव की सूनी पड़ी चोपाल। शासकीय आवास योजना के तहत प्राप्त मकान पर ताला लगा देख बहनोई के सीने पर सांप लोट गया। उसे कुछ करना पड़ेगा, शासकीय सुविधा पाने योनि परिवर्तन कैसा रहेगा ।

बयान यूएनएचसीआर व आईओएम पाकिस्तान की सहायता करने के लिए तैयार

अफगान शरणार्थियों के पंजीकरण में पाकिस्तान की मदद करेंगी

इस्लामाबाद, (एजेंसियां)। शरणार्थियों के लिए संयुक्त राष्ट्र उच्चायुक्त (यूएनएचसीआर) और अंतर्राष्ट्रीय प्रवासन संगठन (आईओएम) ने कहा कि वे अफगान नागरिकों का पंजीकरण और प्रबंधन में पाकिस्तान की सहायता करने के लिए तैयार हैं। यह जानकारी डॉन ने एजेंसियों के हवाले से शनिवार को दी। यह बयान पाकिस्तान में रहने वाले अवैध प्रवासियों के खिलाफ सरकार की कार्रवाई के बीच आया है। इस सप्ताह की शुरुआत में, पाक सरकार ने अफगान नागरिकों सहित बिना दस्तावेज वाले सभी प्रवासियों को 31 अक्टूबर तक

■ अवैध प्रवासियों के खिलाफ सरकार की कार्रवाई के बीच आया बयान

पाकिस्तान छोड़ने का अल्टीमेटम जारी किया, अन्यथा उन्हें कारावास और अपने संबंधित देशों में निर्वासन का जोखिम उठाना पड़ सकता है। यह निर्णय प्रधानमंत्री अनवारुल हक काकर की अध्यक्षता वाली शीर्ष समिति की बैठक में लिया गया जिसमें सेना प्रमुख जनरल असीम मुनीर समेत अन्य वरिष्ठ अधिकारी शामिल हुए। समिति ने निर्णय लिया कि सीमा पार आवागमन के लिए पासपोर्ट और वीजा अनिवार्य होगा, जबकि इलेक्ट्रॉनिक अफगान पहचानपत्र (या ई-तज़्किरा) केवल 31 अक्टूबर तक स्वीकार किए जाएंगे। समय सीमा की समाप्ति के बाद, अधिकारी आप्रवासियों की अवैध संपत्तियों और उनके स्वामित्व वाले व्यवसायों या पाकिस्तानी नागरिकों के सहयोग से चलाए जा रहे व्यवसायों को लक्षित करने के लिए एक अभियान शुरू करेंगे। अफगान तालिबान के प्रवक्ता जबीहुल्ला मुजाहिद ने पाकिस्तान के इस निर्णय को अस्वीकार्य करार दिया और अधिकारियों से नीति पर फिर से विचार करने का आग्रह किया।

संयुक्त राष्ट्र की दोनों एजेंसियों ने आज एक संयुक्त बयान में कहा कि पाकिस्तान के साथ उनका दीर्घकालिक और मजबूत सहयोग रहा है और वे अफगान नागरिकों का पंजीकरण और प्रबंधन के लिए एक व्यापक और स्थायी तंत्र विकसित करने में पाकिस्तान की सहायता करने के लिए तैयार हैं, जिनमें वे लोग भी शामिल हैं जिन्हें अंतरराष्ट्रीय सुरक्षा की आवश्यकता हो सकती है। यूएनएचसीआर और आईओएम ने कहा कि वे पाकिस्तान से अपील करते हैं कि वह उन सभी कमजोर अफगानों को सुरक्षा प्रदान करना जारी रखे, जिन्होंने देश में सुरक्षा की मांग की है और अगर उन्हें लौटने के लिए मजबूर किया जाता है तो उन्हें आसन्न खतरा हो सकता है। संयुक्त राष्ट्र की एजेंसियों ने सभी देशों से आग्रह किया कि अफगान नागरिकों की जबरन वापसी को निलंबित करें और यह सुनिश्चित करें।

आज का इतिहास

1876 – पहली बार टेलीफ़ोन पर आउट वायर के जरिए दो तरफा बातचीत हुई थी।
1947 में चलती हुई कार और प्लेन में बैठे दो लोगों ने बातचीत की ।
1959 में ऑटोरिक्शा और प्लेन में चलते हुए लोगों ने बात की।
1962 – अफ्रीकी देश युगांडा गणतंत्र बना।
1967 – अर्जेंटीना के प्रसिद्ध मार्क्सवादी क्रांतिकारी चे ग्वेरा की हत्या।
1997 – इटली के अभिनेता और लेखक डारियो फो को साहित्य का नोबल पुरस्कार दिया गया।
1998 – पाकिस्तान की नेशनल असेंबली ने इस्लामी शरीयत क़ानून को देश के सर्वाच्च क़ानून के रूप में अनुमोदित किया।
2002 – वर्ष 2002 का भौतिकी का नोबेल पुरस्कार अमेरिका के रैमण्ड डेविस और जापान के कोषिबा को संयुक्त रूप से देने की घोषणा की गई।
2005 – यूरोपीय उपग्रह क्रायोसेट का प्रक्षेपण विफल।

सुडोकू 6341

					5	6		
	3		9		7		4	5
	2				6	8		7
		2		4	9			
		7				3		
			7	6		5		
2		5	6				8	
1	4		8		3		5	
		3	2					

: नियम :

1. कुल 81 (9×9) वर्ग हैं, जिसमें 9 (3×3) वर्गों का एक खंड (ब्लॉक) बनता है।
2. हर खाली वर्ग में 1 से 9 के बीच का कोई एक अंक भर सकते हैं।
3. बाएं से दाएं और ऊपर से नीचे के प्रत्येक कॉलम,कतार और खंड में 1 से 9 अंक में से किसी भी अंक का इस्तेमाल एक बार ही कर सकते हैं।

हल आज ही के अंक में

वर्ग पहेली 6341

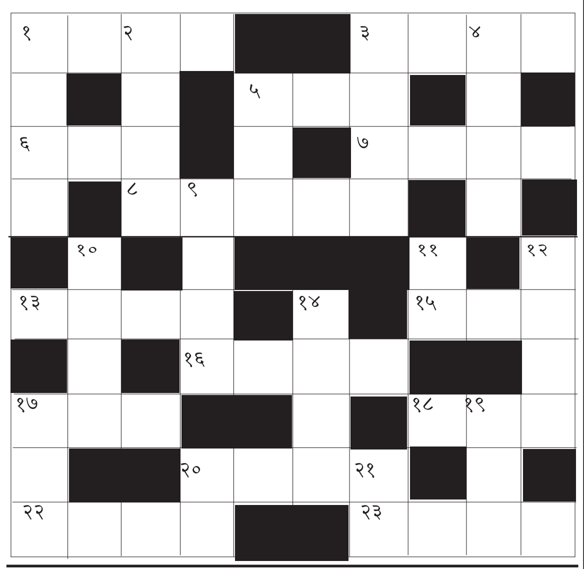

बायें से दायें:-

१. अनुशंसा (उर्दू)
३. कोंपल, नवपल्लव
५.गर्भ (उर्दू)
६. रसीला
७. किसी पद पर बने रहने या काम करने का समय
८. पक्षपात (उर्दू)
१३. अच्छा-बुरा
१५. हिंसक पशु (उर्दू)
१६. तकलीफ, झंझट (उर्दू)
१७. भेद, फर्क, फासला
१८. अनुचर, नौकर, खिदमतगार
२०. देखने योग्य
२२. पथिक, बटोली (उर्दू)
२३. ओस (उर्दू)

ऊपर से नीचे:-

१. राजनीति (उर्दू)
२. रईस की हुकूमत, छोटा राज्य (उर्दू)
३. बच्चों या बंदरों के मुंह से निकलने वाली एक तरह की आवाज
४. प्रतिपक्षी को लड़ने के लिए दी जाने वाली चुनौती
५. शपथ (उर्दू)
९. श्रृंगार रस, पारा
१०. विदेश (उर्दू)
११. स्वयं, निज (उर्दू)
१२. चीरने वाला धारा के मध्य में स्थित वृक्ष या चट्टान
१४. आय (उर्दू)
१७. अंधकार
१९. वाणी, वाद्य
२०. द्वार, दरवाजा
२१. कीर्ति

वर्ग पहेली-6340

युसुफ कुरैशी, मो. 8109948408

खेल जगत

नीदरलैंड के खिलाफ विलियमसन बाहर, फर्ग्यूसन-साउथी के फिट होने की संभावना

हैदराबाद। न्यूजीलैंड के कप्तान केन विलियमसन सोमवार को नीदरलैंड के खिलाफ विश्व कप-2023 मैच में नहीं खेलेंगे। विश्व कप-2023 के छठे मैच में न्यूजीलैंड का सामना नीदरलैंड से सोमवार को होगा। इससे पहले, न्यूजीलैंड के कोच गैरी स्टीड ने जो अपडेट दिया है वो शायद न्यूजीलैंड क्रिकेट फैंस को निराश कर सकता है। टीम के नियमित कप्तान केन विलियमसन नीदरलैंड के खिलाफ मैच में भी नहीं खेलेंगे। कोच ने कहा, केन बहुत अच्छी प्रगति कर रहे हैं। हालांकि, मुझे लगता है कि फील्डिंग के दौरान उन्हें थोड़ी दिक्कत आ सकती है। मगर वह जल्द प्लेइंग-11 का हिस्सा होंगे। 33 वर्षीय विलियमसन इंग्लैंड के खिलाफ शुरुआती मैच में अनुपस्थित थे और अब 13 अक्टूबर को चेन्नई में बांग्लादेश के खिलाफ न्यूजीलैंड के तीसरे मैच के दौरान वापसी करने का लक्ष्य बना रहे हैं। जहां विलियमसन पूरी फिटनेस हासिल करने के लिए काम कर रहे हैं।

जडेजा-कुलदीप ने स्पिन का जाल बुन कर ऑस्ट्रेलिया को 199 रन समेटा

- ऑस्ट्रेलिया का एक भी बल्लेबाज अर्द्धशतक तक नहीं जड़ पाया
- भारत को जीत के लिए मिला 200 रन का लक्ष्य

■ सत्येन्द्र पाल सिंह

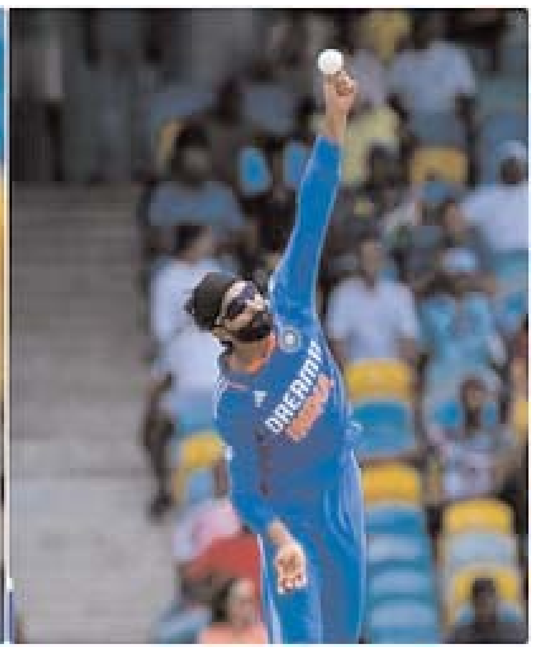

नई दिल्ली। बाएं हाथ के लेग स्पिनर रवींद्र जडेजा (3/28), लेग स्पिनर कुलदीप यादव (2/42) और ऑफ स्पिनर रविचंद्रन अश्विन (1/34) की त्रिमूर्ति द्वारा मिल कर बुने स्पिन के जाल तथा अनुभवी तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह (2/35) की गेंद से रफ्तार के साथ दिखाई धार की बदौलत मेजबान भारत ने पांच बार चैंपियन रहे ऑस्ट्रेलिया को आईसीसी वन क्रिकेट विश्व कप के अपने पहले मैच में रविवार को चेन्नै में 49.3 ओवर में 199 रन पर समेट दिया। भारतीय गेंदबाजों ने गेंदबाजी इकाई के रूप में चेपॉक की पिच पर बेहतरीन प्रदर्श किया।

चेन्नै सुपर किंग्स के लिए आईपीएल में लंबे समय खेलने वाले रवींद्र जडेजा ने अपने दूसरे घर' चेन्नै के चेपॉक मैदान पर उम्मीदों के मुताबिक प्रदर्शन किया। रवींद्र जडेजा ने तीनों विकेट 21 से 30 वें ओवर के बीच चटकाए। ऑस्ट्रेलिया का एक भी बल्लेबाज अर्द्धशतक तक नहीं जड़ पाया और उसके लिए गेंदबाजी करने वाले सभी छहों गेंदबाजों ने विकेट चटकाए। ऑस्ट्रेलिया के लिए स्टीव स्मिथ ((46 रन, 71 गेंद, पांच चौके) और सलामी बल्लेबाज डेविड वॉर्नर (41 रन, 52 गेंद, छह चौके) अर्द्धशतक तक पहुंचे। भारत हार्दिक पांडया (1/28) ने एडम जम्पा (6) को मिड ऑफ पर विराट कोहली के हाथों कैच करा पहली कामयाबी पाई और ऑस्ट्रेलिया का स्कोर 9 विकेट पर 189 कर दिया। मोहम्मद सिराज ने अपने सातवें और पारी के 50 वें व अंतिम ओवर की तीसरी गेंद पर मिचेल स्टार्क (28 रन, 35 गेंद, एक छक्का और दो चौके) श्रेयस अय्यर के हाथों कैच कर ऑस्ट्रेलिया की पारी समेटी। ऑस्ट्रेलिया के लिए पारी का पहला छक्का कुलदीप यादव के दसवें और पारी के 40 वें ओवर में कप्तान पैट कमिंस ने डीप स्क्वॉयर लेग के उपर से उड़ा कर लगाया हालांकि अगली ही गेंद को कमिंस ने कट करने की कोशिश लेकिन पहली स्लिप में कप्तान रोहित शर्मा इसे लपकने से चूक गए। ऑस्ट्रेलिया के लिए पारी का दूसरा छक्का मिचेल स्टार्क ने जसप्रीत बुमराह के आखिरी और पारी के 47 ओवर में उनकी गेंद को लॉन्ग ऑन के उपर से उड़ा लगाया।

भारत की स्पिन त्रिमूर्ति -जडेजा, कुलदीप यादव और ऑफ स्पिनर रविचंद्रन अश्विन के साथ अनुभवी तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह और मोहम्मद सिराज की तारीफ करनी होगी कि जिन्होंने शुरू से रफ्तार के साथ धार भी दिखा सही वक्त पर विकेट चटकाए ही उसके बल्लेबाजों को स्ट्राइक %रोटेट' करने और एक-एक और दो रन भी नहीं दौडऩे दिए। रवींद्र जडेजा ने सबसे पहले अपने पांचवें ओवर में जम कर खेल रहे स्टीव स्मिथ और अगले ओवर में मरनस लबुशेन(27 रन,41 गेंद, एक चौका) और अलेक्स कैरी (0) को आउट कर ऑस्ट्रेलिया के तीन विकेट मात्र 9 रन पर निकाल कर बीच के ओवर में ऑस्ट्रेलिया की पारी ऐसी बिखेरी की वह संभल ही नहीं पाई। बाएं हाथ के लेग स्पिनर कुलदीप यादव ने अपने पहले स्पैल में जम कर खेल रहे डेविड वॉर्नर को अपनी ही गेंद लपका और अपने दूसरे स्पैल में खतरनाक ऑलराउंडर ग्लेन मैक्सवेल ((15) को बोल्ड कर ऑस्ट्रेलिया का स्कोर छह विकेट पर 140 कर उसकी संघर्ष की रही सही उम्मीद भी खत्म कर दी।

भारत के बाएं हाथ के लेग स्पिनर कुलदीप यादव, रवींद्र जडेजा और अनुभवी रविचंद्रन अश्विन ने बीच के ओवर में स्पिन का ऐसा जाल बुना की ऑस्ट्रेलिया के डेविड वॉर्नर और स्टीव स्मिथ जैसे स्पिन के माहिर बल्लेबाज भी उसमें उलझ कर रह गए। कुलदीप ने सही वक्त पर डेविड वॉर्नर को रवींद्र जडेजा ने स्टीव स्मिथ को आउट कर ऑस्ट्रेलिया को बीच के ओवर में पूरी तरह बांध दिया। डेविड वॉर्नर ने पारी के 17 और कुलदीप यादव के तीसरे ओवर की तीसरी गेंद को टर्न के लिए खेले और गेंद ऑफ स्टंप पर गिर बाहर की ओर निकली और उसे ड्राइव करने की कोशिश की और गेंद उनके बल्ले की जद को लेकर उछली और खुद कुलदीप ने कैच लपक उनकी और स्मिथ की खतरनाक होती दूसरे विकेट की 68 रन की भागीदारी को तोड़ा। बाएं हाथ के स्पिनर रवींद्र जडेजा ने ड्रिंक ब्रेक के बाद लंगर डाल कर खेल रहे स्पिन के माहिर स्टीव स्मिथ को बोल्ड कर ऑस्ट्रेलिया का स्कोर तीन विकेट पर 28 वें ओवर में 110 कर दिया। जडेजा की यह गेंद मिडल ऑफ स्टंप पर पड़ तेजी से घूमी और स्मिथ का ऑफ स्टंप उड़ा ले गई और इस पर वह हैरान से अपना विकेट और गिल्लियां उड़ते देख रह गए। जडेजा ने अपनी पहली कामयाबी अपने पांचवें ओवर में हासिल की। स्मिथ ने आउट होने से पहले लबुशेन के साथ तीसरे विकेट के लिए 36 रन की भागीदारी की। जडेजा की गेंद ऑफ स्टंप पर गिर कर जरा घूमी और लबुशेन ने इसे स्वीप करने की कोशिश की और गेंद उनके बल्ले का हल्का सा किनारा लेकर विकेटकीपर केएल राहुल के हाथों में जा पहुंची और ऑस्ट्रेलिया ने चौथा विकेट 119 रन पर खोया। जडेजा ने दो गेंद बाद ही अलेक्स कैरी(0) एलबीडब्ल्यू आउट घोषित किया। ऑस्ट्रेलिया 30 ओवर में पांच विकेट 119 रन पर गंवा कर गहरे संकट में फंस गया। बाएं हाथ के लेग स्पिनर कुलदीप यादव के दूसरे स्पैल में उनकी गेंद को बैकफुट पर जाकर कट करने की कोशिश में ग्लेन मैक्सवेल(15 रन, 25 गेंद, एक चौका) बोल्ड हो गए और ऑस्ट्रेलिया ने छठा विकेट 140 रन पर खो दिया। ऑस्ट्रेलिया अगले ओवर में अपने स्कोर बिना कोई रन जोड़े कैमरून ग्रीन (8) का भी विकेट गंवा दिया। चेन्नै में अपने घरेलू मैदान पर खेल रहे अनुभवी ऑफ स्पिनर रविचंद्रन अश्विन ने कैमरून ग्रीन (8) को बैकवर्ड पाइंट पर उपकप्तान हार्दिक पांडया के हाथों कैच कराया।

40 साल बाद मुंबई में होगा आईओसी सत्र

नई दिल्ली। देश की आर्थिक राजधानी मुंबई 15 से 17 अक्तूबर तक अंतरराष्ट्रीय ओलंपिक समिति (आईओसी) के 141वें सत्र की मेजबानी करेगी। इसे ओलंपिक खेलों को भारत लाने के प्रयासों से जोड़ कर देखा जा रहा है।

आईओसी सत्र, ओलंपिक खेलों पर निर्णय लेने वाली सर्वोच्च बॉडी है। जिसमें ओलंपिक चार्टर को अपनाना या संशोधित करना, आईओसी सदस्यों और पदाधिकारियों का चुनाव करना और ओलंपिक के मेजबान शहर का चुनाव शामिल है। जैसे क्रिकेट को ओलंपिक में शामिल किए जाने की चर्चा जोरों पर है और अगर इसे 2028 के लॉस एंजिल्स ओलंपिक खेलों में शामिल करने का फैसला होता है, तो इसकी घोषणा मुंबई के आईओसी सत्र में ही होगी। इस सत्र के दौरान भारत आने वाली दुनिया की जानी मानी खेल हस्तियों में इंटरनेशनल ओलंपिक कमेटी के प्रेसिडेंट थॉमस बाख, फुटबॉल की दुनिया की सबसे बड़ी संस्था, फीफा के प्रेसिडेंट जियानी इन्फैनटिनो, इंटरनेशनल एसोसिएशन ऑफ एथलेटिक्स फेडरेशन के प्रेसिडेंट सेबस्टियन को, मोनाको के राजकुमार अल्बर्ट द्वितीय और पोल वॉल्ट चैंपियन येलेना इसिनबायेवा इस लिस्ट में शामिल हैं। पिछले वर्ष फरवरी में नीता अंबानी जब बीजिंग में ओलंपिक सत्र की मेजबानी के लिए बिडिंग कर रही थी तब किसी ने भी नहीं सोचा था कि भारत के पक्ष में इतनी जबर्दस्त वोटिंग होगी। इस वोटिंग में कुल 76 वोटों में से 75 भारत को मिले।

आईओसी की पहली भारतीय निजी महिला सदस्य नीता अंबानी ने कहा था, खेल हमेशा दुनिया भर के लाखों लोगों के लिए आशा और प्रेरणा का प्रतीक रहा है। हम आज दुनिया के सबसे युवा देशों में से एक हैं और मैं भारत के युवाओं को ओलंपिक के जादू रूबरू कराने को लेकर बेहद उत्साहित हूं। आने वाले वर्षों में भारत में ओलंपिक खेलों की मेजबानी करना हमारा सपना है!

इससे पहले 1983 में नयी दिल्ली ने आईओसी सत्र के 86वें संस्करण की मेजबानी की थी। ओलंपिक भारत आए, इसकी उम्मीद में खिलाड़ियों की कई पुश्तें बीत गईं, लेकिन ओलंपिक भारत में आयोजित नहीं हो सका। वजह थी कि ओलंपिक कमेटी में भारत के लिए आवाज उठाने वाला कोई निजी सदस्य नहीं था। छह वर्ष पहले नीता अंबानी आईओसी की पहली भारतीय निजी महिला सदस्य बनीं। उनकी मेहनत रंग लाई और 141वें आईओसी सत्र की मेजबानी भारत को सौंप दी गई। नीता अंबानी भारत के खेल जगत कि तस्वीर बदल रहीं हैं। आज दो करोड़ 15 लाख से अधिक युवा खिलाड़ी उनकी खेल योजनाओं से जुड़े हैं। खेल जगत में की गई उनकी अनोखी पहल का फायदा एशियाई खेलों में देखने को मिला। एशियाई खेलों में पदक जीतने वाले खिलाड़ियों में से 10 फीसद से अधिक रिलायंस फाउंडेशन से जुड़े हैं।

पेनल्टी कॉर्नर में फ्लॉप शो भारतीय महिला हॉकी टीम के लिए बनी मुसीबत

हांगझोऊ। भारतीय महिला हॉकी टीम हांगझोऊ में 19वें एशियाई खेलों से कांस्य पदक लेकर स्वदेश लौटी। इसके बाद पेनल्टी कॉर्नर में टीम की नाकामी और कमजोरी की चर्चा तेज हो गई है। टीम न केवल बड़ी संख्या में अर्जित पेनल्टी कॉर्नर को गोल में बदलने में विफल रही, बल्कि उसने पेनल्टी कॉर्नर के माध्यम से कुछ गोल भी खाए। एशियाई खेलों में खेले गए छह मैचों में, भारत ने 69 पेनल्टी कॉर्नर अर्जित किए और 23.18 प्रतिशत की सफलता दर के साथ उनमें से 16 को गोल में बदलने में सफल रही। कुल मिलाकर भारत ने हांगझोऊ में खेले गए छह मैचों में 35 गोल किए। जिनमें से 17 फील्ड गोल, 16 पेनल्टी कॉर्नर के माध्यम से और दो पेनल्टी शॉर्ट के जरिए।

इसकी तुलना में स्वर्ण पदक विजेता चीन ने 77 पेनल्टी कॉर्नर अर्जित किए और उनमें से 20 को लगभग 26 प्रतिशत की थोड़ी बेहतर सफलता दर के लिए परिवर्तित किया। भारत के लिए मेजबान चीन के खिलाफ सेमीफाइनल में समस्या और बढ़ गई जब उसने छह पेनल्टी कॉर्नर अर्जित किए लेकिन किसी को भी भुना नहीं सका।

जापान के खिलाफ कांस्य पदक मैच में भारत को केवल एक के मुकाबले 11 पेनल्टी कॉर्नर मिले। भारतीय महिला टीम के मुख्य कोच जेनेके शॉपमैन ने स्वीकार किया कि पेनल्टी कॉर्नर को गोल में न बदलना चिंता का विषय है, लेकिन उन्होंने कहा कि महिलाओं की हॉकी में भारतीयों की सफलता अंतर्राष्ट्रीय स्तर से ज्यादा दूर नहीं है। भारतीय महिला हॉकी टीम 19वें एशियाई खेलों में स्वर्ण पदक जीतने और अगले साल पेरिस में होने वाले ओलंपिक खेलों में जगह बनाने की बड़ी उम्मीदों के साथ पहुंची थी। हालांकि, खिलाड़ियों के सपने साकार नहीं हुए और उन्हें कांस्य पदक के साथ घर लौटना पड़ा।

दीप ग्रेस एक्का के लिए 50 लाख रुपये नकद पुरस्कार का ऐलान

भुवनेश्वर। ओडिशा के मुख्यमंत्री नवीन पटनायक ने रविवार को चीन के हांगझोऊ में 19वें एशियाई खेलों में कांस्य पदक जीतने वाली भारतीय महिला हॉकी टीम की सदस्य और हॉकी स्टार दीप ग्रेस एक्का को 50 लाख रुपये के नकद पुरस्कार की घोषणा की। मुख्यमंत्री ने एक्का के उल्लेखनीय प्रदर्शन को स्वीकार करते हुए उन्हें राज्य के युवाओं के लिए रोल मॉडल बताते हुए हार्दिक बधाई दी।

पटनायक ने रविवार को कहा, दीप ग्रेस एक्का देश में महत्वाकांक्षी एथलीटों के लिए आशा और गर्व का प्रतीक बन गई हैं। दीप ने कुछ आश्चर्यजनक प्रदर्शनों के साथ अपनी दृढ़ता साबित की है और मुझे यकीन है कि वह भारत को गौरवान्वित करना जारी रखेगी और दृढ़ता और उत्कृष्टता की भावना का प्रदर्शन करेगी, जो वह प्रदर्शित कर रही है। सुंदरगढ़ जिले के लुलकिडीही गांव की रहने वाली 28 वर्षीय हॉकी स्टार ने 2011 में अर्जेंटीना में चार देशों के टूर्नामेंट के दौरान अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर पदार्पण किया था। उन्होंने 250 अंतर्राष्ट्रीय कैप पूरे कर लिए हैं। वह रियो ओलंपिक खेलों में हिस्सा लेने वाली भारतीय टीम का हिस्सा थीं। वह उस टीम का भी अभिन्न हिस्सा थीं, जिसने महिला एशिया कप 2013 में कांस्य पदक, 2016 एशियाई चैंपियंस ट्रॉफी में स्वर्ण, 2017 में एशिया कप में स्वर्ण, 2018 में एशियाई चैंपियंस ट्रॉफी में रजत, 18वें एशियाई खेलों में रजत पदक, जकार्ता-पालेमबांग और बर्मिंघम 2022 राष्ट्रमंडल खेलों में कांस्य पदक जीता था। शीर्ष डिफेंडर ने 2022 में स्पेन में उद्घाटन एफआईएच महिला राष्ट्र कप में भारत की स्वर्ण पदक जीत में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

बीडब्ल्यूएफ विश्व जूनियर चैंपियनशिप में आयुष शेट्टी ने जीता कांस्य

स्पोकेन (अमेरिका)। बीडब्ल्यूएफ विश्व जूनियर चैंपियनशिप में आयुष शेट्टी ने अपना अभियान और शानदार प्रदर्शन रविवार को कांस्य पदक के साथ समाप्त किया।

एक करीबी मुकाबले में आयुष का सामना टूर्नामेंट के चौथे वरीय इंडोनेशिया के अल्वी फरहान से हुआ। पहले गेम में भारतीय और उनके प्रतिद्वंद्वी के बीच कड़ा मुकाबला देखने को मिला और स्कोर 16-16 से बराबर रहा। हालांकि, अंतिम क्षणों में उनके प्रतिद्वंद्वी ने बढ़त हासिल कर ली और आयुष 18-21 के स्कोर के साथ गेम हार गए। आयुष बीडब्ल्यूएफ विश्व जूनियर चैंपियनशिप में पदक जीतने वाले 10वें भारतीय और ऐसा करने वाले 8वें पुरुष एकल शटलर बने।

भारत ने प्रतियोगिता में 11 पदक जीते हैं, जिसमें साइना नेहवाल ने क्रमश: 2006 और 2008 में रजत और स्वर्ण पदक का योगदान दिया था। भारत के एस शंकर मुथुसामी सुब्रमण्यम ने 2022 में स्पेन में आयोजित विश्व जूनियर चैंपियनशिप के पिछले संस्करण में पुरुष एकल में रजत पदक जीता था।

ऑस्ट्रेलिया ने वेस्टइंडीज को आठ विकेट हराया

ब्रिस्बेन। तीन एकदिवसीय मैचों की श्रृंखला के पहले मैच में रविवार को ऑस्ट्रेलिया की महिला क्रिकेट टीम ने वेस्टइंडीज की महिला टीम को रिकार्ड 83 रनों पर ढ़ेर करने के बाद एकतरफा अंदाज में 14.5 ओवरों में दो विकेट के नुकसान पर 87 रन बनाकर यह मुकाबला जीत लिया। 84 रनों के लक्ष्य का पीछा करने उतरी ऑस्ट्रेलिया ने कप्तान अलिसा हीली 36 गेंदों में 38 रन और उनकी साथी ओपनर फ़ीबी लिचफ़ील्ड 16 ने अच्छी शुरुआत की। दोनों खिलाड़ियों ने पहले विकेट के 10.1 ओवर में 57 रन बनाये। हीली को फ्रेजर ने विलियम्स के हाथों कैच आउट कराया। उसके बाद दूसरे विकेट के रूप में फ़ीबी लिचफ़ील्ड को रामहैरक की गेंद पर कैंपबेल ने कैच आउट किया। इसके बाद बल्लेबाजी करने आयी एलिस पेरी ने 13 गेंदों पर नाबाद 20 रनों तथा बेथ मूनी नाबाद छह रन ने ऑस्ट्रेलिया को 15 ओवर में टीम का स्कोर 87 रन कर उसे जीत दिला दी। ऑस्ट्रेलिया ने 121 गेंद शेष रहते यह मुकाबला जीता है।

वेस्टइंडजी की ओर फ्रेजर और रामहैरक को एक-एक विकेट मिला। दोनों ही टीमों के गेंदबाजों ने सात-सात रन अतिरिक्त के रूप में दिये। इससे पहले ऑस्ट्रेलिया ने आज यहां टॉस जीतकर क्षेत्ररक्षण का फैसला किया। पहले बल्लेबाजी करने उत्तरी वेस्टइंडीज की शुरुआत बेहद खराब रही और उसने 6.3 ओवर में महज पांच रन पर तीन विकेट गवां दिये। ओपनर जायडा जेम्स तीन रन को शूट की गेंद पर गार्डनर ने कैच आउट किया। उसके बाद गार्थन ने जेनाबा जोसेफ़ शून्य पर अपनी ही गेंद पर कैच आउट कर पवेलियन का रास्ता दिखा दिया। गार्थ ने रशादा विलियम्स शून्य को पेरी के हाथों कैच आउट कराया। वेस्टइंडीज की ओर से सबसे अधिक रन बनाने वाली आलिया ऑलेन 39 गेंदों में 35 रन को गार्थ ने हीली के हाथों स्टंप कर पवेलियन भेज दिया। इससे पहले स्टेफ़ानी टेलर 12 रन का ब्राउन की गेंद पर हीली ने स्टंप के पीछे कैच पकड़ा। कप्तान शमैन कैंपबेल 14 रन को गार्डनर ने वेयरहम के हाथों कैच आउट कराया। वेस्टइंडीज की ओर से चार खिलाड़ी अपना खाता भी नहीं खोल सके और केवल तीन खिलाड़ी ही दहाई अंक से ऊपर स्कोर कर सके। वेस्टइंडीज की पूरी टीम 27.3 ओवर में 83 रन पर ढ़ेर हो गयी। ऑस्ट्रेलिया की ओर से किम गार्थ ने आठ रन देकर तीन विकेट, एश्ली गार्डनर और जॉर्जिया वेयरहम ने दो-दो विकेट तथा डार्सी ब्राउन और मेगन शूट ने एक-एक बल्लेबाज का आउट किया।

सार संक्षेप

सीरी ए : जेनोआ पर 1-0 की जीत के बाद टॉप पर एसी मिलान

रोम। एसी मिलान ने रोमांचक मैच में जेनोआ को 1-0 से हराकर सीरी ए तालिका में शीर्ष पर कब्जा जमाया। एसी मिलान ने लगातार तीन घरेलू जीत के साथ शनिवार के खेल में प्रवेश किया। यह मैच दोनों टीमों के लिए चुनौतीपूर्ण रहा, लेकिन अंतिम क्षणों में रोमांच चरम पर पहुंच गया। एसी मिलान के लिए क्रिश्चियन पुलिसिक ने 87वें मिनट में गोल का सूखा खत्म करते हुए अपनी टीम का खाता खोला और ड्रॉ की ओर बढ़ते हुए मैच का नतीजा अपनी टीम के पक्ष में किया। एक अन्य मैच में इंटर मिलान ने बोलोग्ना के खिलाफ 2-0 की बढ़त को गंवाते हुए मैच 2-2 पर खत्म किया।

ब्लैटर ने छह देशों में फुटबॉल विश्व कप आयोजित किये जाने के फैसले की आलोचना की

बर्न। फीफा के पूर्व अध्यक्ष सेप ब्लैटर ने अगला फुटबॉल विश्वकप तीन महाद्वीपों के छह देशों में आयोजित किये जाने के संचालन समिति के फैसले की आलोचना की है। ब्लैटर ने स्विस अखबार सोनटैग्सब्लिक से कहा, इस तरह से टूर्नामेंट को छिन्न-भिन्न करना बेतुका है। उन्होंने कहा कि विश्व कप फाइनल एक संक्षिप्त आयोजन होना चाहिए। उन्होंने कहा कि यह आयोजन की पहचान, संगठन और आगंतुकों के लिए महत्वपूर्ण है। उन्होंने अखबार से कहा, ऐतिहासिक कारणों से 2030 का विश्व कप विशेष रूप से दक्षिण अमेरिका में होना चाहिए। उल्लेखनीय है कि ब्लैटर 1998 से 2015 तक फीफा अध्यक्ष रहे थे। फीफा ने बुधवार को घोषणा करते हुए कहा कि मोरक्को, स्पेन और पुर्तगाल को 2030 टूर्नामेंट का मेजबान नामित किया गया है, जबकि उरुग्वे, अर्जेंटीना और पराग्वे भी टूर्नामेंट के शुरुआती मैचों की मेजबानी करेंगे।

भारत ने कंपाउंड तीरंदाजी में रचा इतिहास, रिकर्व पर करना होगा फोकस

हांगझोऊ। सभी पांच वर्गों में स्वर्ण पदक जीतकर, भारत ने शनिवार को हांगझोऊ में एशियाई खेलों में कंपाउंड तीरंदाजी में बदलाव का संकेत दिया, जिससे एशियाई खेलों में कोरिया गणराज्य का दबदबा खत्म हो गया।

शनिवार को भारत की ज्योति और ओजस प्रवीण ने महिला और पुरुष व्यक्तिगत स्पर्धा में स्वर्ण पदक जीते। कुछ दिन पहले, भारत ने पुरुष और महिला टीम प्रतियोगिताओं में भी स्वर्ण पदक जीते थे। गुरुवार को महिला टीम ने फाइनल में चीनी ताइपे को 159-158 से हराया जबकि पुरुष टीम ने फाइनल में कोरिया को हराया।

शनिवार को, देवतले ने कंपाउंड पुरुष व्यक्तिगत फाइनल में अपने वरिष्ठ साथी अभिषेक वर्मा को हराया, जबकि ज्योति ने फाइनल में दक्षिण कोरिया की सौ चौवन को हराकर महिला व्यक्तिगत स्वर्ण पदक जीता। पांच स्वर्ण पदकों के अलावा, भारत ने कंपाउंड तीरंदाजी में एक रजत और एक कांस्य पदक भी जीता।

मगर, देश रिकर्व के व्यक्तिगत वर्ग में पदक जीतने में असफल रहा। अतनु दास और धीरज बोम्मादेवरा धीमी शुरुआत करने और कम स्कोर बनाने के कारण शूट-ऑफ में क्वार्टर फाइनल में हार गए। हालांकि, यह कंपाउंड तीरंदाज ही थे जिन्होंने वास्तव में हांगझोऊ में 2022 एशियाई खेलों में भारतीय तीरंदाजी को एक बड़े मुकाम पर पहुंचाया। उनकी सफलता ने कंपाउंड तीरंदाजी में कोरिया गणराज्य के वर्चस्व के अंत का भी संकेत दिया, जिसने 2014 में ही एशियाई खेलों में पदार्पण किया था और पिछले दोनों संस्करणों में महिला टीम प्रतियोगिता जीती थी।

कंपाउंड तीरंदाजी पेरिस 2024 के ओलंपिक कार्यक्रम का हिस्सा नहीं है, लेकिन 2028 में लॉस एंजिल्स में आयोजित होने वाले अगले संस्करण में इस इवेंट के जुड़ने की बहुत संभावना है। एशियाई खेलों के कंपाउंड तीरंदाजी वर्ग में भारत का दबदबा कई लोगों के लिए हैरानी कि बात नहीं थी क्योंकि भारत ने कुछ महीने पहले बर्लिन में आयोजित विश्व चैंपियनशिप में पुरुष और महिला दोनों वर्ग के खिताब जीते थे।

कंपाउंड तीरंदाजी में भारत का दबदबा टीम के विदेशी कोच इटली के सर्जियो के लिए कोई आश्चर्य की बात नहीं है। भारतीय तीरंदाजी टीमों के उच्च-प्रदर्शन निदेशक, संजीव कुमार सिंह ने कहा कि यह सफलता 2004 में शुरू किए गए विकास कार्यक्रम का फल है। यह पहली बार है कि हमने किसी एक इवेंट में पांच स्वर्ण पदक जीते हैं, जिसे हमने सितंबर 2004 में शुरू किया था। एशियाई खेलों के इतिहास में यह पहली बार है कि हमने कंपाउंड तीरंदाजी में सभी पांच स्वर्ण पदक जीते हैं। संजीव सिंह ने कहा, खेलो इंडिया गेम्स योजना के कारण, लगभग 150 तीरंदाजों को लगातार खेलने का मौका मिला, हमारी संख्या बढ़ी और हम शीर्ष पर पहुंच गए। अब बस यही उम्मीद है कि भारतीय तीरंदाजी संघ (एएआई) रिकर्व सेक्शन के लिए भी इसी योजना को दोहराने में सक्षम है। वही वास्तव में असली क्रांति होगी।

सुडोकू 6341 का हल

4	7	8	1	2	5	6	3	9
6	3	1	9	8	7	2	4	5
5	2	9	4	3	6	8	1	7
8	5	2	3	4	9	1	7	6
9	6	7	5	1	8	3	2	4
3	1	4	7	6	2	5	9	8
2	9	5	6	7	1	4	8	3
1	4	6	8	9	3	7	5	2
7	8	3	2	5	4	9	6	1

कृषि जगत

कम लागत में बेहतर उत्पादन के लिए करें बरबटी की खेती

कम लागत में बेहतर उत्पादन प्राप्त करना हो तो बरबटी की खेती एक बेहतर उपाय है। धमतरी जिले की मिट्टी बरबटी की फसल के लिए अनुकूल है। यही कारण है कि धमतरी जिले में एक हजार से अधिक एकड़ से अधिक क्षेत्रफल में बरबटी की पैदावार सालभर में ली जा रही है। जिले के चारों ब्लॉक के किसान इसकी पैदावार लेकर आर्थिक रूप से सक्ष कम लागत में बेहतर उत्पादन प्राप्त करना हो तो बरबटी की खेती एक बेहतर उपाय है। धमतरी जिले की मिट्टी बरबटी की फसल के लिए अनुकूल है। यही कारण है कि धमतरी जिले में एक हजार से अधिक एकड़ से अधिक क्षेत्रफल में बरबटी की पैदावार सालभर में ली जा रही है। जिले के चारों ब्लॉक के किसान इसकी पैदावार लेकर आर्थिक रूप से सक्षम बन रहे हैं।

जानकारी के अनुसार धमतरी जिले की मिट्टी लगभग हरेक फसल के लिए उपयुक्त है। जिनमें से बरबट्टी भी एक है। सालभर ली जाने वाली बरबटी की फसल किसानों के लिए आय का बेहतर जरिया है। जिले के अरौद, लीलर, खरेंगा, बारना, सिवनी, नवागांव, सेमरा, झिरिया, ढीमरटीकुर, मांटेगहन, सारंगपुरी, बरारी सहित अन्य गांव में बड़े पैमाने पर इसकी फसल ली जा रही है। उद्यानिकी विभाग के फील्ड ऑफिसर जीआर लोहानी ने बताया कि बरबटी की फसल बारहों महीने ली जाती है। प्रमुख रूप से बरबट्टी की जामली, कश्मीरी लाल, उषा बरसाती, अरका, अनुप, अरका सुमन, श्यामली प्रजाति को ही किसान बोते हैं। गर्मी की तुलना में बारिश के मौसम में उत्पादन लागत कम आती है। भिंडी की पैदावार लेने के बाद बरबटी की फसल लगाने से काफी फायदा होता है क्योंकि

बरबटी की फसल को सूखे हुए भिंडी की फसल के ऊपर फैलने में आसानी होती है। साथ ही उत्पादन भी अच्छा मिलता है। इसके लिए अलग से मचान बनाने का खर्च भी नहीं लगता। इससे लगभग 20 से 30 हजार की बचत हो जाती है।

किसानों ने बताया कि बरबटी की उत्पादन लागत कम है, लेकिन इससे फायदा अधिक होता है। जैविक खाद के उपयोग से फसल उत्पादन बेहतर तरीके से होता है। मिट्टी की उर्वरा शक्ति भी बढ़ती है। किसानों ने बताया कि ज्यादातर लोकल मार्केट में इसकी बिक्री कर देते हैं। इसके अलावा साप्ताहिक हाट-बाजारों में भी बरबट्टी हाथों-हाथ बिक जाती है। अधिक उत्पादन होने की स्थिति में राजधानी रायपुर में इसका निर्यात करते हैं। यहां के थोक सब्जी विक्रेता काफी मात्रा में सब्जी खरीदकर इसे राजधानी रायपुर में बेच देते हैं।

फसल में रोग उपचार

बरबटी की फसल में मुख्य रूप से रस चूसने वाले कीट माहू, फुदका, फल छेदक जैसे कीट है है जो फसल को नुकसान पहुंचाते हैं। बरबटी की फसल में प्रमुख रूप प्रमुख रूप फसल में प्रमुख रूप प्रमुख रूप से चूर्णी फफूंद, मोजैक जैसी बीमारियां होती हैं, जिससे उत्पादन पर खासा असर पड़ता है। यदि समय पर देखरेख न की जाए तो बरबटी की फसल सूख कर मर भी जाती है। इसके लिए कृषि दवा विक्रेताओं से संपर्क कर दवा का छिड़काव करना चाहिए।

प्रति एकड़ 80 हजार से एक लाख रुपये तक की आय

बरबटी की फसल मौसम के ऊपर आधारित होती है। गर्मी में जहां लगभग पांच से छह किलो बीज से एक एकड़ में पैदावार ली जाती है तो वहीं बारिश के मौसम में आठ से नौ किलो बीज से एक एकड़ में पैदावार होती है। बीज की लागत, मजदूरी खर्च और अन्य खर्चों को मिला दिया जाए तो 30 हजार की लागत एक एकड़ फसल उत्पादन में आती है। बोआई के बाद सालभर उत्पादन लिया जा सकता है, जिससे 80 हजार से एक लाख तक की आय किसानों को हो जाती है। एक बार बीज लगाने के बाद साल भर भर तोड़ाई की जा सकती है। तोड़ाई के बाद जड़ों में खाद पानी और गुड़ाई कर दी जाए तो फिर से अच्छा उत्पादन मिलता है।

प्रोटीन का मुख्य साधन है बरबटी

डायटीशियन पुष्पेंद्र साहू ने बताया कि फल्लीदार सब्जियों में बरबटी का एक प्रमुख स्थान है। यह प्रोटीन (मुख्यत: एमिनो एसिड) का बड़ा अच्छा स्रोत है। इसमें फाइबर्स की मात्रा भी खूब पाई जाती है। बरबटी में पाए जाने वाले फाइबर्स पाचन प्रक्रिया को दुरुस्त करने के अलावा पेट की देखभाल में काफी कारगर होते हैं। बरबटी कबाब में लहसुन, जीरा और धनिया का पाउडर, स्वाद को तो बेहतर ही बनाता है और आपकी पाचन प्रक्रिया को बेहतर बनाता है।

जैविक खाद के उपयोग से बढ़ती है पैदावार

संबलपुर स्थित कृषि विज्ञान केंद्र के कृषि वैज्ञानिक एसएस चंद्रवंशी ने बताया कि वर्मी कंपोजिट खाद या जैविक खाद के इस्तेमाल से फसल की पैदावार में तीन से चार में फायदा दिखने लगता है, लेकिन किसान अधिक उत्पादन लेने के चक्कर में यूरिया और अन्य कैमिकल युक्त खाद का इस्तेमाल करते हैं। हालांकि जैविक खाद से पहले तीन साल तक कास्ट थोड़ा अधिक आता है। एक एकड़ में एक हजार किलो जैविक खाद लगती है। इसकी बाजार में कीमत करीब आठ हजार रुपये होती है। किसान इसे अपने यहां भी बना सकते हैं। जिसकी कास्ट तीन से चार रुपये प्रतिकिलो आएगी यानी खर्च आधे से भी कम हो जाएगा। इससे खेतों में हमेशा नमीं बनी रहती है।

वहीं खाद्य पदार्थों का स्वाद नेचुरल होता है। इसके मिनरल्स पर्याप्त मात्रा में लंबे समय तक बने रहते हैं। चार से पांच साल के भीतर खेतों की उर्वरा शक्ति बढ़ने के साथ ही खेती में लागत कम हो जाती है।

सरसों की खेती : उत्पादकता में वृद्धि

भारत की तिलहन क्रांति में अग्रणी होगी सरसों की भूमिका -पिछली सदी में हरित और श्वेत क्रांति का गवाह बन चुका भारत इस बार कृषि क्षेत्र में पीली क्रांति लाने के लिए प्रतिबद्ध है और इस बार यह क्रांति तिलहन पौधों के उत्पादन के लिए है। इस क्रांति की शुरुआत सरसों के उत्पादन के द्वारा होगी जिसे जल्द ही देश के सबसे ज्यादा उगाए जाने वाले तिलहन के रूप में प्रतिष्ठित किया जा सकता है। यह उस चर्चा के प्रतिफल के रूप में सामने आया है जिसे खाद्य तेल उद्योग के अनुभवी सदस्यों और शासन के संबध अधिकारियों द्वारा एक वेबिनार के रूप में सॉल्वेन्ट एक्सट्रैक्टर्स एसोसिएशन ऑफ इंडिया द्वारा आयोजित किया गया। एसईए लगातार इस दिशा में कार्य कर रहा है जिससे घरेलू तिलहन के उत्पादन को बढ़ाकर खाद्य तेल के क्षेत्र में भारत की आयात निर्भरता को कम से कम किया जा सके। इस उद्देश्य के लिए एसईए ने मस्टर्ड मिशन की शुरुआत की है जिसके द्वारा 2025 तक भारत में सरसों के उत्पादन को 20 मिलियन टन तक बढ़ाये जाने की योजना है। कृषि के तरीके में सुधार, सही तकनीक के इस्तेमाल, गुणवत्तायुक्त बीज और दूसरे इनपुट प्रबंधन के द्वारा इसे हासिल किया जा सकता है। ये बातें एसईए के प्रेसिडेंट अतुल चतुर्वेदी ने कही।

सरसों की खेती में मुनाफा अधिक- इस मौके पर बोलते हुए डिपार्टमेंट ऑफ फूड एंड पब्लिक डिस्ट्रीब्यूशन के सेक्रेटरी सुधांशु पाण्डेय ने कहा कि इसकी व्यावसायिक क्षमता और स्वास्थ्यवर्धक गुणों के कारण सरसों में यह बड़ी क्षमता है कि भारत के समूचे तिलहन उत्पादन को बढ़ावा दे सके। सरसों की खेती में मुनाफा सबसे अधिक 31 हजार रूपये हेक्टेयर आता है जबकि गेहूं में 26 हजार रूपये और चावल में केवल 22 हजार रूपये का रीटर्न मिलता है।

सरसों की मोजूदा कीमतों ने ये मुनाफे को कई गुना बढ़ा दिया है। उन्होंने आगे कहा कि उद्योग को यह सुनिश्चित करना चाहिए कि यदि किसान अपना उत्पादन और उत्पादकता को बढ़ाते हैं तो श्रम के अनुसार उपयुक्त लाभ किसानों को मिल सके। सरकार भी सरसों के उत्पादन को बढ़ाने को लेकर उत्साहित है और मस्टर्ड मिशन की सरकार के द्वारा पहले ही शुरुआत की जा चुकी है। उन्होंने आगे कहा कि सरकार का ध्यान इस ओर भी है कि सरसों के अलावा प्रति एकड़ तिलहन के अंदर आने वाले फसलों जैसे मूंगफली के उत्पादन को बढ़ाया जाए और चावल की खेती के बाद परती भूमि का सदुपयोग अंतर-फसल कृषि को बढ़ावा देकर किया जा सके।

उत्पादकता में वृद्धि- एसईए और सोलिडरिडैड के द्वारा वर्ष 2019 से संयुक्त रूप से राजस्थान में विकसित मॉडल सरसों फार्म के परिणाम स्वरूप उत्पादकता में 49त्न की वृद्धि देखी गई है , जिसमें बेहतर, बेहतर बीज और तकनीक का इस्तेमाल किया गया है। कोविड के बाद की दुनिया में भी सरसों को इसके स्वास्थ्यवर्धक गुणों जैसे ओमेगा -3 और मोनोसैचुरेटेड फैटी एसिड और पॉलीअनसैचुरेटेड फैट की मात्रा के कारण सबसे ज्यादा पसंद किए जाने वाला तिलहन के रूप में देखा जा रहा है।

80 करोड़ लोग सरसों तेल का इस्तेमाल करते हैं- सरसों में तेल की मात्रा सोयाबीन के 18 प्रतिशत की तुलना में 40 प्रतिशत है जो कि बहुत ज्यादा है।

इसमें 36 प्रतिशत प्रोटीन होता है और जलवायु के हिसाब से भी अधिक उपयुक्त फसल है जिसे पानी की आवश्यकता बहुत कम होती है। भारत की 130 करो? की आबादी में से 80 करो? लोग खाना पकाने के लिए सरसों के तेल का इस्तेमाल करते हैं

चीकू की खेती करें और लाभ कमाएं

भारत में सपोटा या चीकू (मनीलकारा आचरस) एक लोकप्रिय फल है। इसका जन्म स्थान मेक्सिको और मध्य अमेरिका माना जाता है। इसका फल खाने में सुपाच्य, कार्बोहाइड्रेट (14 से 21 प्रतिशत), प्रोटीन, वसा, फाइबर, खनिज लवण, कैल्शियम और आयरन का एक अच्छा स्रोत माना जाता है और इसका प्रयोग खाने के साथ-साथ जैम व जैली आदि बनाने में किया जाता है। चीकू को मैदानी क्षेत्रों, घाटियों और निचले पवर्तीय क्षेत्रों में उगाया जा सकता है। भारत में चीकू मुख्यत: कर्नाटक, तामिलनाडू, केरला, आंध्रा प्रदेश, हरियाणा, महाराष्ट्र और गुजरात में उगाया जाता है। कृषकों को इसकी खेती वैज्ञानिक तकनीक से करनी चाहिए, ताकि इसकी फसल से अधिकतम और गुणवत्ता युक्त उत्पादन प्राप्त किया जा सके। इस लेख में चीकू की वैज्ञानिक तकनीक से खेती कैसे करें की पूरी जानकारी का उल्लेख किया गया है।

उपयुक्त जलवायु- चीकू उष्ण कटिबन्धीय फल है तथा 800 मीटर की ऊंचाई तक इसे व्यापारिक स्तर पर उगाया जा सकता है। गर्म जलवायु और 125 से 250 सेंटीमीटर वार्षिक वर्षा वाले क्षेत्र इसके लिए अत्यन्त उपयुक्त हैं अर्थात फल के बेहतर विकास और चीकू की खेती के लिए 11 से 38 डिग्री सेल्सियस तापमान और .0 प्रतिशत आर एच आर्द्रता वाली जलवायु अच्छी मानी जाती है। इस तरह की जलवायु में इसकी फलत साल में दो बार होती है। जब कि शुष्क जलवायु में, यह पूरे साल भर में केवल एक ही फसल देता है। यह पाले के प्रति अधिक संवेदनशील है, इसलिए आरम्भ के वर्षों में सर्दियों में पौधों को ठण्ड और पाले से बचाना जरूरी होता है। **भूमि का चयन**- चीकू की खेती कुछ हद तक लवणीयता एवं क्षारीयता सहन कर सकती है। इसके उचित विकास के लिए 6 से 8 पीएच अच्छा माना जाता है। चीकू की खेती से अधिक उत्पादन लेने के लिए गहरी उपजाऊ तथा बलुई दोमट मिट्टी अच्छी मानी जाती है। पौधों के उचित विकास के लिए खेत में जल निकास का अच्छा प्रवंधन होना चाहिए। **उन्नत किस्में**- देश में चीकू की 41 किस्में हैं, जिसमें काली पट्टी, पीली पट्टी, भूरी पट्टी, झूमकिया, ढोला दीवानी, बारामासी और क्रिकेट वाल आदि किस्में अधिक उगाई जाती है। क्रिकेट वाल एक आहार उद्देश्शीय किस्म है, इसके फल आकार बड़ा, गोल, गूदा मीठा और दानेदार होता है। काली पट्टी भी अधिकतर क्षेत्रों में उगाई जाती है। काली पट्टी लोकप्रिय आहार उद्देश्य किस्म है, पत्ते बड़े तथा फल आयताकार या गोल होते है। इसकी मुख्य फलत सर्दियों के मौसम में आती है, उपज 350 से 400 फल प्रति पेड होती है। बारामासी यह किस्म उत्तरी भारत में प्रसिद्ध है, इसके फल गोल और मध्यम होते हैं, यह 12 महीने उपज देने वाली किस्म है। **प्रवर्धन की विधि**- चीकू का प्रवर्धन बीज, इनारचिंग, वायु लेयरिंग और सॉफ्टवुड ग्राफ्टिंग द्वारा किया जा सकता है। इसकी व्यवसायिक खेती के लिए चीकू को इनारचिंग द्वारा लगाते है, जिसके लिए खिरनी (रायन) मूल वृन्त का उपयोग किया जाता है। क्योंकि रायन पौधे की शक्ति, उत्पादकता और दीर्घायु के लिए सबसे माना जाता है।

गमलो में तैयार पेंसिल की मोटाई के दो वर्ष पुराने खिरनी मूलवृन्त पौधों का उपयोग कलम बांधने के लिए किया जाता है। इसको लगाने के लिए दिसंबर से जनवरी का महीना उपयुक्त माना जाता है। पौधे खेत में रोपाई हेतु अगले वर्ष जून से जुलाई तक तैयार हो जाते हैं। चीकू प्रवर्धन की अधिक जानकारी के लिए यहाँ पढ़ें- चीकू का प्रवर्धन कैसे करें

पौध रोपण- रेतीली मिट्टी में 60 × 60 × 60 सेंटीमीटर आकार के गड्ढे और भारी मिट्टी में 100 × 100 × 100 सेंटीमीटर आकार के गड्ढे अप्रैल से मई में बनाते है और गड्ढे में 10 किलोग्राम गोबर की खाद, 3 किलोग्राम सिंगल सुपर फॉस्फेट और 1.5 किलोग्राम म्यूरेट ऑफ़ पोटाश और 10 ग्राम फोरेट धूल अथवा नीम की खली (1 किलोग्राम) भरते है। गड्ढे भरने के एक महीने बाद मानसून के प्रारंभ (जुलाई) में पोधों की रोपाई कर देते हैं।

मछलियां तालाबों में खरपतवारों को नियंत्रित करती हैं

पौधों की समस्याओं को कम करने के लिए रोकथाम सबसे अच्छा तरीका है, अपने तालाब में खरपतवार को नियंत्रित करने की तुलना में खरपतवार की वृद्धि को रोकना सस्ता और आसान है तालाबों को खड़ी ढलानों से बनाना जो कि गहरे पानी में जल्दी गिरते हैं, खरपतवारों को पकने से रोक सकते हैं, मृदा अपरदन और उर्वरक अपवाह (पशुधन अपशिष्ट सहित) जल के खरपतवार के दो प्रमुख कारण हैं। मृदा अपरदन खरपतवार की समस्याओं को बढ़ाता है इरोडेड मिट्टी के कण न केवल तालाब को उथले बनाते हैं और जड़ वाले खरपतवारों को जल्दी से आक्रमण करने की अनुमति देते हैं, बल्कि मिट्टी के कण भी उर्वरक (अवशोषित नाइट्रोजन और फास्फोरस) का परिवहन करते हैं जो खरपतवार के विकास को उत्तेजित करता है। सभी जानवरों के कचरे और उर्वरकों को एक घास-पंक्तिबद्ध मोड़ खाई का उपयोग करके तालाबों के चारों ओर मोडना चाहिए। शैवाल विकास को प्रोत्साहित करने, सूरज की रोशनी को अवरुद्ध करने और जड़ जलीय पौधों को बाहर निकालने के लिए तालाबों को निषेचित करने की सिफारिश नासमझी है।

महत्वपूर्ण जलीय खरपतवार निरोधक विधियों में निम्नलिखित शामिल हैं-

जलीय पौधे की रोकथाम रणनीतियां
मिट्टी का कटाव रोकें
स्ट्रिप क्रॉपिंग और समोच्च का प्रयोग करें
उर्वरक अपवाह को रोकें
तालाबों में घास की कतरन डालने से बचें
मछलियों और बतखों को खिलाना कम करें
तालाबों से पशुधन को दूर रखें
पशु अपशिष्ट और उर्वरक अपवाह को रोकना
तालाब के किनारे का ढलान (3:1 ढलान)
जलीय पौधों की अधिकता का कारण
छिछला पानी
साफ पानी
अतिरिक्त प्रजनन क्षमता (पोषक तत्व)
तेजी से प्रजनन
विदेशी खरपतवारों का आक्रमण

जलीय पौधों के नियंत्रण के तरीके उपचार या संयोजन का चयन पानी के पौधे की प्रजातियों, समस्या की सीमा, आर्थिक विचारों, स्थानीय पर्यावरणीय परिस्थितियों और तालाब के उपयोग पर निर्भर करता है। सबसे पहले, सुनिश्चित करें कि आपको एक जलीय पौधे की समस्या है कुछ जलीय पौधों की वृद्धि मामूली और अस्थायी होती है, और इसके लिए महंगी खरपतवार नियंत्रण क्रियाओं की आवश्यकता नहीं होती है, जिससे आपको चिंता, समय और धन की बचत होती है। यदि जलीय पौधे 25 प्रतिशत से अधिक तालाब की सतह के क्षेत्र को कवर करते हैं, तो आपको खरपतवार नियंत्रण लागू करने पर विचार करना चाहिए। दूसरा, विभिन्न प्रकार के खरपतवार (शैवाल, तैरने वाली पत्ती वाले खरपतवार, आकस्मिक खरपतवार और पनडुब्बी वाले खरपतवार) को अलग-अलग उपचार की आवश्यकता होती है। खरपतवार के प्रकार और समस्या की गंभीरता के आधार पर, निम्नलिखित नियंत्रण विधियों में से एक या एक संयोजन बहुत प्रभावी हो सकता है।

तालाबों में उगने वाले जलीय पौधे मछली और वन्य जीवों के लिए फायदेमंद होते हैं वे भोजन, घुलित ऑक्सीजन, और मछली और जलपक्षी के लिए निवास स्थान प्रदान करते हैं। जलीय पौधे अत्यधिक पोषक तत्वों को अवशोषित कर सकते हैं और रसायनों के विषाक्त प्रभाव को कम करते हैं हालांकि, शैवाल और अन्य जलीय पौधों के घने विकास (सतह क्षेत्र का 25 प्रतिशत से अधिक) गंभीर रूप से तालाब में बाधा डाल सकते हैं और जलीय जीवन के लिए खतरा उत्पन्न कर सकते हैं। पानी के पौधे तैराकी, नौका विहार, मछली पकड़ने और अन्य जलीय क्रियाओं को प्रतिबंधित कर सकते हैं।

पानी के पौधे अप्रिय स्वाद (मस्टी स्वाद) उत्पन्न कर सकते हैं, सड़ने वाली वनस्पति आक्रामक गंध (सड़े अंडे की गंध) का उत्सर्जन करती है, और शैवाल तालाब के पानी को प्रभावित कर सकते हैं पौधों की घनीभूत वृद्धि के कारण रात के समय ऑक्सीजन की कमी हो सकती है और मछली मर सकती है। हरे पौधे सूरज की रोशनी में ऑक्सीजन का उत्पादन करते हैं, लेकिन वे रात में ऑक्सीजन का सेवन करते हैं। पानी के खरपतवारों के सड़ने से ऑक्सीजन की आपूर्ति समाप्त हो सकती है, जिसके परिणामस्वरूप मछली घुटन से मर जाती है

जलीय पौधे नियंत्रण के तरीके
तालाब को खोदना और गहरा करना
खरपतवार को निकालना (मैनुअल या यांत्रिक विधि द्वारा)
पानी के स्तर में हेरफेर
शेड, डाई
तालाब के नीचे लाइनर स्थापित करें
जैविक नियंत्रण का उपयोग करें
रासायनिक नियंत्रण का उपयोग करें
तालाब को खोदना और गहरा करना

तालाब तलछट को दूर करना और खड़ी तालाब ढलान (3:1 ढलान) उथले तालाबों में निहित जलीय पौधे को नियंत्रित करने के लिए प्रभावी तरीके हैं सूखे तलछट पर निकर्षण का संचालन किया जा सकता है, तालाब के सूखने के बाद, या पानी के नीचे। हाइड्रोलिक निकर्षण सामान्य रूप से छोटे तालाबों में उपयोग के लिए बहुत महंगा है, लेकिन पानी के भीतर तालाब निकर्षण के लिए ड्रैगलाइन का उपयोग किया जा सकता है यद्यपि खुदाई और तलछट को हाथ से हटाना कठिन काम है, यह यांत्रिक निकर्षण के लिए एक सरल, किफायती और कुशल विकल्प है। मृदा अपवाह को तालाब के बेसिन से नीचे ले जाया जाना चाहिए ताकि तालाब में मिट्टी के अपवाह को रोका जा सके।

तालाब के जल स्तर को कम करना- तालाब के जल स्तर को कम करना जलीय पौधों को नियंत्रित करने का एक आसान तरीका हो सकता है, तालाब की गिरावट, विशेष रूप से सर्दियों के महीनों के दौरान, खरपतवार को कठोर परिस्थितियों के लिए उजागर करती है, जिसमें ठंड, सूखना, तेज हवा की क्रिया और तलछट संघनन शामिल हैं इसके अलावा, नीचे तलछट के ठंड को नष्ट करने से खरपतवार और उनके विनाश में सहायता होती है। सर्दियों के प्रभावी नियंत्रण के लिए, कई हफ्तों या उससे अधिक समय तक नीचे की तरफ की गहराई 4 इंच तक कम होनी चाहिए।

खरपतवार को निकालना - तालाबों से पानी के झरने का भौतिक निष्कासन एक अच्छी नियंत्रण तकनीक है जलीय पौधों की कटाई में तीन आवश्यक चरण होते हैं। (1) जड़ काटने या उखाडने वाले हैं, (2) कटे हुए खरपतवारों को इकट्ठा करते हैं, और (3) तालाब से खरपतवारों को निकालते हैं। कटाई को सरल हाथ उपकरण और शारीरिक श्रम या मशीनों की मदद से पूरा किया जा सकता है।

आम तौर पर पूरे पौधे को काटने से बेहतर है क्योंकि कुछ पौधे कटिंग से पुनरू उत्पन्न कर सकते हैं। उथले तटरेखा वाले क्षेत्रों में, खरपतवार को हाथ से खींचा जा सकता है, दरांती से काटा जा सकता है, कुदाल से खोदा जा सकता है, और रेक या कांटे से पानी से निकाला जा सकता है। बड़े तालाबों में, विभिन्न प्रकार की वाणिज्यिक संचालित कटाई मशीनें उपलब्ध हैं। मोटर बोट के धनुष पर कुछ कटिंग ब्लेड लगाए जा सकते हैं। किसी भी कटाई के संचालन की सपलता सभी कटे हुए खरपतवारों के त्वरित और पूर्ण निष्कासन पर निर्भर करती है। कटे हुए खरपतवारों के आंशिक रूप से हटाने से समस्या और बढ़ सकती है, क्योंकि प्रत्येक अगोचर पौधे के टुकड़े में एक नया खरपतवार बनने की क्षमता होती है।

हरी मिर्च की खेती कैसे करें

हरी मिर्च का उपयोग कई प्रकार की दवाइयों बनाने में किया जाता है। कैप्साइसिन में कई दवाईयां बनाने वाले तत्व पाए जाते हैं। खासतौर पर कैंसर रोधी और दर्द दूर करने वाले तत्व। इसके अलावा इसमें विटामिन ए, विटामिन सी, फॉस्फोरस और कैल्शियम समेत कई तरह के लवण पाए जाते है। यह खून को पतला करने और दिल की बीमारियों को दूर करने में भी मदद करती है। भारत में हरी मिर्च के मुख्य उत्पादन वाले राज्य आंध्र प्रदेश, कर्नाटक, महाराष्ट्र, उडीसा, तामिलनाडु और राजस्थान है। वैसे ऐतिहासिक दृष्टि से देखा जाए तो दुनिया में सबसे पहले हरी मिर्च की फसल का उत्पादन लैटिन अमेरिकी देश मैक्सिको और गवेटामाला में हुआ था। भारत में हरी मिर्च 17वीं सदी में पुर्तगालियों के द्वारा गोवा लाई गई और इसके बाद इसकी पैदावार पूरे देश में बड़ी तेजी से फैल गई। **मिर्च की खेती के लिए जरूरी जलवायु**- हरी मिर्च की खेती के लिए गर्म और आर्द्र जलवायु सबसे उपयुक्त रहती है। वैसे इसकी खेती हर तरह की जलवायु में हो सकती है, लेकिन ज्यादा ठंड और ज्यादा गर्मी का मौसम दोनों ही हरी मिर्च की फसल के लिए हानिकारक होते है। हालांकि इसके पौधे को करीब 100 सेन्टीमीटर वर्षा वाले क्षेत्रों में उगाया जा सकता है। इसके अलावा हरी मिर्च की फसल पर पाले का प्रकोप अधिक होता है। इसलिए इसे सर्द और बर्फीले इलाकों में उगाने से बचा जाना चाहिए। **मिर्च की खेती के लिए आवश्यक मिट्टी**- हरी मिर्च की खेती लगभग हर तरह की मिट्टी में की जा सकती है। अच्छी पैदावार के लिए हल्की उपजाऊ और पानी के अच्छे निकास वाली ज़मीन जिस में नमी हो, इसकी खेती के लिए अनुकूल होती है। मिर्च की अच्छी पैदावार के लिए ज़मीन की पीएच छह-सात के औसत में अनुकूल होती है। इसके अलावा मिर्च की खेती के लिए जीवांशयुक्त दोमट या बलुई मिट्टी उपयुक्त होती है, जिसमें कार्बनिक पदार्थ की मात्रा अधिक हो। **हरी मिर्च की खेती करने का सही समय**- हरी मिर्च की खेती को साल में 3 बार उगाया जा सकता है। हालांकि देश के किसान ज्यादातर खरीफ की फसल को महत्व देते है और इस ऋतु मे खेती का आंकड़ों मे रकबा भी काफी है। हरी मिर्च की खेती के लिए वर्षा ऋतु की फसल लेने के लिए सही समय जून-जुलाई का है। दूसरी फसल लेने के लिए सितम्बर-अक्टूबर में बुआई कर देनी चाहिए। वहीं गर्मी के मौसम की फसल के लिए फरवरी-मार्च में बुआई कर दी जानी चाहिए।

हरी मिर्च की खेती की तैयारी कैसे करें- मिर्च के खेत को तैयार करने के लिए पहले दो से तीन बार खेत की जुताई करें और भूमि को करीब पांच से छह बार जोतने के बाद पाटा फेरकर समतल बना लें। ध्यान रखें कि जुताई करते वक्त गोबर की अच्छी पकी हुई खाद करीब 300 से 400 क्विंटल मिट्टी में मिला देनी चाहिए। इसके बाद सही आकार की क्यारियां बना लें और फिर बीज बोएं। **हरी मिर्च की उन्नत किस्में** वैसे तो देश के अलग-अलग क्षेत्रों में वहां की जलवायु के हिसाब से मिर्च की किस्में की खेती की जाती है, तो हो सके तो किसान अपने क्षेत्र में प्रचलित मिर्ची की किस्मों की ही बुवाई करें। वैसे मौसम के हिसाब से हाइब्रिड उन्नत किस्म की मदद से खेती करें, तो ज्यादा अच्छा रहता है।

गुलाब की खेती करने का सही तरीका

गुलाब के फूल को सबसे ज्यादा पसंद किया जाता हैं। खास तौर पर शादियों के समय में तो इनकी मांग बहुत ज्यादा की जाती है। इसी वजह से अब काफी किसानों ने गुलाब के फूलों की खेती करना शुरू कर दिया है। वैसे तो गुलाब का रंग गुलाबी होता हैं। लेकिन अब हमें कई रंग के फूल देखने को मिलते हैं।

गुलाब की खेती के लिए भूमि का चयन- इसकी खेती सभी प्रकार के मिट्टियों में की जा सकती है, अगर दोमट, बलुआर दोमट या फिर मटियार दोमट मिट्टी है, जिसमें ह्यूमस प्रचुर मात्रा हो, तो ऐसी मिट्टी अच्छी रहती है। जिसका पी एच मान करीब 5 ।3 से 6 ।5 तक उपयुक्त माना जाता है। साथ ही पौधों के लिए विकास हेतु छायादार या जल जमाव वाली भूमि नहीं होनी चाहिए। ऐसी जगह जहां पर पूरे दिन धूप हो आती है। छायादार जगह में पौधों का विकास ठीक से नहीं हो पाता है।

गुलाब के पौधों की किस्म का चयन- किसी भी फसल को बोने से पहले उस जगह के हिसाब से उसकी उत्तम किस्म का चयन करना होता है। हर फसल की अलग अलग जगहों के लिए कई किस्म होती है। वैसे ही गुलाब की कई अलग अलग किस्में हैं। जिनका हमें खेती करते वक्त सही से चयन करना चाहिए।

पौधे को तैयार करना- गुलाब की खेती करने वाली विधि को टी बडिंग कहा जाता है। इस विधि में जंगली गुलाब के पौधों की कलम जून या जुलाई में लगा दी जाती हैं। इन कलम को क्यारी में 15 सेंटीमीटर की दूरी पर लगाया जाता है। इसके बाद शाखाएं निकलने लगती है। जिन्हें हटा दिया जाता है। इनमें अच्छी किस्म के गुलाब की टहनी लगा दें और पोलीथिन में उन्हें ऊपर तक कसकर बांध दें। इसमें उर्वरक मिली मिट्टी भरी रहती है। इसके कुछ समय बाद इनमें टहनी निकल आती हैं। जिसके बाद अगस्त महीने तक ये पौधे रुपाई के लिए तैयार हो जाते हैं

गुलाब के पौधे को लगाने का समय और तरीका- गुलाब के पौधे का रोपण करते समय ख़ास ध्यान रखना चाहिए। सबसे पहले पौधे को भूमि से लगभग 15 सेंटीमीटर ऊपर लगा दें। पौधे की रुपाई करते टाइम पोलीथिन को काटकर हटा दें, ध्यान रखे कि पोलीथिन को हटाते समय पोलीथिन में भरी मिट्टी नहीं टूटनी चाहिए। इसके बाद खेत की मिट्टी को चारों तरफ से ठीक से दबा दें, लेकिन दूसरी कलम लगने वाली जगह को जमीन से थोड़ा बहार ही रखे। और पौधे की रुपाई के तुरंत बाद ही उसकी सिंचाई कर दें।

प्रकाशक-गिरिराज चाचा, मुद्रक-मोहन सुरजन द्वारा पत्रकार प्रकाशन प्रा. लिमि. के लिये देशबन्धु काम्पलेक्स नौदराब्रिज जबलपुर से प्रकाशित एवं श्रीजी प्रिंटर्स से मुद्रित, सम्पादक-अशोक मिश्रा, * (* पी.आर.बी. एक्ट के तहत समाचार चयन के लिये जिम्मेदार)
फोन संपादकीय-4006577 व्यवस्था - 4085031, 4085679, 2626244 आर.एन.आई. पंजी. क्रमांक 38276/71 डाक पंजीयन क्रमांक-एसएसपी जबलपुर /04/2020-2022 E mail- Jabdesh1@yahoo.com

आई कार्ड दिखाने के बावजूद टीआई ने पूछा आप कौन..?

नहीं मिली मामले की जानकारी, थाना प्रभारी बोले- मुझसे मिलने कभी नहीं आये

जबलपुर, देशबन्धु। शहर का ओमती थाना इन दिनों सुर्खियों में बना हुआ है। यहां के थाना प्रभारी ने किसी मामले में एक पत्रकार को सिर्फ इसलिये बाइट नहीं दी, क्योंकि टीआई साहब उसे पहचानते नहीं है। इस पूरे मामले का एक वीडियो भी सामने आया है। जिसमें स्पष्ट देखा जा सकता है कि थाना प्रभारी स्वयं कह रहे हैं कि वह पत्रकार को नहीं पहचानते। इसके बावजूद पत्रकार ने अपना पहचान पत्र व पत्रकार परिषद का पहचान पत्र भी दिखाया। इसके बाद पत्रकार व टीआई के बीच बहस होती रही।

जानकारी के अनुसार बीती रात एक पत्रकार किसी मामले में जानकारी लेने ओमती थाना पहुंचते थे। जहां कुछ समय इंतजार करने के बाद ओमती थाना प्रभारी वीरेन्द्र सिंह पवार थाने पहुंचे। उसी समय पत्रकार ने उनसे मामले से संबंधित सवाल पूछ लिया। गले में पहचान पत्र टांगे पत्रकार से उल्टा थाना प्रभारी ने सवाल किया कि आप कौन? पत्रकार ने अपना परिचय देते हुये बताया कि वह पत्रकार है और उस पर तुरंत थाना प्रभारी ने कहा मैं आपको पहचानता नहीं हूं। इस पर टीआई का कहना था कि वह 6 माह से थाने में हैं तथा उसे नहीं जानते। क्योंकि वह उनसे मिलने नहीं आता है। जिस पर थाना प्रभारी और पत्रकार के बीच बहसबाजी होती रही। जिससे यह तो साफ तौर पर कहा जा सकता है कि अब पुलिस अपने पहचान वाले पत्रकारों को ही किसी मामले में जानकारी या बाइट देगी। पुलिस की यह कार्यप्रणाली सवालिया घेरे में आ रही है। कि पत्रकार कोई भी हो वरिष्ठ हो या छोटा काम तो कर रहा है। पहचान बताने के बावजूद भी टीआई का बाइट के हीलाहवाली करना सवाल खड़े कर रहा है। वैसे भी ओमती थाना के पुलिस कर्मियों की कार्यप्रणाली पर पहले भी प्रश्न चिन्ह लग चुके हैं।

पूर्व में भी महिला पुलिस ने की थी अभद्रता

इसके पूर्व भी थाना की महिला पुलिस ने एक पत्रकार से फोन पर अभद्रता से बात करते हुये फोन काट दिया था। उसका कहना था कि जो भी जानकारी लेना हो तो टीआई साहब से लो। उसे कुछ नहीं पता। बस प्रश्न यहीं से उठता है कि यदि टीआई साहब को ही सब कुछ पता है तो बाकी का स्टाफ थाने क्यों आता है। जब उसे कुछ नहीं पता होता। इस मामले की भी एक रिकॉर्डिंग सामने आयी थी।

कई पुलिस अधिकारी पत्रकारों से मिल कर करते थे काम

कहा जाता है कि पुलिस और पत्रकार का साथ कुछ अलग ही है। जो एक दूसरे से अलग नहीं, बल्कि पूरक हैं। लेकिन पत्रकारों के साथ पुलिस का ऐसा व्यवहार गलत संकेत दे रहा है। जिले में इसके पहले जितने भी पुलिस अधिकारी आये। उन्होंने नये पत्रकारों का मार्गदर्शन किया। जिससे आज कई पत्रकार अच्छे अखबारों में काम कर रहे हैं।

कई टीआई नहीं उठाते फोन

अक्सर ऐसा देखा है कि किसी मामले में थाने में जानकारी लेना चाहो तो कई थानों में पुलिस कर्मी फोन नहीं उठाते। टीआई साहब भी फोन उठाने की जहमत नहीं उठाते। ये जिले के अधिकतर थानों का है। इसका एक उदाहरण अधारताल थाने में आया था। जिसमें कुछ दिन पहले एक 13 साल की नाबालिगा बच्ची संबंध में मीडिया कर्मियों ने टीआई व थाने में कई फोन किये थे, लेकिन किसी ने फोन नहीं उठाया था। थाने के कर्मियों ने बच्ची के परिजनों को वरिष्ठ अधिकारियों के पास जाने की सलाह दी थी। जिसके बाद अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक प्रियंका शुक्ला ने मामले में पीड़ित परिवार की मदद की थी।

मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान आज बघराजी और बरगी नगर आयेंगे

जबलपुर, देशबन्धु। मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान का सोमवार 9 अक्टूबर को जिले के कुंडम विकासखण्ड के ग्राम बघराजी एवं जबलपुर विकासखण्ड के बरगी नगर में आयोजित कार्यक्रमों में शामिल होंगे ।

मुख्यमंत्री श्री चौहान सोमवार की दोपहर 1.25 बजे सीधी जिले के रामपुर नैकिन से हेलिकॉप्टर द्वारा बघराजी पहुंचेंगे और स्थानीय कार्यक्रम में शामिल होने के बाद दोपहर 2.40 बजे हेलीकॉप्टर से बरगी नगर प्रस्थान करेंगे। श्री चौहान दोपहर 2.55 बजे बरगी नगर पहुँचेंगे और वहां आयोजित स्थानीय कार्यक्रम में शामिल होंगे। मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान शाम 4.10 बजे बरगी नगर से हेलीकॉप्टर द्वारा रवाना होकर शाम 4.25 बजे डुमना एयरपोर्ट आयेंगे और शाम 4.30 बजे डुमना एयरपोर्ट से वायुयान द्वारा भोपाल प्रस्थान करेंगे।

प्रदेश वक्फ बोर्ड को राहत नहीं, हाईकोर्ट ने स्टे देने से किया इंकार

नवनियुक्त 56 कमेटी पर लटकी तलवार

जबलपुर, देशबन्धु। वक्फ़ फरहत सराय जामा मस्जिद हरदा के अध्यक्ष याहया खान द्वारा मप्र उच्च न्यायालय मे याचिका दायर करते मोहम्मद अहमद खान की प्रभारी मुख्य कार्यपालक अधिकारी पद पर की गई नियुक्ति एवं वक्फ़ बोर्ड द्वारा वक्फ फरहत सराय के कार्यपालक अधिकारी दिलीप खान की 19 जुलाई 2023 को वक्फ बोर्ड द्वारा की गई नियुक्ति को चुनौती दी गई। जिस पर हाईकोर्ट के जस्टिस विवेक अग्रवाल ने विगत 14 सितम्बर 2023 को सुनवाई कर आदेश जारी किया कि मोहम्मद अहमद खान मुख्य कार्यपालक अधिकारी का पद धारण करने अक्षम (इंकॉम्पिटेंट) है तथा इनके द्वारा पारित सभी आदेश शून्यवत है, साथ ही 19 जुलाई 2023 को वक्फ बोर्ड के कार्यपालक अधिकारी द्वारा फरहत सराय हरदा के कार्यपालक अधिकारी बनाये गये दिलीप खान की नियुक्ति को भी ख़ारिज कर दिया।

हाईकोर्ट के इस आदेश के बाद मप्र वक्फ बोर्ड भोपाल द्वारा हाईकोर्ट की डिवीज़न बैंच में अपील दायर की गई। जिस पर 6 अक्टूबर 2023 को हाईकोर्ट के चीफ जस्टिस रवि मलिमथ और जस्टिस विशाल मिश्रा की डिवीज़न बैंच ने शेष प्रतिवादीगण को नोटिस जारी करते हुए मोहम्मद अहमद खान के विरुद्ध 14 सितम्बर 2023 को हाईकोर्ट द्वारा पारित आदेश पर स्टे करने से इंकार कर दिया। हाईकोर्ट की डिवीज़न बैंच के स्टे न करने से मोहम्मद अहमद खान द्वारा जारी किये गये सभी आदेश निष्प्रभावी है। उच्च न्यायालय के इस प्रकरण मे वक्फ फरहत सराय जामा मस्जिद हरदा की ओर से अधिवक्ता तकमील नासिर और अधिवक्ता धर्मेन्द्र सोनी ने पैरवी की। वहीं मप्र वक्फ बोर्ड की ओर से अधिवक्ता कपिल दुग्गल एवं मप्र शासन की ओर से अधिवक्ता पीयूष जैन ने पैरवी की।

56 कमेटी पर तलवार- हाई कोर्ट के मप्र वक्फ बोर्ड को स्टे नहीं दिए जाने के चलते प्रदेश की 56 कमेटीयों के अस्तित्व पर तलवार लटक गई है। इसमें अंजुमन इस्लामिया वक्फ मढ़ाताल भी शामिल है। गौरतलब है कि अंजुमन वक्फ की प्रबंध कमेटी की भी नियुक्ति अक्षम अधिकारी मोहम्मद अहमद खान के द्वारा की गई थी। जिसको हाईकोर्ट में चुनौती दी गई। जिसपर स्टे नहीं मिला है।

तीसरी लाइन बिछाए जाने के कारण कई ट्रेनें रद्द

जबलपुर, देशबन्धु। पश्चिम मध्य रेलवे के बुदनी बरखेड़ा व जोन के अंतर्गत तीसरी लाइन बिछाने विद्युतीकरण व अन्य तकनीकी कार्य के चलते कई ट्रेनें रद्द और कई के मार्ग में परिवर्तन किया गया है। इसमें जबलपुर से रानी कमलापति जनशताब्दी एक्स, सोमनाथ व अन्य ट्रेनें रद्द रहेंगी।

यह ट्रेनें रद्द रहेंगी-जनशताब्दी एक्सप्रेस 15 से 27 अक्टूबर तक रानी कमलापति एलटीटी साप्ताहिक 27 अक्टूबर छिन्दवाड़ा इंदौर 15 से 27अक्टूबर तक बीना कैमोर 15 से 27 अक्टूबर तक, ट्रेन नम्बर 02575-13 अक्टूबर, 14624-14से 27 अक्टूबर, 05303- 14एवं 21 अक्टूबर, 09715-14 एवं 21 अक्टूबर, 12720-16 से 25 अक्टूबर, जबलपुर श्रीधाम नई दिल्ली 15 से 27 अक्टूबर, बिलासपुर, इंदौर नर्मदा एक्सप्रेस 14 से 26 अक्टूबर तक,12171-16 से 26 अक्टूबर तक, बिलासपुर भोपाल 14 से 25 अक्टूबर, 12405, 15 से 24 अक्टूबर ,20481, 18 से 24 अक्टूबर तक, 00653-15 से 25 अक्टूबर तक ,00651-14 से 21 अक्टूबर ,00629 -14 से 24 अक्टूबर तक, 00637-15 से 15 अक्टूबर तक रद्द रहेगी।

इन ट्रेनों के मार्ग में हुआ बदलाव- जबलपुर से सोमनाथ जबलपुर के एमजेड 15 से 27 अक्टूबर तक जबलपुर इंदौर के एमजेड बीना भोपाल होकर इंदौर 23 से 27अक्टूबर 11071 एलटीटी बीएसबी जबलपुर कटनी होकर चलेगा, 19483/19484 -15 से 27 अक्टूबर ,19435-26 अक्टूबर,12589/12590-18 एवं 25 अक्टूबर, 11407/11408-19 एवं 26 अक्टूबर 22538/22537-24 से 27 अक्टूबर,12943/12944-23 एवं 25 अक्टूबर,01655/01666-26 एवं 29 अक्टूबर कटनी बीना होकर चलेगी। 04121/04122 साप्ताहिक 19 एवं 26 अक्टूबर से बदले हुए मार्ग से चलेगी। दुर्ग से भोपाल अमरकंटक एक्सप्रेस ट्रेन 23 से 28 तक इटारसी तक ही संचालित की जाएगी।

श्रीधाम नर्मदा एक्सप्रेस जनशताब्दी ट्रेनों के अलावा कई के मार्ग बदले

यहां इस बात का उल्लेख करना आवश्यक है कि जबलपुर से रानी कमलापति वन्देभारत एक्सप्रेस ट्रेन के संचालन में किसी भी प्रकार का परिवर्तन नहीं किया गया है,यात्रियों को अधिक पैसे देकर अपनी यात्रा पूरी करनी होगी।

पमरे के महाप्रबंधक सुधीर कुमार गुप्ता की सेवानिवृत्ति को तीन सप्ताह बचे हैं वह यदि इन ट्रेनों के संचालन के प्रति गंभीरता दिखाए तो यात्रियों को अच्छी सुविधा उपलब्ध करायी जा सकती है।

नारकोटिक्स ब्यूरो के अधीक्षक ने की आत्महत्या

कोल्ड ड्रिंक में जहरीला पदार्थ मिलाकर पिया

ग्वालियर, देशबन्धु। ग्वालियर में केंद्रीय नारकोटिक्स ब्यूरो के अधीक्षक सेल्वा मुर्गन ने की खुदकुशी कर ली। बताया जा रहा है कि मुर्गन ने कोल्ड ड्रिंक में सल्फास मिलाकर पिया। इसी के साथ उन्होंने सल्फास पीने के बाद नींद की गोलियां भी खाई, परिजन तत्काल उन्हें अस्पताल लेकर पहुंचे, लेकिन उनकी मौत हो गई। आत्महत्या करने के बाद अब इस मामले की जांच की जा रही है।

पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार मुर्गन ने सल्फास खा लिया था। अभी तक कोई सुसाइड नोट नहीं मिला है, इसी के साथ परिजनों ने भी अभी तक इस संबंध में कुछ नहीं बताया है।

मुर्गन 31 मई को भी अपनी पत्नी से विवाद होने के बाद रेलवे स्टेशन पर आत्महत्या करने के लिए पहुंच गए थे। बताया जा रहा है कि वह पारिवारिक विवाद के कारण पिछले लंबे समय से मानसिक तनाव झेल रहे थे, इसलिए आशंका का जताई जा रही है कि पारिवारिक विवाद के कारण उन्होंने जहरीला पदार्थ खाकर आत्महत्या कर ली है।

केन्द्रीय मंत्री पटेल का आगमन आज

जबलपुर, देशबन्धु। केन्द्रीय जल शक्ति तथा खाद्य प्रसंस्करण उद्योग राज्य मंत्री प्रहलाद सिंह पटेल का सोमवार 9 अक्टूबर को शाम 6.30 बजे गोंदिया से विशेष विमान द्वारा जबलपुर आगमन होगा।

जबलपुर मंडल की ये ट्रेनें भी ठहरेगी इन स्टेशनों पर

छह माह के लिए प्रायोगिक तौर पर रोकने का फैसला

जबलपुर, देशबन्धु। यात्रियों की सुविधा के लिए क्षेत्रीय जनप्रतिनिधियों की मांग पर दो जोड़ी एक्सप्रेस रेलगाडियों को 08 अक्टूबर से 04 अप्रैल 2024 तक जरुआ खेड़ा, गनेश गंज एवं लिधोरा खुर्द रेलवे स्टेशनों पर छह माह के लिए प्रायोगिक तौर पर रोकने का फैसला रेल मंत्रालय ने लिया है।

गाडी संख्या 11271 इटारसी-भोपाल विंध्याचल एक्सप्रेस जरुआ खेड़ा स्टेशन पर सुबह 04.08 बजे आकर 04.10 बजे प्रस्थान करेगी। इसी तरह गाड़ी संख्या 11272 भोपाल इटारसी एक्सप्रेस जरुआ खेड़ा स्टेशन पर रात 09.43 बजे आयेगी और 09.45 बजे प्रस्थान करेगी।

गनेशगंज में रूकने वाली ट्रेनों का समय इस प्रकार रहेगा- गाडी संख्या 11271 इटारसी-भोपाल विंध्याचल एक्सप्रेस ट्रेन गनेश गंज स्टेशन पर मध्य रात्रि 02.13 बजे आकर 02.15 बजे प्रस्थान करेगी। गाड़ी संख्या 11272 भोपाल इटारसी गनेश गंज स्टेशन पर रात 11.43 बजे आकर व 11.45 बजे प्रस्थान करेगी। गाडी संख्या 18235/18236 भोपाल-बिलासपुर-भोपाल एक्सप्रेस ट्रेन का भोपाल से प्रारम्भ कर लिधोरा खुर्द स्टेशन पर दोपहर 03.12 बजे आगमन व 03.14 बजे प्रस्थान और बिलासपुर से प्रारम्भ कर लिधोरा खुर्द स्टेशन पर सुबह 09.43 बजे आगमन व 09.45 बजे प्रस्थान रहेगा।

शरद ऋतु का शुभारंभ, मौसम में घुली ठंडक

जबलपुर, देशबन्धु। शरद ऋतु का शुभारंभ हो चुका है। दिन और रात में मौसम में हल्दी ठंडक घुल रही है। दोपहर के वक्त थोड़ी गर्माहट का अहसास भी होता है,लेकिन अब पहले जैसी बेचैनी का आलम नहीं है। मौसम पूरी तरह से साफ हो गया है। मौसम विभाग के अनुसार मानसून की विदाई के बीच पश्चिम विक्षोभ के असर से आगामी दिनों में जबलपुर सहित संभाग के जिलों में कहीं-कहीं छिटपुट बूंदाबांदी की संभावना है,लेकिन ज्यादा बारिश नहीं होगी।

दक्षिण पश्चिमी मानसून अधिकांश हिस्सों से विदा हो चुका है। 10 अक्टूबर तक मानसून पूरी तरह से विदा हो जाएगा। इसके असर से बनने वाले पश्चिमी विक्षोभ से मौसम में बदलावा आएगा। एक हफ्ते में तापमान में तेजी से गिरावट आएगी और अगले एक पखवाड़े तक ठंड का असर तेज हो जाएगा। उत्तरी बर्फीली हवा लोगों को सिहराने लगेंगी। मौसम विभाग के अनुसार फिलहाल अगले 48 घंटे के दौरान अधिकतम तापमान में खास बदलाव आने की संभावना नहीं है। हवा का रुख शुक्रवार को पश्चिमी रही। हवा का रुख उत्तरी होने के साथ ही रात के तापमान में लगातार गिरावट देखी जा सकेगी।

अगले हफ्ते से पड़ेगी ठंड

दिन में धूप में तीखापन रहा वहीं शाम होते ही वातावरण में गुलाबी ठंडक घुलने लगी। रात बढ़ने के साथ ही ठंड का असर भी बढ़ता गया। खमरिया, पिपरिया, डुमना सहित मैदानी क्षेत्रों में ठंड का असर ऐसा रहा कि रात में दो पहिया से सफर करने हल्के गर्म कपड़े पहन कर निकले।

घर से लापता प्रेमी जोड़े ने लगाई फांसी, जंगल में पेड़ पर लटके मिले शव ऑनर किलिंग का शक

छतरपुर, देशबन्धु। छतरपुर में एक माह पहले घर से लापता हुए एक प्रेमी जोड़े ने आत्महत्या कर ली है। प्रेमी जोड़े ने गांव के बाहर ही एक ही पेड़ से एक ही रस्सी का फंदा बनाकर मौत को गले लगा लिया। हालांकि आत्महत्या की यह घटना 20 दिन पुरानी लग रही है। लाशों को गली हुई अवस्था में स्थानीय लोगों की सूचना के बाद बरामद किया गया। प्राप्त जानकारी के मुताबिक 20 साल के मनीष रैकवार निवासी नयाखेरा एवं तीन बच्चों की मां व आंगनवाड़ी कार्यकर्ता जग्गोबाई रैकवार 35 वर्ष के बीच प्रेम प्रसंग चल रहा था। 6 सितम्बर को अचानक दोनों घर से लापता हो गए। इस मामले में दोनों ही परिवारों ने पुलिस को लापता होने की कोई सूचना भी नहीं दी थी। शनिवार शाम जब चरवाहे जंगल में मवेशियों को चराने गये तो शवों को पेड़ पर लटका देखा, जहां चरवाहों ने पुलिस को सूचित किया कि दोनों लाशें नयाखेरा के हार में एक पेड़ से लटक रही हैं। जिसके बाद एएसआई रामप्रकाश प्रजापति और

आरक्षक गणेश अहिरवार ने मौके पर पहुंचकर लाशों को बरामद कर पोस्टमार्टम के लिए भेजा। पुलिस को प्रथम दृष्टया मामला आत्महत्या का लग रहा है। पोस्टमार्टम के बाद मामले की सच्चाई सामने आ सकती है। फिलहाल पुलिस मामले के विभिन्न पहलुओं पर जांच कर रही है कि मामला कहीं ऑनर किलिंग हत्या तो नहीं की गई। क्योंकि गायब होने के बाद दोनों के परिजनों ने थाने में सूचना रिपोर्ट दर्ज नहीं कराई थी।

सोनू पोल्ट्री

बड़ा ब्रॉयलर - रु. 108
मीडियम ब्रॉयलर - रु. 118
छोटा ब्रॉयलर - रु. 128

मोबाइल नं. 9300692405

J.B.F.A.

जबलपुर बॉयलर फार्मस् एसोसियेशन

मुर्गा छोटा - रु. 132
मुर्गा मीडियम - रु. 122
मुर्गा बड़ा - रु. 112
मुर्गा जम्बो - रु. 112

मो.-9039925000, 9425800409

आसान किस्तों में उपलब्ध **मिश्रा इन्टरप्राइजेज**

सभी ब्रांडेड कम्पनियों के टी.वी. एल.सी.डी. फ्रिज, डी.वी.डी. वुडन फर्नीचर, स्टील फर्नीचर उपलब्ध है

1. उपभोक्ता की संतुष्टि ही सफलता की सीढ़ी है।
2. उपभोक्ता सेवा ही जीवन का लक्ष्य है।

एल.जी. सेमसन, फिलिप्स, बी.पी. एल. सोनी, वेस्टन व अन्य कंपनियों के उपलब्ध है।
441, सरकारी कुंआ, शीतलामाई वार्ड
पश्चिमी घमापुर, जबलपुर
मो. 9200000162 फोन- 2626496

FOR ENQUIRY CALL 0761-4069888
FOLLOW BY SAMDAREEYA_CINEMAS
समदड़िया सिनेमा

MORNING SHOW OFFER RS. @ 100/- (CONDITION APPLY)

JAWAN 10:30 AM 01:30 PM 04:00 PM 10:15 PM
FUKREY-3 10:15 AM 01:00 PM 04:30 PM 07:15 PM 10:30 PM
THANK YOU FOR COMING 12:00 PM 04:30 PM 08:45 PM 10:55 PM
THE EXORCIST: BELIEVER 10:00 AM 02:15 PM 06:45 PM
THE VACCINE WAR 07:30 PM
MISSION RANIGANJ IN HINDI 09:00 AM 12:30 PM 03:00 PM 05:40 PM 08:20 PM 10:55 PM

14 आयुर्वेदिक दर्दनाशक तेलों का मिश्रण
मामजेसिक
तीव्र दर्दनाशक तेल/क्रीम
कमर, पीठ, गर्दन, जोड़ों एवं घुटने का दर्द, कंधे एवं कूल्हों का दर्द, अंदरूनी चोट, मोच-सूजन, माँसपेशियों में खिंचाव-लचकना पिंड़लियों, पंजों, हड्डियों एवं पसलियों में दर्द, हाथ-पैर में झुनझुनी, कम्पन्न, कमजोरी, जाँघों में दर्द हेतु अत्यंत प्रभावशाली एवं गहराई तक असरकारक
लकवा रोगियों हेतु अत्यंत आवश्यक
चिपचिपाहट रहित मामजेसिक तीव्र दर्दनाशक तेल/क्रीम
सभी मेडीकल स्टोर्स में उपलब्ध
व्यवसायिक पूछताछ 9826035091